फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 75 संख्याः 276 प्रभात जयपुर, शुक्रवार 9 मई, 2025 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.75 रु.

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

# राष्ट्रदूत
Metro
Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

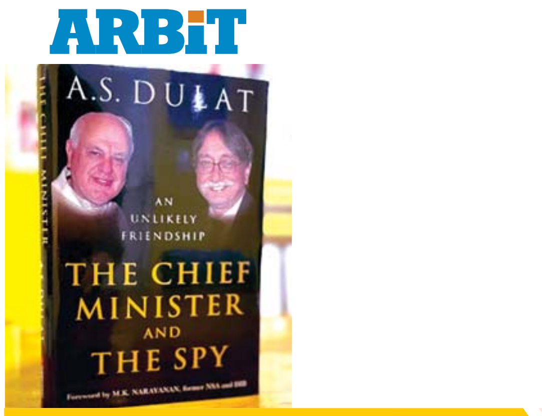


The 'Disco Chief Minister' Didn't Give a Damn

Public scrutiny of how you walk, live, talk and dress will happen. The first rule is to understand this, the second, zip your mouth, seal your lips and be tolerant of the inquisitives and the jealous... Farooq told Dulat

Walking Yoga Finds its Footing in Everyday Wellness

# भारत और पाकिस्तान के बीच "अन डिक्लेयर्ड वॉर" शुरु

## पाकिस्तान ने भारत के 15 शहरों के सैन्य ठिकानों पर हमला किया

### भारतीय सेना ने हमले का जवाब उसी श्रेणी और तीव्रता से दिया

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 8 मई। दोनों देशों के बीच सशस्त्र बलों की गतिविधियों में वृद्धि के संकेतों के बीच, पाकिस्तान ने पंजाब के पठानकोट के अलावा, जम्मू और कश्मीर के सांबा और अन्य क्षेत्रों में भारी गोलाबारी शुरु कर दी है।

- पाकिस्तान ने जिन 15 शहरों के सैन्य ठिकानों का टारगैट करने का प्रयास किया, उनमें श्रीनगर, पठानकोट, अमृतसर, लुधियाना, चंड़ीगढ़, बीकानेर, बाड़मेर, भुज आदि शामिल थे।
- रात 9 बजे जम्मू में धमाकों की आवाज़ सुनाई दी, उसके बाद सायरन बजे और ब्लैक आउट घोषित कर दिया गया। हमला खबर मिलने तक जारी रहा।

पाकिस्तान ने 15 भारतीय शहरों को लक्षित करने के अपने विफल प्रयास के कुछ घंटे बाद, जम्मू और कश्मीर के कुछ हिस्सों पर हमला किया, जबकि सीमावर्ती क्षेत्र में सांबा, पुंछ और अन्य क्षेत्रों में भारी गोलाबारी हो रही है, जम्मू पर मिसाइलों और ड्रोन के जरिए हमला किया गया।

रात 9 बजे से पहले, जम्मू शहर से जोरदार धमाके सुनाई दिए, उसके बाद सायरन की आवाजें आईं और अंधेरा छा गया। हमला अभी भी जारी है। मोबाइल सेवाएं बंद हैं।

स्थानीय लोगों द्वारा भेजे गए सेलफोन वीडियो में आकाश में रोशनी की रेखाएँ दिख रही हैं, जो भारतीय सशस्त्र बलों द्वारा मिसाइलों और ड्रोन को एयर डिफेंस सिस्टम द्वारा इंटरसेप्ट करने का संकेत देती हैं।

कुपवाड़ा, जो 300 किलोमीटर से अधिक दूर है, के साथ ही, पठानकोट

( शेष अंतिम पृष्ठ पर )

*जैसलमेर में भी पाकिस्तान ने ड्रोन व मिसाइल हमले किये। ये तस्वीरें जैसलमेर में हुए हमले के वीडियो से निकाली गई है, जिनमें पाकिस्तानी मिसाइल व ड्रोनों को भारतीय एयर डिफेंस सिस्टम के द्वारा धमाके के साथ ध्वस्त करते हुए देखा जा सकता है।*

## अमेरिका चाहता है पाकिस्तान के आर्मी चीफ आसिफ मुनीर को तुरंत हटाया जाए

### अमेरिका का कहना है मुनीर हार्डलाइनर हैं और आज उभरे युद्ध के हालात के लिए वे ही जिम्मेवार हैं

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 8 मई। भारत और पाकिस्तान के बीच टकराव इतना बढ़ गया है कि पाकिस्तान में भारत पर हमला करने का दबाव बढ़ता जा रहा है, और आज रात पाकिस्तान भारत के कुछ प्रमख स्थानों पर हमला करने की कोशिश कर सकता है।

- भारत सरकार का साफ कहना है कि पहलगाम में हुई हत्याएं उकसाने वाली हरकत थी, भारत तो सिर्फ उसका जवाब दे रहा है।
- कहा जा रहा है कि कश्मीर के मुसलमानों के बारे में मुनीर की हेट स्पीच के बाद ही 22 अप्रैल को पहलगाम में आतंकी घटना हुई थी, जिसमें 26 भारतीय मारे गए थे।

भारत ने पाकिस्तान द्वारा 15 प्रमुख भारतीय स्थानों पर हमला करने के प्रयासों को नाकाम कर दिया है, और रुस से प्राप्त एस-400 मिसाइल रक्षा प्रणाली के साथ उनके मिसाइलों को नष्ट कर दिया है। ज्ञातव्य है कि अमेरिका ने इस मिसाइल रक्षा प्रणाली की खरीद का विरोध किया।

प्रतिशोध में भारत ने रावलपिंडी स्टेडियम पर हमला किया, जहां क अंतर्राष्ट्रीय मैच होने वाला था। लेकिन इस स्टेडियम का महत्व यह है कि यह पाकिस्तान आर्मी मुख्यालय के पास स्थित है और क्योंकि भारत ने यह कहा था कि वह पाकिस्तान के सैन्य प्रतिष्ठानों पर हमला नहीं करेगा, इसलिए उसने खुद

( शेष अंतिम पृष्ठ पर )

## आईएनएस विक्रांत ने कराची पोर्ट तबाह किया

नई दिल्ली, 8 मई। भारतीय वायुसेना के बाद अब नौसेना भी एक्शन में आ गई है। अरब सागर में तैनात विक्रांत ने कराची को निशाने पर लेकर भारी तबाही मचानी शुरू कर दी है। नौसेना के हमले से कराची के बंदरगाह समेत शहर में भारी आग लगी हुई है। रक्षा सूत्रों के मुताबिक, आईएनएस विक्रांत से पाकिस्तान के कराची और ओरमारा बंदरगाह पर कई मिसाइलें दागी गई हैं। जिसे दोनों पोर्ट पर भयंकर आग लग गई है। इस हमले से दोनों बंदरगाह शहरों में चारों ओर धुआं धुआं फैला हुआ है। लोग घबराहट में तटीय इलाकों को छोड़कर अंदर की ओर भाग रहे हैं।

## दो पाकिस्तान पायलट पकड़े, चार फाइटर जैट नष्ट किए

नई दिल्ली, 8 मई। पाकिस्तान ने जम्मू पर गुरुवार देर रात मिसाइल और ड्रोन अटैक किया है। इसके साथ ही, पाकिस्तानी फाइटर जेट्स ने भी भारतीय सीमा में हमला करने के लिए घुसपैठ करने की कोशिश की है. भारतीय वायुसेना और भारतीय एयर डिफेंस सिस्टम एस- 400 ने इसका जवाब देते

( शेष अंतिम पृष्ठ पर )

## पाकिस्तान का 15 शहरों पर हमला विफल

### भारतीय सेना ने पाकिस्तान के कई शहरों के एयर डिफेंस रडार और सिस्टम नष्ट किये

नई दिल्ली, 8 मई। पाकिस्तान ने पिछली रात भारत के लगभग 15 ठिकानों पर हमला करने की कोशिश की, जिसके बाद भारत ने जवाबी कार्रवाई करते हुए पाकिस्तानी सेना की एयर डिफेंस यूनिट को तबाह कर दिया है। पाकिस्तान की ओर से राजस्थान के 3 शहरों पर मिसाइल दागी गई थी। प्रेस सूचना ब्यूरो ने इस संबंध में आधिकारिक जानकारी साझा की है।

प्रेस सूचना ब्यूरो के अनुसार, 7-8 मई 2025 की रात को पाकिस्तान ने ड्रोन और मिसाइलों का इस्तेमाल कर पंजाब, जम्मू कश्मीर, राजस्थान और गुजरात राज्यों के साथ ही चंडीगढ़ को निशाना बनाया था। लेकिन भारत ने पहली बार अपने एयर डिफेंस सिस्टम एस-400 का इस्तेमाल करते हुए सभी मिसाइलों को नष्ट कर दिया। साथ ही, भारत ने पाकिस्तान के कई शहरों में मौजूद एयर डिफेंस रडार और सिस्टम को तबाह कर दिया।

- फलौदी, उत्तरलाई तथा नाल एयरपोर्ट राजस्थान के सामरिक दृष्टि से महत्वपूर्ण हवाई अड्डे हैं। तीनों स्थानों पर दागी गई पाकिस्तानी मिसाइल पाकिस्तान सीमा में ही नष्ट कर दी गईं।

पाकिस्तान ने बीती रात फलोदी (जोधपुर), नल (बीकानेर), उत्तरलाई (बाड़मेर) में टारगेट किया था। लेकिन पाकिस्तान के नापाक मसूबों को एस-400 ने तबाह कर दिया।

ये तीनों ही स्थान सामरिक दृष्टि से काफी महत्वपूर्ण हैं। उत्तरलाई एयरबेस राजस्थान का सबसे पुराना और महत्वपूर्ण एयरबेस है। यह भारत-पाकिस्तान की सीमा से महज 120 किलोमीटर की दूरी पर हैं। युद्ध की स्थिति में आर्मी और सशस्त्र बलों के लिए सैन्य आपूर्ति और सामरिक दृष्टि से यह एयरबेस स्टेशन बेहद महत्वपूर्ण है।

वहीं, बीकानेर स्थित नाल एयरपोर्ट भी बेहद अहम है। यहां एक तरफ सिविल एयरपोर्ट बना हुआ है तो दूसरी ओर, एयरफोर्स का एयरपोर्ट है। सरहदी इलाके में बीकानेर शहर से 15 किमी दूर नाल सिविल एयरपोर्ट है। दुश्मन देश पाकिस्तान की सीमा से काफी नज़दीक होने के चलते सामरिक दृष्टि से नाल क्षेत्र बेहद महत्वपूर्ण है।

फलोदी में स्थित भारतीय वायुसेना के वायुसेना स्टेशन को 2010 में शुरू किया गया था। यह राजस्थान का छठा वायुसेना स्टेशन है। यह बेस पाकिस्तान के साथ अंतरराष्ट्रीय सीमा से लगभग 100 किमी दूर स्थित है। जैसलमेर और जोधपुर एयरबेस के बीच स्थित यह बेस 4000 एकड़ के क्षेत्र में फैला है।

रक्षा मंत्रालय ने गुरूवार को यहां एक वक्तव्य जारी कर कहा कि सात और आठ मई की दरमियानी रात में पाकिस्तान ने उत्तरी एवं पश्चिमी भारत के अनेक सैन्य ठिकानों को मिसाइलों

( शेष अंतिम पृष्ठ पर )

## मध्यस्थता कौन करेगा?

नई दिल्ली, 8 मई। जब भी दो देशों के बीच युद्ध छिड़ता है हमेशा कोई ना कोई मध्यस्थ की भूमिका निभाता है। जैसे 1965 के वॉर में रुस ने मध्यस्थता की थी। इसी प्रकार 1971 का युद्ध और कारगिल वॉर भी मध्यस्थों की भूमिका से रुका था। पर इस बार मध्यस्थ की भूमिका में कोई नज़र नहीं आ रहा है ऐसा लगता है कि युद्ध लम्बा खिंच सकता है।

## पाकिस्तान ने जैसलमेर पर 30 मिसाइल दागीं

जैसलमेर, 8 मई। जैसलमेर में पाकिस्तान ने कई मिसाइलें दागीं, लेकिन भारतीय एयर डिफेंस सिस्टम ने मिसाइलों को मार गिराया। एहतियातन पूरे शहर में ब्लैकआउट कर दिया गया

- भारतीय सेना ने सभी मिसाइलों को हवा में नष्ट किया।
- पूरे शहर में बिजली काट के ब्लैक आउट किया।

( शेष अंतिम पृष्ठ पर )

## रावलपिंडी स्टेडियम तबाह, पाकिस्तानी टी-20 मैचों पर खतरे के बादल

नई दिल्ली, 8 मई। पाकिस्तान के खिलाफ जवाबी कार्रवाई में भारतीय सेना ने ड्रोन से हमला किया, जिमसें रावलपिंडी स्टेडियम के तबाह होने की रिपोर्ट सामने आ रही है। इस बीच पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने पुष्टि की है कि आज रावलपिंडी में होने वाले पेशावर जाल्मी और कराची किंग्स के बीच मुकाबले को स्थगित कर दिया गया है और नई तारीखों का एलान भी नहीं किया गया है। अब पीएसएल पर भी खतरा मंडराने लगा है। भारत की कार्रवाई से डरे पीसीबी ने गुरुवार को आपात बैठक भी की।

भारतीय सैन्य हमलों से परेशान पाकिस्तान के क्रिकेट बोर्ड ने पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) को रोकने पर चर्चा करने के लिए एक आपातकालीन बैठक बुलाई है क्योंकि, इसमें कई विदेशी खिलाड़ी भी शामिल हैं। रावलपिंडी में कराई जा रही इस टी20 लीग में छह फ्रेंचाइजी शामिल हैं और यह अंतिम चरण में है। इसका समापन 18 मई को लाहौर में होना है। बोर्ड के एक विश्वसनीय सूत्र ने पीटीआई से कहा कि पीसीबी लीग

- पाकिस्तानी लीग का फाइनल 18 मई को लाहौर में तय था। अब क्रिकेट बोर्ड इसके भविष्य पर निर्णय करेगा।

जारी रखने के बारे में सरकार की सलाह का पालन करेगा और बृहस्पतिवार को चर्चा करेगा। सूत्र ने कहा- बुधवार से भारत द्वारा पंजाब प्रांत में किए गए ड्रोन हमलों के कारण बैठक में स्थिति की समीक्षा की जाएगी।

पीएसएल के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) सलमान नसीर ने भी रावलपिंडी में विदेशी खिलाड़ियों से मुलाकात की और उन्हें आश्वासन दिया कि उन्हें चिंता करने की कोई जरूरत नहीं है, क्योंकि पीसीबी स्थिति पर बारीकी से नजर रख रहा है। लीग में कुछ बड़े अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी जैसे डेविड वॉर्नर (कराची किंग्स), जेसन होल्डर (इस्लामाबाद यूनाइटेड) और रासी वान डर डुसेन (इस्लामाबाद यूनाइटेड) शामिल हैं।

## पाक प्रधानमंत्री आवास के पास धमाका

नई दिल्ली, 8 मई। भारत-पाकिस्तान में बढ़ते तनाव के बीच बड़ी खबर आई है। जानकारी के मुताबिक, पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के आवास से कुछ किमी दूर ही बड़ा धमाका हुआ है।

भारतीय सेना के ऑपरेशन सिंदूर की कार्रवाई के बाद पाकिस्तान बौखला गया है। पाकिस्तान ने राजस्थान, जम्मू समेत कई जगह पर ड्रोन और मिसाइल हमले किए, लेकिन भारतीय एयर डिफेंस ने उसके हमले नाकाम कर दिए। वहीं, एलओसी पर भी भारतीय सेना मुंहतोड़ जवाब दे रही है।

ताजा जानकारी के अनुसार, पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के घर से 20 किलोमीटर दूर धमाके की खबर सामने आई है। भारत ने इससे पहले जवाबी एक्शन में भारत ने पाकिस्तान के एयर डिफेंस सिस्टम से लेकर कई मिसाइलों को ध्वस्त कर दिया है। पाकिस्तान के फाइटर जेट -16 और 2 -17 को भारतीय सेना ने मार गिराया है।

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने आतंकवाद के विरुद्ध लड़ाई में भारत के साथ मिलकर काम करने के लिए अमेरिका के संकल्प की सराहना की है. जयशंकर ने अमेरिका के विदेश मंत्री मार्क रुबियो के साथ चर्चा की है।

## जोधपुर में कम्प्लीट ब्लैक आउट

जोधपुर, 8 मई। आपातकालीन परिस्थितियों को देखते हुए जोधपुर में जिला कलेक्टर गौरव अग्रवाल ने रात 9:30 बजे ही कम्प्लीट ब्लैकआउट के आदेश दिए हैं। इसके साथ ही, जोधपुर डिस्कॉम ने भी पूरे शहर में बिजली सप्लाई बंद कर दी। वहीं, पुलिस भी पूरे शहर में घूम कर सायरन से लोगों को आगाह कर घरों के बाहर जल रही लाइटें सुबह 4 बजे तक बंद रखने की अपील कर रही है। इससे पहले, आपातकालीन परिस्थितियों से निपटने की तैयारियों को लेकर जिला कलेक्टर गौरव अग्रवाल की अध्यक्षता में

- पोकरण पर ड्रोन हमला विफल

गुरुवार को कंट्रोलर नागरिक सुरक्षा कार्यालय में एक उच्च स्तरीय बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए और जिला स्तर पर संभावित आपातकालीन स्थितियों से निपटने की रणनीति पर गहन विचार-विमर्श किया गया। जैसलमेर-पोकरण में पाकिस्तान द्वारा ड्रोन हमला किया गया। आसमान में धमाकों की आवाज से लोगों में दहशत है। जैसलमेर के पोकरण क्षेत्र में लगातार हो रहे हवाई हमले तथा आसमान में धमाकों की आवाज से लोगों में खौफ का माहौल बना हुआ है। पोकरण के लवां गांव के पास पाकिस्तानी ड्रोन को भारतीय एयरबेस सिस्टम ने विफल भी किया।

## भारत और पाकिस्तान के बीच छिड़ा ड्रोन वॉर

### भारत ने पाकिस्तान के एयर डिफैंस सिस्टम तथा लाहौर एयर पोर्ट के रडार सिस्टम को नष्ट कर दिया

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 8 मई। भारत ने पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर पीओके में आतंकवादी ठिकानों पर हमला करने के एक दिन बाद, दोनों परमाणु संपन्न देशों के बीच सैन्य संघर्ष में कोई कमी नहीं दिख रही है। पाकिस्तान ने आज जम्मू एयरस्ट्रिप समेत, राजस्थान, पंजाब और जम्मू-कश्मीर के तीन क्षेत्रों में तोपों की गोलाबारी, ड्रोन और मिसाइल हमलों से दर्जनों स्थानों को निशाना बनाया।

भारत की रिपोर्ट के अनुसार, उसने लाहौर हवाई अड्डे पर एयर डिफेंस सिस्टम सहित रडार को नष्ट कर दिया है, जबकि कराची और सियालकोट में ड्रोन हमलों की भी सूचना है।

भारत ने पाकिस्तान के दो लड़ाकू विमान-एफ-16 और जेएफ-17 को नष्ट कर दिया है और पहले किए गए मिसाइल और ड्रोन हमलों को भी नाकाम कर दिया।

भारतीय अधिकारियों ने कहा कि इन हमलों को हवा में समन्वित उन्नत प्रौद्योगिकियों की तैनाती के माध्यम से नाकाम कर दिया गया था, और कोई भी नुकसान या किसी के हताहत की सूचना नहीं मिली।

कुपवाड़ा, उधमपुर में भारी पाकिस्तानी गोलाबारी की खबरें आईं और पठानकोट में एयर बेस को भी निशाना बनाया गया था, जहां अखनूर और कुश्तवाड़ क्षेत्रों में एयर रेड सायरन सुनाई दिए।

- भारत ने कराची और सियालकोट पर भी ड्रोन हमले किये।
- पाकिस्तान राजस्थान, पंजाब व जम्मू-कश्मीर के सीमा क्षेत्रों में लगातार फायरिंग कर रहा है तथा जम्मू एयर पोर्ट पर भी मिसाइल अटैक कर रहा है।
- इसी बीच खबर है कि भारत ने कथित तौर पर पाकिस्तान के दो लड़ाकू विमान, एफ-16 तथा जेएफ-17 को मार गिराया व कई मिसाइलें नष्ट कर दीं।

जहां पाकिस्तान ने इन भारतीय दावों पर कोई टिप्पणी नहीं की है कि इस्लामाबाद ने सीमा पार ड्रोन और मिसाइल भेजे थे, वहीं उसने दावा किया है कि उसने रातोंरात 25 भारतीय ड्रोन गिरा दिये। राजस्थान के बीकानेर और पंजाब के जलंधर में पूर्ण ब्लैक आउट कर दिया गया है।

पाकिस्तान ने कहा कि बुधवार सुबह से भारतीय हवाई हमलों में 31 लोग मारे गए हैं और 57 घायल हुए हैं।

भारतीय सेना ने दावा किया कि पाकिस्तानी गोलाबारी से 16 नागरिकों की मौत हो गई है। विक्रम मिश्री, विदेश सचिव ने गुरुवार को एक विशेष विदेश मंत्रालय ब्रीफिंग में कहा कि पाकिस्तान के पास संघर्ष को कम करने का विकल्प था, क्योंकि उसने पहलगाम आतंकवादी हमले के साथ स्थिति को बढ़ावा था और भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से केवल इसका जवाब दिया।

## विदेश मंत्री जयशंकर ने अमेरिका, यूरोप, इटली से वार्तालाप किया

नईदिल्ली, 8 मई। अमेरिकी विदेश विभाग की प्रवक्ता टैमी ब्रूस ने कहा कि विदेश मंत्री मार्क रुबियो ने भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर से बात की। सचिव ने तत्काल तनाव कम करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच सीधी बातचीत के लिए अमेरिकी समर्थन पर जोर दिया। विदेश मंत्री ने पहलगाम में हुए भयानक आतंकी हमले के लिए अपनी संवेदना दोहराई और आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में भारत के साथ मिलकर काम करने की संयुक्त राज्य अमेरिका की प्रतिबद्धता की फिर से पुष्टि की।

- उन्होंने कहा कि भारत ने अपनी कार्यवाही में संयम बरता है।
- डोभाल प्रधानमंत्री से मिले।

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने यूरोपीय यूनियन से बात की है। उन्होंने बताया कि भारत ने अपनी कार्वाइयों को लेकर संयम बरता है। हालांकि, किसी भी तरह की बढ़ ोतरी का कड़ा जवाब दिया जाएगा।

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने इटली के उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री एंटोनियो ताजानी से फोन पर बात की।

( शेष अंतिम पृष्ठ पर )

## विचार बिन्दु

नम्रता और खुदा के खौफ से इज्जत और जिन्दगी मिलती है। –सुलेमान

# "भारत-पाक तनाव के बीच राजस्थान की शौर्य सुरभि"

राजस्थान, जिसे वीरों की धरती शौर्य गाथाओं की गगरी कहा जाता है का भारत की सांस्कृतिक, ऐतिहासिक और सैन्य विरासत में अनमोल योगदान है। इसकी रेगिस्तानी माटी ने न केवल कला, संस्कृति और परंपराओं को पोषित किया है, बल्कि युद्ध के मैदानों में भी अपने बलिदान और साहस की अमर गाथाएँ लिखी हैं। भारत और पाकिस्तान के बीच हाल के तनाव, विशेष रूप से अप्रैल 2025 में जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले ने, राजस्थान की रणनीतिक और सैन्य महत्ता को और अधिक उजागर कर दिया है। इस हमले में 26 लोग मारे गए, जिनमें राजस्थान के नागरिक भी शामिल थे। भारत यह जानता है कि यह सब नापाक काम पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद का है।

भारत ने त्वरित कार्यवाही करते हुए सिंधु जल संधि को निलंबित कर दिया, राजनयिक संबंधों को और कम किया, और वाघाअटारी सीमा पर गतिविधियाँ रोक दी हैं। पाकिस्तान ने जवाबी कार्रवाई में भारतीय विमानों के लिए अपने हवाई क्षेत्र को बंद कर दिया और व्यापार पर रोक लगा दी। इस तनाव के बीच, राजस्थान की 1,070 किलोमीटर लंबी सीमा, जो पाकिस्तान के साथ सटी है, रणनीतिक रूप से अत्यंत महत्त्वपूर्ण हो गई है। यह सीमा थार मरुस्थल के रेगिस्तानी इलाकों से होकर गुजरती है और श्रीगंगानगर, बीकानेर, जैसलमेर, और बाड़मेर जिलों को जोड़ती है। यहां के नागरिकों का जोश इस समय उफान पर है। उल्लेखनीय है कि भारतीय सेना में राजस्थान का योगदान लगभग 10 प्रतिशत से अधिक है, जो देश के किसी भी अन्य राज्य की तुलना में सर्वाधिक है। यहाँ के युवा थल सेना, वायु सेना, और नौसेना में अपनी सेवाएँ दे रहे हैं। राजस्थान के नाम को रोशन करती राजपूताना राइफल्स ने अनेक युद्धों में अपनी वीरता का परचम लहराया है।

राजस्थान के अनेक जिले अपनी सैन्य परंपरा और सेना में भर्ती के लिए प्रसिद्ध हैं। इनमें से कुछ जिले ऐसे हैं जहाँ से सबसे अधिक सैनिक भारतीय सेना में शामिल होते हैं। सबसे प्रमुख जिला है सीकर, जो सैनिक भर्ती के मामले में अठाणी है। सीकर के गाँव-गाँव में सैन्य परिवार मिलते हैं, और यहाँ के युवा सेना में भर्ती होने के लिए विशेष प्रशिक्षण लेते हैं। सीकर की मिट्टी में देशभक्ति की भावना गहरी बसी है, और यहाँ के युवा शारीरिक और मानसिक रूप से कठिन सैन्य प्रशिक्षण के लिए तैयार रहते हैं। दूसरा जिला है नागौर, जो सैनिक भर्ती के लिए अपनी मजबूत परंपरा के लिए जाना जाता है। नागौर के जाट समुदाय ने सेना में विशेष योगदान दिया है, और यहाँ के युवा अपनी शारीरिक दक्षता और साहस के लिए प्रसिद्ध हैं। तीसरा जिला है जोधपुर, जो न केवल सैन्य प्रशिक्षण केंद्र के रूप में महत्त्वपूर्ण है, बल्कि यहाँ से भी बड़ी संख्या में सैनिक भर्ती होते हैं। जोधपुर में भारतीय वायुसेना का एक प्रमुख स्टेशन है, जो इस जिले की रणनीतिक महत्ता को बढ़ाता है। चौथा जिला है झुंझुनूं, जिसे शहीदों का जिला कहा जाता है। यहाँ के सैनिकों ने कई युद्धों में अपनी वीरता दिखाई है, और झुंझुनूं के हर गाँव में शहीद स्मारक देखे जा सकते हैं। पाँचवाँ जिला है बीकानेर, जो पाकिस्तान से सटी सीमा के निकट होने के कारण सैन्य गतिविधियों का केंद्र है। बीकानेर के युवा न केवल सेना में भर्ती होते हैं, बल्कि सीमा सुरक्षा बल में भी अपनी सेवाएँ देते हैं। इन जिलों के अलावा, जयपुर, अलवर, और चुरू जैसे जिले भी सैनिक भर्ती में महत्त्वपूर्ण योगदान देते हैं। इन जिलों में सैन्य भर्ती शिविर नियमित रूप से आयोजित किए जाते हैं, जहाँ हजारों युवा भाग लेते हैं। सीकर और झुंझुनूं में विशेष रूप से सैन्य प्रशिक्षण अकादमियाँ हैं, जो युवाओं को सेना में भर्ती के लिए तैयार करती हैं। इन जिलों की सैन्य परंपरा इतनी गहरी है कि यहाँ के युवा बचपन से ही सेना में शामिल होने का सपना देखते हैं।

राजस्थान की सीमा और उसके रणनीतिक महत्त्व को समझने के लिए हमें इसके भौगोलिक और सैन्य परिदृश्य को देखना होगा। राजस्थान की 1,070 किलोमीटर लंबी सीमा पाकिस्तान के साथ सटी है, जो भारत-पाक सीमा के कुल 3,323 किलोमीटर का एक महत्त्वपूर्ण हिस्सा है। श्रीगंगानगर, जो उत्तरी राजस्थान में स्थित है, पाकिस्तान के बहावलपुर और रहीम यार खान जिलों से सटा है। यहाँ की उपजाऊ भूमि और नहर प्रणाली इसे कृषि के लिए महत्त्वपूर्ण बनाती है, लेकिन सीमा की निकटता इसे सैन्य दृष्टिकोण से भी संवेदनशील बनाती है। बीकानेर का रेगिस्तानी इलाका पाकिस्तान के साथ सीमा बनाता है, और यहाँ बीएसएफ की चौकियाँ हर समय सतर्क रहती हैं। जैसलमेर, जिसे स्वर्ण नगरी कहा जाता है, थार मरुस्थल का हृदय है और पाकिस्तान के साथ सबसे लंबी सीमा साझा करता है। यह जिला रणनीतिक रूप से अत्यंत महत्त्वपूर्ण है, और यहाँ सैन्य अड्डे और वायुसेना के ठिकाने किसी भी स्थिति से निपटने के लिए तैयार हैं। बाड़मेर, अपनी रेगिस्तानी भू-संरचना के साथ, सीमा सुरक्षा का एक और महत्त्वपूर्ण हिस्सा है। इन चारों जिलों में सीमा पर तारबंदी, निगरानी उपकरण, और ड्रोन का उपयोग किया जाता है। बीएसएफ की 31 बटालियनें राजस्थान में तैनात हैं, जो सीमा की सुरक्षा में दिन-रात जुटी रहती हैं। हाल की घटनाओं के बाद पाकिस्तान ने राजस्थान से सटी सीमा पर अपनी सैन्य तैनाती बढ़ाई है, विशेष रूप से बहावलपुर में। यह वर्तमान तनाव की गंभीरता को दर्शाती है। लेकिन भारत-पाक तनावपूर्ण स्थिति में राजस्थान की ऐतिहासिक भूमिका असाधारण रही है।

1947-48 के प्रथम भारत-पाक युद्ध में, जब पाकिस्तान ने कश्मीर पर कब्जे की कोशिश की, राजस्थान के सैनिकों ने जम्मू-कश्मीर में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। उस समय कई राजस्थानी सैनिक ब्रिटिश भारतीय सेना का हिस्सा थे, और उन्होंने कबायलियों और पाकिस्तानी सेना का डटकर मुकाबला किया। 1965 के युद्ध में राजस्थान के सैनिकों ने पश्चिमी मोर्चे पर, विशेष रूप से बीकानेर और जैसलमेर के रेगिस्तानी इलाकों में, पाकिस्तानी टैंकों को धूल चटाई दी थी और उन्हें नष्ट कर दिया था। राजस्थान के मेजर शैतान सिंह ने अपनी अदम्य वीरता दिखाई थी। हालाँकि यह युद्ध चीन के खिलाफ था, उनकी गाथा राजस्थान के अमर सैन्य इतिहास का हिस्सा है। मेजर शैतान सिंह, जैसलमेर के रहने वाले, ने 1962 के भारत-चीन युद्ध में रेजांग ला की लड़ाई में 13 कुमाऊँ रेजिमेंट की सी कंपनी का नेतृत्व किया। चीनी सेना ने भारी संख्या में हमला किया, लेकिन मेजर शैतान सिंह ने अपने सैनिकों को प्रेरित करते हुए अंतिम साँस तक लड़ाई लड़ी। उनकी यूनिट के 120 सैनिकों में से 114 शहीद हो गए, लेकिन उन्होंने 1,300 से अधिक चीनी सैनिकों को मार गिराया। मेजर शैतान सिंह को मरणोपरांत परमवीर चक्र से सम्मानित किया गया, और उनकी मूर्ति जैसलमेर में स्थापित है। उनकी गाथा हर सैनिक के लिए प्रेरणा का स्त्रोत है। 1971 का भारत-पाक युद्ध राजस्थान के सैन्य इतिहास का स्वर्णिम अध्याय है। इस युद्ध में राजस्थान के सैनिकों ने पश्चिमी मोर्चे पर असाधारण साहस दिखाया। सबसे प्रसिद्ध है लोंगेवाला की लड़ाई, जो 4-5 दिसंबर 1971 को लड़ी गई। मेजर कुलदीप सिंह चांदपुरी, जो जैसलमेर में तैनात थे, ने 23 पंजाब रेजिमेंट की एक छोटी टुकड़ी का नेतृत्व किया। पाकिस्तानी सेना ने 2,000 सैनिकों और 40 टैंकों के साथ लोंगेवाला पोस्ट पर हमला किया। मेजर चांदपुरी के पास केवल 120 सैनिक और सीमित हथियार थे। फिर भी, उन्होंने रणनीतिक कौशल और साहस के साथ दुश्मन का सामना किया। रात भर चली लड़ाई में, भारतीय सैनिकों ने पाकिस्तानी सेना को भारी नुकसान पहुँचाया। सुबह भारतीय वायुसेना के हंटर विमानों ने हमला बोलकर पाकिस्तानी टैंकों को नष्ट कर दिया। इस लड़ाई में केवल दो भारतीय सैनिक शहीद हुए, जबकि पाकिस्तान ने सैकड़ों सैनिक और दर्जनों टैंक खो दिए। मेजर चांदपुरी को उनकी वीरता के लिए महावीर चक्र से सम्मानित किया गया। यह लड़ाई बॉलीवुड फिल्म बॉर्डर में चित्रित की गई और राजस्थान के शौर्य को विश्व पटल पर ले गई।

> **वर्तमान तनाव में राजस्थान की भूमिका और अधिक महत्त्वपूर्ण हो गई है। पहलगाम हमले के बाद भारतीय सेना ने राजस्थान में युद्धाभ्यास तेज कर दिया है। जैसलमेर और बाड़मेर में सैन्य अड्डे और वायुसेना के ठिकाने किसी भी जवाबी कार्रवाई के लिए तैयार हैं। भारतीय सेना ने राजस्थान में अपनी तैनाती बढ़ाई है, और बीएसएफ की 31 बटालियनें सीमा पर सतर्क हैं।**

1999 का कारगिल युद्ध एक और अवसर था जब राजस्थान के सैनिकों ने अपनी वीरता दिखाई। पाकिस्तानी घुसपैठियों को खदेड़ने के लिए भारतीय सेना ने ऑपरेशन विजय शुरू किया। राजस्थान रेजिमेंट ने टाइगर हिल और तोलोलिंग जैसी दुर्गम चोटियों पर कब्जा किया। इस युद्ध में राजस्थान के कई सैनिक शहीद हुए, जिनमें सिपाही रणजीत सिंह और हवलदार यशवीर सिंह शामिल थे। सिपाही रणजीत सिंह, सीकर के एक गाँव के रहने वाले, ने तोलोलिंग की लड़ाई में दुश्मन की मशीनगन पोस्ट को नष्ट किया, लेकिन इस दौरान वे शहीद हो गए। उनकी वीरता के लिए उन्हें मरणोपरांत वीर चक्र से सम्मानित किया गया। हवलदार यशवीर सिंह, झुंझुनूं के रहने वाले, ने टाइगर हिल पर अपनी टुकड़ी का नेतृत्व किया और दुश्मन की कई चौकियों को नष्ट किया। वे भी इस लड़ाई में शहीद हुए और उन्हें सेना मेडल से सम्मानित किया गया। इन सैनिकों की गाथाएँ राजस्थान के युवाओं को सेना में शामिल होने के लिए प्रेरित करती हैं। राजस्थान के अन्य बलिदानी सैनिकों में सिपाही सागर सिंह का नाम भी उल्लेखनीय है। सागर सिंह, सीकर के एक छोटे से गाँव के रहने वाले, 1965 के भारत-पाक युद्ध में शहीद हुए। उन्होंने पंजाब के खेमकरण सेक्टर में पाकिस्तानी सेना का सामना किया। एक भारी गोलीबारी के दौरान, सागर सिंह ने अपनी टुकड़ी को प्रेरित करते हुए दुश्मन की अग्रिम पंक्ति को तोड़ा। इस लड़ाई में वे गंभीर रूप से घायल हो गए और शहीद हो गए। उनकी वीरता के लिए उन्हें मरणोपरांत वीर चक्र से सम्मानित किया गया। उनके गाँव में उनकी स्मृति में एक स्मारक बनाया गया है, जो स्थानीय युवाओं के लिए प्रेरणा का स्त्रोत है। इसी तरह, झुंझुनूं के हवलदार रामस्वरूप यादव को 1971 के युद्ध में उनकी वीरता के लिए महावीर चक्र से सम्मानित किया गया। उन्होंने पूर्वी पाकिस्तान (अब बांग्लादेश) में एक महत्त्वपूर्ण पुल पर कब्जा करने में अपनी टुकड़ी का नेतृत्व किया। इस ऑपरेशन में वे शहीद हो गए, लेकिन उनकी वीरता ने भारतीय सेना की जीत को सुनिश्चित किया। नागौर के सिपाही भंवर सिंह ने 1999 के कारगिल युद्ध में अपनी जान गँवाकर देश की रक्षा की। उनकी कहानी स्थानीय लोकगीतों में गाई जाती है।

पहलगाम आतंकी हमले ने राजस्थान के लोगों के दिलों में गहरा आघात पहुँचाया है। 22 अप्रैल 2025 को, जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग जिले में पहलगाम के बैसरन घाटी, जिसे मिनी स्विट्जरलैंड के नाम से जाना जाता है, में चार आतंकियों ने एक क्रूर हमला किया। इस हमले में 26 लोग मारे गए, जिनमें ज्यादातर पर्यटक थे। आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा की शाखा, द रेजिस्टेंस फ्रंट ने इस हमले की जिम्मेदारी ली। आतंकियों ने पीड़ितों से उनके नाम और धर्म पूछे, और कुछ को कलमा पढ़ने के लिए कहा। जो लोग ऐसा नहीं कर सके, उन्हें गोली मार दी गई। इस हमले में राजस्थान के जयपुर निवासी नीरज उधवानी शहीद हो गए। नीरज, एक चार्टर्ड अकाउंटेंट, अपने परिवार के साथ कश्मीर की वादियों में छुट्टियाँ मनाने गए थे। उनकी मृत्यु ने जयपुर और पूरे राजस्थान में शोक की लहर दौड़ा दी। नीरज के पार्थिव शरीर को जयपुर लाया गया, जहाँ मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, और अन्य नेताओं ने उन्हें श्रद्धांजलि दी। नीरज की माँ, पत्नी, और परिवार के लिए राजस्थान की सात करोड़ जनता ने अपनी संवेदनाएँ व्यक्त कीं। उनकी शहादत ने एक बार फिर राजस्थान की देशभक्ति और बलिदान की भावना को उजागर किया। हम नीरज उधवानी को विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं, और प्रार्थना करते हैं कि उनकी आत्मा को शांति मिले। देशभर के शहीदों के परिवारों के प्रति हम गहरी संवेदना व्यक्त करते हैं। उनकी स्मृति में, राजस्थान के कोने-कोने में श्रद्धांजलि सभाएँ आयोजित की गईं।

वर्तमान तनाव में राजस्थान की भूमिका और अधिक महत्त्वपूर्ण हो गई है। पहलगाम हमले के बाद भारतीय सेना ने राजस्थान में युद्धाभ्यास तेज कर दिया है। जैसलमेर और बाड़मेर में सैन्य अड्डे और वायुसेना के ठिकाने किसी भी जवाबी कार्रवाई के लिए तैयार हैं। भारतीय सेना ने राजस्थान में अपनी तैनाती बढ़ाई है, और बीएसएफ की 31 बटालियनें सीमा पर सतर्क हैं। जैसलमेर के सीमावर्ती गाँवों में लोग इस कायरना हरकत का बदला चाहते हैं, लेकिन युद्ध की आशंका से चिंतित भी हैं। राजस्थान में सुरक्षा व्यवस्था को और सुदृढ़ करने के लिए मुख्यमंत्री निवास पर उच्च स्तरीय बैठकें हुईं, और संवेदनशील स्थानों पर निगरानी बढ़ाई गई है। जोधपुर में भारतीय वायुसेना का स्टेशन रणनीतिक रूप से महत्त्वपूर्ण है। राजस्थान की शौर्य पूर्ण सुरभि केवल सैनिकों तक सीमित नहीं है। यहाँ के आम नागरिक भी देशभक्ति की भावना से ओतप्रोत हैं। सीकर, नागौर, जोधपुर, झुंझुनूं, और बीकानेर जैसे जिलों में सैन्य भर्ती के लिए विशेष शिविर आयोजित किए जाते हैं। झुंझुनूं में हर साल शहीद मेले का आयोजन होता है, जिसमें शहीदों की गाथाएँ सुनाई जाती हैं। यहाँ के लोकगीत और कथाएँ सैनिकों की वीरता को जीवंत रखती हैं। उदाहरण के लिए, बीकानेर और जैसलमेर के रेगिस्तानी इलाकों में गाए जाने वाले गीत लोंगेवाला की लड़ाई और अन्य युद्धों की कहानियाँ बयान करते हैं। ये गीत नई पीढ़ी को देशभक्ति और बलिदान की भावना से प्रेरित करते हैं। पहलगाम हमले के बाद, राजस्थान के लोगों ने एकजुटता दिखाई और शहीदों के लिए प्रार्थना की। यह एकता और बलिदान की भावना राजस्थान की पहचान है। राजस्थान की माटी ने शौर्य और बलिदान की ऐसी गाथाएँ लिखी हैं जो देश के इतिहास में अमर हैं। सीकर, नागौर, जोधपुर, झुंझुनूं, और बीकानेर जैसे जिले सैनिक भर्ती के मामले में अग्रणी हैं। मेजर शैतान सिंह, मेजर कुलदीप सिंह चांदपुरी, सिपाही सागर सिंह, और हवलदार रामस्वरूप यादव जैसे वीरों की गाथाएँ राजस्थान की शौर्य पूर्ण सुरभि को और अधिक प्रेरणादायक बनाती हैं।

ऐतिहासिक युद्धों में राजस्थान ने अपनी वीरता का परचम लहराया, और वर्तमान तनाव में इसकी सीमा, सैन्य अड्डे, और सैनिक देश की सुरक्षा के लिए एकजुट हैं। यहाँ की मिट्टी की खुशबू में देशभक्ति और बलिदान की सुगंध बसी है, जो हर युग में भारत को गौरवान्वित करती रहेगी। हम इस तनाव के दौर में भी तनकर खड़े हैं और भारत की समृद्धि और सुरक्षा के लिए राजस्थान अबकी बार भी इतिहास रचेगा।

**–अतिथि सम्पादक,**
**राजेन्द्र मोहन शर्मा,**
**साहित्यकार, शिक्षाविद और चिन्तक**

# जनगणना को डिजिटल बनाएं: एक भारत, एक डेटा प्लेटफॉर्म की ओर

सुनील दत्त गोयल

भारत जैसे विशाल और विविधताओं से भरे देश में जनगणना सिर्फ जनसंख्या की गिनती नहीं होती, बल्कि यह देश की सामाजिक, आर्थिक और प्रशासनिक दिशा तय करने का एक सशक्त माध्यम भी होती है। हर 10 वर्षों में होने वाली यह प्रक्रिया लाखों कर्मचारियों और हजारों करोड़ रुपये के बजट के साथ संपन्न होती है। लेकिन क्या अब समय नहीं आ गया है कि इस विशालतम डेटा संग्रह प्रणाली को डिजिटल युग की ओर अग्रसर किया जाए? आज जब बैंकिंग, शिक्षा, स्वास्थ्य, वोटिंग, रेलवे बुकिंग, आधार कार्ड और पासपोर्ट तक की सेवाएं डिजिटल हो चुकी हैं, तब जनगणना जैसी महत्वपूर्ण प्रक्रिया को भी ऑनलाइन और तकनीकी रूप से सक्षम बनाना समय की माँग है।

**क्यों जरूरी है डिजिटल जनगणना?**

भारत सरकार के पास सैकड़ों विभाग हैं–स्वास्थ्य, शिक्षा, सामाजिक न्याय, महिला एवं बाल विकास, ग्रामीण विकास, नगर निकाय, राजस्व, कृषि, श्रम और रोज़गार, गृह मंत्रालय आदि। इन विभागों को समय-समय पर अलग-अलग सर्वेक्षण, फॉर्म और जनगणनाएँ करनी पड़ती हैं। इससे न केवल संसाधनों की बर्बादी होती है, बल्कि डेटा असंगत और अपूर्ण भी रहता है। यदि एक ही बार में एक विस्तृत डिजिटल जनगणना आयोजित की जाए, तो देश की समस्त सामाजिक और आर्थिक स्थिति का समठा डेटा एक स्थान पर उपलब्ध हो सकता है, जिससे नीतियाँ बनाना, योजनाओं को लागू करना और लाभार्थियों तक पहुंच सुनिश्चित करना अधिक सुगम हो जाएगा।

**डिजिटल जनगणना में क्या-क्या जोड़ा जाए?**

डिजिटल जनगणना के दौरान नागरिकों से विस्तृत जानकारी मांगी जानी चाहिए, जिससे सरकार की योजनाएं और नीतियां अधिक प्रभावी बन सकें। उदाहरणस्वरूप:–

माता-पिता और पति/पत्नी की राष्ट्रीयता, एकल या दोहरी नागरिकता, धर्म, जाति, उपजाति, पासपोर्ट की स्थिति, ड्राइविंग लाइसेंस, राशन कार्ड एवं उनका स्थाई व वर्तमान निवास का पता – चाहे देश में हो या विदेश में।

बच्चों की जानकारी – वे किसके साथ रहते हैं, उनकी आयु, शिक्षा, और क्या वे देश में हैं या विदेश में।

आवास और संपत्ति विवरण – स्वयं का मकान है या नहीं, कितनी संपत्तियां हैं, क्या वे किराये पर रह रहे हैं या खुद के घर में और उनके स्वामित्व में उपलब्ध वाहनों की जानकारी।

आर्थिक जानकारी – नागरिक की आय का स्त्रोत, वार्षिक आमदनी, व्यवसाय, नौकरी की स्थिति, क्या वह नरेगा या अन्य केन्द्रीय या राज्य सरकारी योजनाओं का लाभार्थी है।

परिवार के सदस्यों की आमदनी – पत्नी, बच्चों की रोजगार की स्थिति एवं संभावित आय भी दर्ज की जानी चाहिए।

सरकारी लाभ और सामाजिक वर्गीकरण – क्या वे पिछड़े वर्ग में आते हैं, अनुसूचित जाति/जनजाति हैं, या किसी अन्य आरक्षित वर्ग के सदस्य हैं।

दिव्यांगता की स्थिति – अगर व्यक्ति दिव्यांग है (पूर्व में जिसे विकलांगता कहा जाता था), तो उसकी स्पष्ट जानकारी भी दर्ज होनी चाहिए।

लिंग विविधता की मान्यता – जनगणना फॉर्म में ट्रांसजेंडर नागरिकों के लिए एक अलग कॉलम अनिवार्य रूप से जोड़ा जाना चाहिए, ताकि इस समुदाय को उचित सम्मान और मुख्यधारा में स्थान दिया जा सके।

एशिया के कई देशों ने ट्रांसजेंडर समुदाय को सम्मानजनक स्थिति दी है। भारत को भी यह दिखाना होगा कि वह अपने सभी नागरिकों को समान अधिकार देता है।

**नेशनल सैंपल सर्वे (एनएसएसओ) का एकीकरण**

जनगणना प्रक्रिया को एनएसएसओ (नेशनल सैंपल सर्वे ऑफिस) के डाटा इनपुट और सैंपल सर्वे ढांचे से जोड़कर और अधिक प्रभावी बनाया जा सकता है। इससे न केवल आंकड़े बेहतर और वैज्ञानिक होंगे, बल्कि भविष्य की योजनाओं और अनुसंधान कार्यों में भी इसकी उपयोगिता बढ़ेगी। एनएसएसओ द्वारा वर्षों से एकत्रित सैंपल डेटा का मिलान अगर जनगणना के विस्तृत डेटा से हो, तो कई सामाजिक-आर्थिक विसंगतियों का अनुमान लगाया जा सकता है एवं उनका उचित निराकरण भी किया जा सकता है। इन सूचनाओं को पहले से उपलब्ध सरकारी डेटाबेस जैसे, चुनाव आयोग, परिवहन विभाग, और राजस्व विभाग से आंशिक रूप से सत्यापित किया जा सकता है।

**संभावित लाभ**

1. समग्र नागरिक प्रोफाइल: एक व्यक्ति की शिक्षा, आय, निवास, संपत्ति, दस्तावेज़, व्यवसाय आदि की जानकारी एक जगह संग्रहीत होगी।

2. डिजिटल सिस्टम: सभी सरकारी सेवाओं के लिए अलग-अलग की जरूरत नहीं होगी।

3. सार्वजनिक योजनाओं का लाभ: पात्रता सत्यापन तेज होगा और गलत एवं फ़र्ज़ी लाभार्थियों को रोका जा सकेगा।

4. विभागीय विलय और दक्षता: जैसे लागू होने से 25 से अधिक विभागों का विलय हुआ, वैसे ही डिजिटल जनगणना से दर्जनों सर्वेक्षणों और विभागों को समेकित किया जा सकता है।

5. पारदर्शिता और जवाबदेही: डुप्लिकेट रिकॉर्ड्स, फर्जी लाभार्थियों और अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगेगा।

6. नवीन नीतियाँ और योजनाएँ: सरकार को सही जानकारी के आधार पर ज़रूरतमंद क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करने में मदद मिलेगी।

**क्या सब डिजिटल जनगणना भर पाएंगे?**

यह एक उचित प्रश्न है कि भारत के कई ग्रामीण और तकनीकी रूप से पिछड़े क्षेत्र अभी डिजिटल साक्षरता से दूर हैं। लेकिन इसका समाधान यह नहीं है कि डिजिटल जनगणना न की जाए, बल्कि इसका हल यह है कि जो नागरिक स्वयं जानकारी भर सकते हैं, वे ऑनलाइन भरें, और जो नहीं भर सकते, उनका डेटा जनगणना ड्यूटी में लगे सरकारी कर्मचारी या अधिकारी भरें।

यह हाइब्रिड मॉडल हमारे देश की विविधताओं को ध्यान में रखते हुए अधिक उपयुक्त और व्यावहारिक होगा। जातिगत जनगणना को भी शामिल किया जाए। जब जनगणना डिजिटल होगी, तो जाति, धर्म, उपजाति, शैक्षिणक योग्यता, पेशा और आय के आंकड़े भी स्वचालित रूप से प्राप्त हो सकेंगे। इससे नीति निर्धारण और आरक्षण की समीक्षा जैसे संवेदनशील विषयों पर पारदर्शी और सटीक निर्णय लिए जा सकेंगे।

सरकार के पास पहले से अनुसूचित जातियों और जनजातियों की सूची है, जिसे जनगणना फॉर्म में ड्रॉपडाउन के रूप में जोड़ा जा सकता है। इससे लोग अपनी जाति से संबंधित जानकारी एकरूपता से भर सकेंगे।

**क्या यह सुरक्षित होगा?**

डेटा सुरक्षा और गोपनीयता इस प्रक्रिया का मूल हिस्सा होना चाहिए। फॉर्म को एंड-टू-एंड एन्क्रिप्शन, मल्टीफैक्टर ऑथेंटिकेशन, और सिर्फ वैध सरकारी उपयोग के लिए सीमित करना आवश्यक है। साथ ही डेटा का भंडारण भारत के भीतर ही होना चाहिए।

निष्कर्ष– प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने डिजिटल इंडिया, जीएसटी, और आधार जैसी ऐतिहासिक पहलें की हैं। अब समय आ गया है कि जनगणना जैसे सबसे बड़े डेटा संग्रह को भी तकनीकी रूप से सक्षम बनाया जाए। हमारा सरकार से आग्रह है कि 2025 या उसके पश्चात होने वाली जनगणना को डिजिटल माध्यम से भी अनिवार्य रूप से संचालित किया जाए। इससे एक ऐसा डेटा बैंक तैयार होगा जो भारत को योजनाओं, पारदर्शिता, जवाबदेही और विकास की नई ऊँचाइयों पर ले जाएगा।

धन्यवाद,

**–सुनील दत्त गोयल,**
**महानिदेशक, इम्पीरियल चैंबर ऑफ़ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री**
**पूर्व उपाध्यक्ष, जयपुर स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड जयपुर, राजस्थान**

# महात्मा गांधी इंग्लिश मीडियम स्कूलों में प्रवेश के लिए आवेदन प्रक्रिया जारी

## महात्मा गांधी इंग्लिश मीडियम स्कूलों में प्रवेश के लिए शाला दर्पण पोर्टल के जरिए ऑनलाइन आवेदन किए जा रहे हैं

- **जिन स्कूलों को प्रवेश के लिए शाला दर्पण पोर्टल पर नहीं खोला गया है उनमें प्रवेश नहीं हो रहे हैं**

**बीकानेर,** (निसं)। महात्मा गांधी इंग्लिश मीडियम स्कूलों में प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया बुधवार से शुरू हो गई। राज्य सरकार की ओर से जिन इंग्लिश मीडियम स्कूलों को बंद करना है या फिर वापस हिंदी मीडियम स्कूलों में रूपांतरित करना है ऐसे स्कूलों में फिलहाल प्रवेश नहीं होंगे।

जानकारी के अनुसार महात्मा गांधी इंग्लिश मीडियम स्कूलों में प्रवेश के लिए शाला दर्पण पोर्टल के जरिए ऑनलाइन आवेदन किए जा रहे हैं। जिन स्कूलों को प्रवेश के लिए शाला दर्पण पोर्टल पर नहीं खोला गया है उनमें प्रवेश नहीं हो रहे हैं। हालांकि शिक्षा विभाग ने ऐसे स्कूलों की सूची सार्वजनिक नहीं की है। ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया शुरू होने से एक दिन पहले 6 मई का माध्यमिक शिक्षा निदेशक का ऑर्डर सोशल मीडिया में वायरल हो रहा है। शिक्षा निदेशक ने एनआईसी के वरिष्ठ निदेशक आईटी को लिखे गए इस आर्डर में उल्लेख किया गया है कि संलग्न सूची के महात्मा गांधी इंग्लिश मीडियम स्कूलों में प्रवेश की प्रक्रिया आगामी आदेशों तक स्थगित रहेगी। संलग्न सूची को छोड़कर अन्य महात्मा गांधी इंग्लिश मीडियम स्कूल में प्रवेश का कार्यक्रम यथावत जारी रहेगा। संलग्न सूची में किस जिले के कितने स्कूल शामिल है, इसका खुलासा फिलहाल शिक्षा विभाग की ओर से नहीं किया गया है। उधर, बीकानेर जिले के 171 महात्मा गांधी इंग्लिश मीडियम स्कूलों में से अधिकांश स्कूल शाला दर्पण पोर्टल पर प्रवेश के लिए खोले गए हैं।

# नाबालिग का बाल विवाह रूकवाया

**जालोर,** (कासं)। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जालोर ने शंखवाली में आयोजित हो रहे एक नाबालिग बालक का बाल विवाह रुकवाया।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जालोर को सूचना मिली कि शंखवाली गांव में जोइताराम अपनी बालिग पुत्री के साथ साथ नाबालिग पुत्र की भी शादी कर रहा है। शादी की तारीख छह मई निश्चित की गई है। जिस पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से सूचना पर तुरंत संज्ञान लेते हुए संबंधित प्रशासनिक अधिकारियों, पुलिस अधिकारियों को सूचना की जांच कर नाबालिग बालक का बाल विवाह रुकवाने के निर्देश दिए। निर्देश पर पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे और नाबालिग बालक के पिता को नोटिस देकर बाल विवाह नहीं करने के लिए पाबंद किया। निर्देश पर उपखंड मजिस्ट्रेट आहोर भी मौके पर पहुंचे। तहसीलदार भाद्राजून ने जोइताराम को अपने पुत्र जिसकी उम्र 18 साल है, कि शादी निर्धारित आयु पूरी नहीं होने तक नहीं करने के लिए पाबंद किया। जोईताराम को उपखंड मजिस्ट्रेट आहोर के समक्ष पेश किया गया और पाबंद की कार्यवाही की गई। मामले की जांच करने और दस्तावेज प्राप्त करने पर जोइताराम के बालक की स्कूल में पढ़ने बाबत माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की अंक तालिका प्राप्त की गई। बोर्ड की अंक तालिका में उसकी जन्म तिथि 18 अप्रैल 2007 अंकित की हुई पाई गई। इस प्रकार जोइताराम के इस पुत्र की आयु 18 साल और कुछ दिन ही हो रही थी, जबकि विवाह करने के लिए लड़के की आयु 21 साल और लड़की की आयु 18 वर्ष पूरी होनी आवश्यक है।

# खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने 75 किलो नकली सरस घी पकड़ा

- **बहरोड़ की मैसर्स श्री श्याम सरस एजेंसी का मामला, फर्म पर सरस डेयरी का कोई रजिस्ट्रेशन नहीं मिला**
- **रजिस्ट्रेशन ना होने के बावजूद विभिन्न डीलरों से माल लेकर विक्रय करता था, प्रयोगशाला में नमूने भिजवाये**

**कोटपूतली,** (निसं)। राज्य सरकार द्वारा चलाये जा रहे विशेष अभियान के तहत आयुक्त खाद्य सुरक्षा एवं औषधि नियंत्रक व खाद्य सुरक्षा अतिरिक्त आयुक्त, एडीएम ओमप्रकाश सहारण तथा सीएमएचओ डॉ. आशीष सिंह शेखावत के निर्देशानुसार गुरूवार को बहरोड़ में मैसर्स श्री श्याम एजेंसी पर नकली सरस घी की होने की सूचना मिलने पर सैंपल कार्यवाही की गई।

उक्त दुकान में करीब 5 टीन नकली सरस घी करीब 75 किलो रखा हुआ था जिस पर जयपुर सरस डेयरी का पता था। जयपुर सरस डेयरी से वेरिफाई करने पर उन्होंने यह घी जयपुर सरस डेयरी का नहीं होना बताया। पूछताछ करने पर मालूम हुआ कि ये जो पीपे थे वह श्री श्याम एजेंसी के मालिक संतराम यादव ने किसी शादी की बुकिंग में देने के लिये मंगवाये थे। नकली सरस घी की डिलीवरी ग्राहक को देते हुये सरस डेयरी अलवर की टीम ने मौके पर पहुंचकर विभाग को इसकी सूचना दी।

सूचना मिलते ही खाद्य सुरक्षा अधिकारी नेहा शर्मा ने सरस घी का सैंपल लिया एवं सरस डेयरी की टीम से सरस घी के कॉपीराइट करने पर एफआईआर करने के लिये कहा। पूछताछ करने पर मालूम हुआ कि बहरोड़ की मैसर्स श्री श्याम सरस एजेंसी पर सरस डेयरी का कोई रजिस्ट्रेशन नहीं है। रजिस्ट्रेशन ना होने के बाद भी यह विभिन्न डीलरों से माल लेकर सरस ब्रांड का घी, दूध एवं पनीर काफी मात्रा में बेच रहा है। साथ ही उक्त नमूने को प्रयोगशाला जयपुर में भिजवाया जायेगा एवं जाँच रिपोर्ट आने पर नियमानुसार कार्यवाही की जायेगी।

## राशिफल शुक्रवार 9 मई, 2025

पंडित अनिल शर्मा

वैशाख मास, शुक्ल पक्ष, द्वादशी तिथि, शुक्रवार, विक्रम संवत 2082, हस्त नक्षत्र रात्रि 12:09 तक, वज्र योग रात्रि 2:58 तक, बालवकरण दिन 2:57 तक, चन्द्रमा आज कन्या राशि में संचार करेगा।

**ग्रह स्थिति:** सूर्य-मेष, चन्द्रमा-कन्या, मंगल-कर्क, बुध-मेष, गुरू-वृष, शुक्र-मीन, शनि-मीन, राहु-मीन, केतु-कन्या राशि में।

आज रवियोग रात्रि 12:09 से आरम्भ होगा। आज प्रदोष व्रत है।

**श्रेष्ठ चौघड़िया:** चर सूर्योदय से 7:26 तक, लाभ अमृत 7:26 से 10:44 तक, शुभ 12:23 से 2:02 तक, चर 5:20 से सूर्यास्त तक।

**राहूकाल:** 10:00 से 12:00 तक। सूर्योदय 5:47, सूर्यास्त 7:00

**मेष**
परिवार में चल रहे आपसी मतभेद समाप्त होंगे। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। स्वास्थ्य में सुधार होगा।

**वृष**
परिवार में शुभ-मांगलिक एवं महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। आज समय रचनात्मक कार्यों में व्यतीत होगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

**मिथुन**
घर-परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। आज अतिथियों का आगमन बना रहेगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

**कर्क**
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। परिवार में शुभ से संबंधित यात्रा संभव है।

**सिंह**
आर्थिक मामलों में परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। अनावश्यक धन खर्च हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। नौकरीपेशा व्यक्तियों का प्रभाव-प्रभुत्व बढ़ेगा।

**कन्या**
व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता अभी बनी रहेगी। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। आय में वृद्धि होगी। परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है।

**तुला**
घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है। मन में असंतोष बना रहेगा। व्यावसायिक परेशानियां अभी यथावत बनी रहेगी।

**वृश्चिक**
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि हो सकती है। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक विवादों से राहत मिल सकती है।

**धनु**
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक परेशानियां दूर होने लगेगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा।

**मकर**
व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। नौकरीपेशा व्यक्तियों को बाहर जाना पड़ सकता है। परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

**कुंभ**
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। आज आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। यात्रा टालना ठीक रहेगा।

**मीन**
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

# बैंक फ्रॉड रोकने के लिए 24 घंटे पहुंच सुनिश्चित कराए : हाईकोर्ट

■ डेटा बेचने वाली कंपनियों पर कार्रवाई की जताई मंशा

**जयपुर।** राजस्थान हाईकोर्ट ने कहा कि डिजीटल विकास के तेजी से बदलते युग में साइबर अपराध तेजी से बढ रहे हैं। सरकार की ओर से इसे रोकने के लिए कदम उठाए गए हैं, लेकिन अब और अधिक गंभीर कदम उठाने की जरूरत है। अदालत ने कहा कि कुछ सोशल मीडिया कंपनियों की ओर से लोगों का डेटा बेचा जा रहा है और साइबर अपराधी उसका उपयोग कर रहे हैं। ऐसे में इन कंपनियों सहित अन्य आरोपियों पर कड़ी कार्रवाई की जाए। अदालत ने कहा कि आरबीआई के परिपत्र के अनुसार सभी बैंकों को अपने ग्राहकों को वेबसाइट, फोन, एसएमएस, ई-मेल, आईवीआर, टोल-फ्री हेल्पलाइन आदि के माध्यम से चौबीस घंटे पहुंच प्रदान करने की सुविधा देना जरूरी है। जिससे ग्राहकों की शिकायतों का तुरंत जवाब दिया जा सके। अदालत ने वित्त विभाग और आरबीआई को आदेश की कॉपी भेजते हुए कहा कि ग्राहकों की मेहनत की कमाई की सुरक्षा के लिए उपाय किए जाए। वहीं अदालत ने आईडीबीआई बैंक को निर्देश दिए हैं कि वह याचिकाकर्ता के खाते से निकल 58.93 लाख रुपए छह फीसदी ब्याज सहित अदा करे। जस्टिस अनूप कुमार ढंड ने यह आदेश राकेश तोतुका की याचिका पर दिए।

याचिका में अधिवक्ता प्रतीक कासलीवाल ने अदालत को बताया कि उसका आईडीबीआई बैंक में खाता है। उसके खाते से 11 फरवरी, 2022 की रात 16 बार में 58.93 लाख रुपए की अनाधिकृत निकासी हो गई। जिसकी शिकायत उसने 13 फरवरी को कर दी। याचिका में कहा गया कि आरबीआई के 6 जुलाई, 2017 के परिपत्र के अनुसार अनाधिकृत निकासी के तीन कार्य दिवस में शिकायत होने पर ग्राहक की घटना को लेकर शून्य जिम्मेदारी हो जाती है। जिसके जवाब में बैंक की ओर से कहा गया कि लेनदेन को लेकर याचिकाकर्ता के पंजीकृत नंबर पर मैसेज गया था, लेकिन वह फेल हो गया। वहीं याचिकाकर्ता ने कोई ई-मेल नहीं दिया था। बैंकिंग लोकपाल ने 13 दिसंबर, 2022 को याचिकाकर्ता को 15.60 लाख रुपए देने के आदेश दिए थे। ऐसे में शेष राशि देने के लिए बैंक जिम्मेदार नहीं है।

# एकलपीठ के आदेश पर रोक

■ 25 लाख रुपए सालाना आय वाले अभ्यर्थी को मिलती रहेगी स्कॉलरशिप

**जयपुर।** हाईकोर्ट ने एकलपीठ के गत 29 अप्रैल के उस आदेश पर रोक लगा दी है, जिसके तहत एकलपीठ ने स्वामी विवेकानंद स्कॉलरशिप स्कीम के तहत 25 लाख रुपए सालाना आय वाले परिवार के अभ्यर्थी को ई-3 वर्ग में दी जा ही छात्रवृत्ति पर रोक लगा दी थी। इसके साथ ही अदालत ने याचिकाकर्ता को कहा है कि यदि उसे स्कॉलरशिप चाहिए तो वह अपील के निस्तारण तक संपत्ति राज्य सरकार के समक्ष गिरवी रखे, ताकि यदि अपील का फैसला उसके खिलाफ हो तो उससे वसूली की जा सके। सीजे एमएम श्रीवास्तव और जस्टिस मुकेश राजपुरोहित की खंडपीठ ने यह आदेश मनजीत देवड़ा की अपील पर दिए।

# विभागीय जांचों के लंबित प्रकरणों का त्वरित निस्तारण करें : भजनलाल शर्मा

**जयपुर।** मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार आमजन को संवेदनशील, पारदर्शी और भ्रष्टाचार मुक्त सुशासन देने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि अधिकारी-कर्मचारी सरकार के शासन तंत्र की मुख्य धुरी हैं, जिनकी जनकल्याणकारी योजनाओं को आमजन तक पहुंचाने में अहम भूमिका होती है। ऐसे में कार्मिक पूरे समर्पण भाव एवं सत्यनिष्ठा से काम करते हुए राज्यहित को सर्वोच्च प्राथमिकता दें, ताकि अंतिम छोर पर बैठे व्यक्ति को योजनाओं को पूरा लाभ मिल सके।

शर्मा गुरूवार को मुख्यमंत्री निवास पर कार्मिक विभाग की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार भ्रष्टाचार के खिलाफ जीरो टोलरेंस की नीति अपनाते हुए आमजन को गुड गवर्नेन्स देने का कार्य प्राथमिकता से कर रही है। उन्होंने निर्देश दिए कि विभागीय जांच के 16 सीसीए, 17 सीसीए सहित 17ए के लंबित प्रकरणों का समयबद्ध निस्तारण हो, जिससे राजकीय कार्यों में जवाबदेही सुनिश्चित हो सके। उन्होंने कहा कि जिन विभागों में लंबित प्रकरणों की संख्या अधिक है, उनके सचिव ऐसे प्रकरणों की स्वयं के स्तर पर प्रति सप्ताह समीक्षा करें। लंबित प्रकरणों का निस्तारण निर्धारित अवधि में पूरा हो। मुख्यमंत्री ने कहा कि कर्मचारियों का अनुशासन एवं सेवा-भाव राज्य सरकार की योजनाओं के क्रियान्वयन में महत्वपूर्ण होता है।


**आम सूचना** सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा अभिभाष्य बालचंद सैनी पुत्र मदन लाल, निवासी-झेडा की ढाणी, सियाराम बाबा की डुंगरी, आमेर, जिला जयपुर का रहने वाला है। मेरे अभिभाष्य का छोटा भाई दीपचंद तथा उसकी पत्नि प्रेमलता शादी के उपरांत से ही मेरे अभिभाष्य के कहने में नहीं है और अपनी मनमर्जी से अलग रह रहे है तथा उनसे मेरे अभिभाष्य का कोई संपर्क संबंध नहीं है। जो कोई व्यक्ति/संस्था इनसे किसी प्रकार का संव्यवहार करता है तो उसकी समस्त जिम्मेदारी उनकी स्वयं की होगी।
जयपुर (शकील अहमद/साजिद खान) एडवोकेट्स
दिनांक : 08.05.2025 मो.- 9314263203

**आम सूचना** सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है प्लाट नं.-21 का पश्चिमी हिस्सा, योजना कुमावत बाडी, खातीपुरा, जयपुर जो श्री पूर्णचन्द कसाणा को जरिये आंवटन पत्र दिनांक 29.03.1993 द्वारा आवंटित किया गया, तत्पश्चात् पूर्णचन्द कसाणा का स्वर्गवास दिनांक 07.03.2012 को हो गया तथा उनके वारिसान दीपिका कसाणा (पुत्री), रितिका कसाणा (पुत्री), नितिन कसाणा (पुत्र) एवं इन्द्र कसाणा (पुत्र) ने दिनांक 07.05.2025 को रूकमणी (पूर्णचन्द कसाणा की पत्नि) के हक में पंजीकृत हकत्याग-पत्र निष्पादित कर दिया, जिसे उक्त हक-त्याग पत्र में वर्णित वारिसान को लेकर कोई या उक्त सम्पत्ति को लेकर कोई आपत्ति इत्यादि है तो 7 दिवस के भीतर उक्त पते पर सम्पर्क करें उसके पश्चात् की गई आपत्ति मान्य नहीं होगी।
अधिवक्ता अमित शर्मा
कार्यालय पता- बेसमेंट फ्लोर, वंदना अपार्टमेंट, प्लॉट नं. डी-5, मीरा मार्ग, बनीपार्क, जयपुर, मो. 9783021119

**राजस्थान आवासन मण्डल, खण्ड-भिवाड़ी**
**आवश्यक सूचना** मूलतः दुकान संख्या 04 पुरानी कॉलोनी, राजस्थान हाउसिंग बोर्ड, भिवाड़ी श्री बलराम करहना को आवंटन पत्रांक 134 दिनांक 03.07.1992 के द्वारा आवंटित की गई थी। मण्डल द्वारा इनके पक्ष में अदेय प्रमाण पत्र क्रमांक 826 दिनाक 14.02.1996 को जारी किया जा चुका है। इनके द्वारा उक्त दुकान का मुख्त्यारआम दिनांक 27.04.1998 को श्री प्रकाश वीर पुत्र स्व0 श्री रघुवीर सिंह को नियुक्त किया गया। श्री प्रकाश वीर द्वारा मुख्यतारआम धारक की हैसियत से उक्त दुकान की रजिस्ट्री दिनांक 07.05.2013 को उप पंजीयक भिवाड़ी में पंजीकृत करवाई जा चुकी है। श्री प्रकाश वीर द्वारा उक्त दुकान का बेचान दिनांक 07.05.2013 के पंजीकृत बयनामा द्वारा स्वयं के नाम से किया गया। श्री प्रकाश वीर की मृत्यु दिनांक 13.06.2020 को हो जाने के पश्चात् उनकी धर्मपत्नि श्रीमती ममता रानी द्वारा श्री प्रकाश वीर के पुत्र श्री हिमांशु मित्तल के पक्ष में दिनांक 22.09.2021 को हकत्याग पत्र उप-पंजीयक भिवाड़ी में पंजीकृत किया गया। श्री हिमांशु मित्तल द्वारा उक्त दुकान का बेचान दिनांक 05.02.2024 को विक्रय-पत्र द्वारा श्रीमती कलसूम पत्नी श्री अहसान को उप-पंजीयक भिवाड़ी में पंजीकृत किया गया। श्रीमती कलसूम द्वारा स्वयं के नाम से दुकान का लीज डीड परिवर्तन करने के लिए प्रपत्र एवं प्रशासनिक शुल्क दुकान एक बार विक्रय का राशि रुपये 1000/- व मृत्योपरान्त नाम परिवर्तन शुल्क 2000 रूपये / जमा कराकर चालान प्रस्तुत कर निवेदन किया गया है कि उक्त दुकान का लीज स्थानान्तरण उनके पक्ष में किया जावे। अतः जरिये इस विज्ञप्ति यह आगाह किया जाता है कि उक्त दुकान संख्या 04 पुरानी कॉलोनी, राजस्थान हाउसिंग बोर्ड, भिवाड़ी के संबन्ध में किसी प्रकार का किसी भी व्यक्ति विशेष या हितकारी को एवं आम व्यक्ति को उजर एतराज हो तो यह इस विज्ञप्ति के प्रकाशित होने के 10 दिवस में आवासीय अभियन्ता राजस्थान आवासन मण्डल खण्ड भिवाड़ी में अपना एतराज लिखित में प्रस्तुत करें अन्यथा श्रीमती कलसूम पत्नी श्री अहसान के पक्ष में दुकान संख्या 04 पुरानी कॉलोनी, राजस्थान हाउसिंग बोर्ड, भिवाड़ी के लीज स्थानान्तरण की कार्यवाही की जावेगी।
आवासीय अभियन्ता, राजस्थान आवासन मण्डल खण्ड-भिवाड़ी

**कार्यालय उपायुक्त, आदर्श नगर जोन, नगर निगम जयपुर, हैरिटेज**
(जवाहर नगर सेक्टर नं 4, एम.पी.एस. स्कूल के पास, जयपुर)
क्रमांक:- F54/A.N.Z./Dy Comm.// सामान्य शाखा/ 2025/156
**सार्वजनिक सूचना:** दिनांक: 08/05/25
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि दिनेश खण्डेलवाल पुत्र श्री कल्याण खण्डेलवाल भूखण्ड संख्या एम-7, आनन्दपुरी, जयपुर के द्वारा आवंटन पत्र, पंजीकृत वसीयत पत्र, विक्रय पत्रों, निर्धारित वचनबद्धता (अण्डरटेकिंग) आदि अन्य दस्तावेजो के आधार पर अपने भूखण्ड संख्या एम-7, आनन्दपुरी, जयपुर जिसका कुल क्षेत्रफल 266.66 वर्गगज का नामहस्तान्तरण चाहने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है, उक्त के सम्बन्ध में यदि किसी भी व्यक्ति/संस्था को कोई आपत्ति हो तो इस सूचना के प्रकाशन से 7 दिवस की अवधि में अपनी लिखित आपत्ति मय सबूत के प्रस्तुत करे। मियाद बाद प्रस्तुत आपत्तियों पर विचार नही किया जाकर नामहस्तान्तरण जारी करने से सम्बन्धित कार्यवाही सम्पादित कर ली जावेगी। सूचित हो। युगान्तर शर्मा (R.A.S)
उपायुक्त आदर्श नगर जोन नगर निगम जयपुर हैरिटेज

**हैतुक दर्शित करने के लिये सूचना**
(साधारण प्रारूप)
व्यवहार प्रक्रिया संहिता पहली अनुसूची संख्याक-4
न्यायालय अपर वरिष्ठ सिविल न्यायाधीश स्थान क्र.सं. 2 जयपुर महानगर द्वितीय
रामचरण विरुद्ध सुमन
वाद/प्रार्थना पत्र अस्थायी निषेधाज्ञा
प्रार्थना-पत्र संख्या 29/2025 सन
नाम श्रीमती सुमन पत्नी पुत्र श्री जितेन्द्र सिंह जाति, पता मकान नंबर 182 भोपाजी का डेरा, खेतड़ी हाउस रोड, जयपुर राजस्थान
उक्त प्रार्थी ने इस न्यायालय में यह आवेदन किया है कि नकल संलग्न नहीं है। अत: आपको चेतावनी दी जाती है कि आप आवेदन के विरुद्ध हैतुक दर्शित करने के लिए दि. 17 माह 05 सन 2025 को 8 बजे पूर्वान्ह में स्वयं या अपने प्लीडर द्वारा जिसे सम्यक रूप से अनुदेश किया गया हो, उपसंजात हो। यदि आप ऐसा करने में असफल रहेंगे तो उक्त आदेश की सुनवाई और उसका निपटारा एक पक्षीय रूप से किया जाएगा। यह आज ता. 07 माह 05 सन 2025 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दी गई।
मोहर अदालत
अपर वरिष्ठ सिविल न्यायाधीश एवं अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट क्रम-02, जयपुर महानगर द्वितीय

**विवाधकों के स्थिरीकरण के लिये सम्मन**
(आदेश 5 के नियम 1 और 5)
न्यायालय अपर जिला एवं सन न्यायाधीश क्रम-02 जयपुर-2 महानगर (द्वितीय)
राचरण विरुद्ध सुमन
वाद बाबत स्थायी निषेधाज्ञा ता. पेशी 17.5.25
वाद सं. 55 सन 2025
बनाम सुमन पत्नी जितेन्द्र सिंह जाति
स्थान मकान नंबर 182 भोपाजी का डेरा खेतड़ी हाऊस रोड, जयपुर
प्रार्थी ने आपके विरुद्ध नाम संलग्न के लिये वाद पंजीयत किया है। आपका इस न्यायालय में तारीख 17 माह 05 सन 2025 को दिन में 8 बजे दावे का उत्तर देने के लिये उपसंजात (हाजिर) होने के लिये वचन दिया जाता है। आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर द्वारा उपसंजात हो सकते है जिसे सम्यक अनुदेश दिए गये हो और जो इस वाद से संबंधित सभी सारवान प्रश्नों का उत्तर दे सके या जिसके साथ ऐसा कोई व्यक्ति हो जो ऐसे सब प्रश्नों का उत्तर दे सके। आपको यह निर्देश भी दिया जाता है कि आप उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित साक्ष्य दाखिल करें और उस दिन ऐसे सब दस्तावेज जो आपके कब्जे में या शक्ति में हैं पेश करें जिन पर आपकी प्रतिरक्षा या दाखिल/सुरजाई का दावा या प्रतिदावा आधारित है। और यदि आप किसी अन्य दस्तावेज पर, चाहे वह आपके कब्जे व शक्ति में हो अपना प्रतिरक्षा या मुजराई के दावे के समर्थन में साक्ष्य के रूप में निर्भर करते हैं तो आप ऐसी दस्तावेजों को उल्लिखित समय के बाद उपाबद्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्ट करें। आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप ऊपर बताई गई तारीख को इस न्यायालय में उपसंजात नहीं होंगे तो वाद की सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा। यह वाद 5 तारीख 5 माह 25 सन को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया है।
मोहर अदालत
अपर वरिष्ठ सिविल न्यायाधीश अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट क्रम-02, जयपुर महानगर द्वितीय

**कार्यालय नगर परिषद, दौसा (राजस्थान)**
फोनः नं. 01427-220054, E-mail: dausa.jaipur@yahoo.com
क्रमांकः न.प.दौ / 2025-2026/662 **सार्वजनिक आपत्ति सूचना** दिनांक : 08/05/2025
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि भारतीय जनता पार्टी जरिये प्रतिनिधि श्री राम कुमार भूतडा पुत्र शिव दयाल भूतडा जाति महाजन निवासी महाजनों का बास डोडियाना नागौर हाल निवासी सरदार पटेल मार्ग जयपुर द्वारा ग्राम जिरोता कलां खसरा नम्बर 778/134 में प्लॉट संख्या 1 का कुल क्षेत्रफल 2371.6 वर्गमीटर है जिसका प्रार्थी द्वारा संस्थागत पट्टा जारी किये जाने हेतु आवेदन किया गया है।

| क्र. स. | आवेदक का नाम मय पता | क्षेत्रफल वर्गमीटर में | वर्तमान में उपयोग | चाहा गया उपयोग |
|---|---|---|---|---|
| 1 | भारतीय जनता पार्टी जरिये प्रतिनिधि श्री राम कुमार भूतडा पुत्र शिव दयाल भूतडा जाति महाजन निवासी महाजनों का बास डोडियाना नागौर हाल निवासी सरदार पटेल मार्ग जयपुर | 2371.6 | परिधि नियंत्रण पट्टी | संस्थागत |

अतः किसी भी आम खास को कोई भी उज या आपत्ति हो तो 15 दिवस के अन्दर-अन्दर अधोहस्ताक्षरकर्ता को लिखित में प्रस्तुत करें, बाद मयाद आपत्ति पेश नही की सूरत में भू-उपयोग परिवर्तन के साथ-साथ एकल पट्टा जारी किये जाने की कार्यवाही अमल में लायी जायेंगी। उक्त सूचना आज दिनांक 08/05/2025 को जारी की गई है।
आयुक्त, नगर परिषद दौसा

**पावरग्रिड POWERGRID**
**सूचना**
1. सीईआरसी (व्यवसाय का संचालन) विनियम 1999 और सीईआरसी (टैरिफ की शर्तें और नियम) विनियम 2019 के विनियम-86 के तहत अनुमोदन i) 2019-24 टैरिफ ब्लॉक के लिए ट्रांसमिशन टैरिफ का सही निर्धारण और ii) 2024-29 टैरिफ ब्लॉक के लिए ट्रांसमिशन टैरिफ का निर्धारण याचिका-1: परिसंपत्ति के लिए: भादला सब-स्टेशन पर 500 एमवीए, 400/220 केवी आईसीटी-8 के साथ-साथ संबद्ध 400 केवी और 220 केवी बे के तहत **"उत्तरी क्षेत्र में भादला पूलिंग स्टेशन योजना में 1x500 एमवीए, 400/220 केवी आईसीटी (8वें) के कार्यान्वयन"।**
2. **उपरोक्त पारेषण प्रणालियों के लाभार्थी हैं:** (क) अजमेर विद्युत वितरण निगम लि. (ख) जयपुर विद्युत वितरण निगम लि. (ग) जोधपुर विद्युत वितरण निगम लि. (घ) पंजाब राज्य विद्युत निगम लि. (ङ) हरियाणा विद्युत क्रय केंद्र (च) जम्मू एवं कश्मीर विद्युत निगम लि. (छ) उत्तर प्रदेश विद्युत निगम लि. (ज) बीएसईएस यमुना पावर लि. (झ) बीएसईएस राजधानी पावर लि. (ञ) टाटा पावर दिल्ली डिस्ट्रीब्यूशन लि. (ट) चंडीगढ़ विद्युत विभाग (ठ) उत्तरांचल पावर कॉर्पोरेशन लि. (ड) उत्तर मध्य रेलवे (न) नई दिल्ली नगर पालिका परिषद. (ण) हिमाचल प्रदेश राज्य विद्युत बोर्ड (प) सेंट्रल ट्रांसमिशन यूटिलिटी ऑफ इंडिया लि.
3. **टैरिफ विवरण:**
क) 2019-24 ब्लॉक (रुपए लाख में)

| परिसंपत्ति विवरण | डीओसीओ | 31.03.2024 तक पूर्णता लागत | | 2019-20 | 2020-21 | 2021-22 | 2022-23 | 2023-24 |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| परिसंपत्ति-1 | 31.03.2023 | 2726.47 | एएफसी अनुमोदित | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 1.69 | 748.24 |
| | | | ट्रूइंग अप के आधार पर संशोधित ए.एफ.सी. | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 1.70 | 675.67 |

ख) 2024-29 ब्लॉक (रुपए लाख में)

| परिसंपत्ति विवरण | 31.03.2029 तक पूर्णता लागत | | 2024-25 | 2025-26 | 2026-27 | 2027-28 | 2028-29 |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| परिसंपत्ति-1 | 4386.33 | एएफसी | 717.48 | 851.12 | 888.44 | 881.17 | 875.01 |

4. इस नोटिस और टैरिफ निर्धारण के लिए किए गए आवेदन की एक प्रति आवेदक की वेबसाइट **www.powergrid.in** पर प्रकाशित की गई है।
5. आवेदन में निहित टैरिफ के निर्धारण के प्रस्तावों पर सुझाव और आपत्तियां, यदि कोई हों, तो लाभार्थी सहित किसी भी व्यक्ति द्वारा सचिव, केंद्रीय विद्युत विनियामक आयोग, 6वीं, 7वीं और 8वीं मंजिल, टॉवर बी, वर्ल्ड ट्रेड सेंटर, नौरोजी नगर, नई दिल्ली - 110029 (या अन्य पता जहां आयोग का कार्यालय स्थित है) के समक्ष दायर की जानी चाहिए, जिसकी एक प्रति आवेदक को अपने कॉर्पोरेट कार्यालय "सौदामिनी", प्लॉट नंबर 2, सेक्टर -29, गुरुग्राम - 122001 के पते पर इस सूचना के प्रकाशन के 30 दिनों के अंदर प्रस्तुत की जा सकती है।
स्थान: गुरुग्राम हस्ता./-
दिनांक: 02.05.2025 वरिष्ठ महाप्रबंधक (नियामक प्रकोष्ठ)
**पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड**
(भारत सरकार का उद्यम)
निगमित कार्यालयः "सौदामिनी", प्लॉट सं. 2, सेक्टर-29, गुरुग्राम-122001, (हरियाणा), फोन नं. : 0124-2571700-719
पंजीकृत कार्यालयः बी-9, कुतुब इंस्टीट्यूशनल एरिया, कटवारिया सराय, नई दिल्ली-110016, फोन नं. : 011-26560112, 26560121
वेबसाइटः www.powergrid.in, सीआईएनः L40101DL1989GOI038121
एक महारत्न पीएसयू
PG/CC/Notice-229/Advt-296/2025-26/Vermmillion

**विवाधकों के स्थिरीकरण के लिये सम्मन**
(आदेश 5 के नियम और 5)
न्यायालय अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश क्रम-01 जयपुर महानगर (द्वितीय)
चमन सिंह निर्वाण विरुद्ध रामसिंह राजावत व अन्य
वाद बाबत स्थाई निषेधाज्ञा
वाद सं. cs 40 सन 2025
बनाम रामसिंह राजावत पुत्र जसवंत सिंह राजावत जाति राजपूत उम्र-59
स्थान प्लाट नं. 227, मोती विहार, 21 नं. बस स्टैंड पांच्यावाला सिरसी रोड जयपुर-(राज.) ने आपके विरुद्ध के लिए वाद पंजीयत किया है। आपका इस न्यायालय में तारीख 9 तारीख 5 माह 25 सन को दिन में 8 एएम बजे दावे का उत्तर देने के लिए उपसंजात (हाजिर) होने के लिये वचन दिया जाता है। आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर द्वारा उपसंजात हो सकते है जिसे सम्यक अनुदेश दिए गये हो और जो इस वाद से संबंधित सभी सारवान प्रश्नों का उत्तर दे सके या जिसके साथ ऐसा कोई व्यक्ति हो जो ऐसे सब प्रश्नों का उत्तर दे सके। आपको यह निर्देश भी दिया जाता है कि आप उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित साक्ष्य दाखिल करें और उस दिन ऐसे सब दस्तावेज जो आपके कब्जे में या शक्ति में हैं पेश करें जिन पर आपकी प्रतिरक्षा या दाखिल/सुरजाई का दावा या प्रतिदावा आधारित है। और यदि आप किसी अन्य दस्तावेज पर, चाहे वह आपके कब्जे व शक्ति में हो अपना प्रतिरक्षा या मुजराई के दावे के समर्थन में साक्ष्य के रूप में निर्भर करते हैं तो आप ऐसी दस्तावेजों को उल्लिखित समय के बाद उपाबद्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्ट करें। आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप ऊपर बताई गई तारीख को इस न्यायालय में उपसंजात नहीं होंगे तो वाद की सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा। यह वाद 5 तारीख 5 माह 25 सन को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया है।
मोहर अदालत
रीडर ग्रेड-प्रथम
अपर जिला एवं सैशन न्यायाधीश क्रम-01, जयपुर महानगर, द्वितीय

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
**कार्यालय सहायक आयुक्त (द्वितीय) देवस्थान विभाग, जयपुर**
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को
मुकदमा नम्बर DEV/JAIPUR-II/TRUST/2025/75
(नाम वर्णन तथा निवास स्थान)
चूंकि प्रार्थी श्री SHACHI ARYA, 43, PANCHWATI ALWAR, RAJASTHAN ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17 (1) के अन्तर्गत प्रन्यास प्रगतिशील महिला समिति अलवर, 43, PANCHWATI ALWAR, RAJASTHAN के सम्बन्ध में अग्रिम जांच किये जाने के लिए आवेदन-पत्र दिया है।
अतएव धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए, यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करे।
और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन-पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।
आज दिनांक 07-05-2025 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइंदा तारीख पेशी 15/07/2025
मोहर अदालत
सहायक आयुक्त
देवस्थान विभाग जयपुर-प्रथम

**आम सूचना** माँ भवानी नगर ए, ग्राम हेहरा, तहसील चौमू जिला जयपुर के भूखण्डधारियो को सूचित किया जाता है कि उक्त योजना के संयोजन हेतु काश्तकार खातेदार गोपाल, बोदू, नानू, शंकर लाल, जाति मीणा को संयोजक पद पर नियुक्त किया गया। जानकारी में आया है कि उक्त खातेदार संयोजको ने समिति को बेचान की गई अपनी भूमि को पुनः बेचने हेतु कार्यवाही की जा रही है और मूल आवंटियों के भूखण्डो पर अनाधिकृत कब्जा करने की कुचेष्टा की जा रही है। इस कारण पुलिस थाना सामोद में उक्त खातेदारों/संयोजको के विरुद्ध कई फौजदारी मुकदमें दर्ज हो चुके है जिसके विषय में अनुसंधान अधिकारी द्वारा संस्था से रिकार्ड मांगा जा रहा है। अतः उक्त योजना माँ भवानी नगर ए के सभी भूखण्डधारी को सूचित किया जाता है कि भूखण्डधारी अपने अपने भूखण्डो के आवंटन पत्र, साईड प्लान एवं रसीदों की प्रमाणित प्रतियां सात दिवस में समिति में आवश्यक रूप से प्रस्तुत करे जिससे वैद्य आवंटियो की सूची एवं रिकार्ड संधारित कर पुलिस अधिकारी एवं जे.डी.ए. को प्रस्तुत की जा सके। निर्धारित समय में सूचना प्रस्तुत नही करने वाले आवंटी सदस्यो के भूखण्डो के लिए संस्था उत्तरदायी नही होगी।
सूर्य प्रकाश, मंत्री, शिवदासपुरा गृह निर्माण सहकारी समिति लिमिटेड, जयपुर, 1640 बाबा हरीश चन्द मार्ग, जयपुर

**हैतुक दर्शित करने के लिए सूचना**
(साधारण प्रारूप)
व्यवहार प्रक्रिया संहिता पहली अनुसूची संख्यांक 4
न्यायालय अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश क्रम-01 जयपुर महानगर द्वितीय
चमन सिंह निर्वाण विरूद्ध रामसिंह राजावत व अन्य
वाद/प्रार्थना पत्र अस्थाई निषेधाज्ञा
प्रार्थना-पत्र संख्या TI 25/ सन् 2025
नाम रामसिंह राजावत पुत्र जसवंत सिंह राजावत जाति राजपूत पता प्लाट नं. 227, मोती विहार, 21 नं. बस स्टेंड पांच्यावाला सिरसी रोड जयपुर
उक्त प्रार्थी ने इस न्यायालय में यह आवेदन किया है कि नकल संलग्न नहीं है।
अतः आपको चेतावनी दी जाती है कि आप आवेदन के विरूद्ध हैतुक दर्शित करने के लिए दि. 9 माह 5 सन् 25 को 8.00 ए.एम. पूर्वान्ह में स्वयं या अपने प्लीडर द्वारा जिसे सम्यक रूप से अनुदेश किया गया हो, उपसंजात हो। यदि आप ऐसा करने में असफल रहेंगे तो उक्त आदेश की सुनवाई और उसका निपटारा एक पक्षीय रूप से किया जाएगा। यह आज ता. 5 माह 5 सन् 25 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दी गई।
मोहर अदालत
रीडर ग्रेड
अपर जिला एवं सैशन न्यायाधीश क्रम-01, जयपुर महानगर द्वितीय

**विवाद्यकों के स्थिरीकरण के लिए सम्मन**
(आदेश 5 के नियम 1 और 5)
न्यायालय माननीय उपखण्ड अधिकारी किशनगढ़ रेनवाल जिला जयपुर
बोदू व अन्य बनाम तेज सिंह व अन्य
दावा बाबत् घोषणा खातेदारी व स्थायी निषेधाज्ञा
वाद संख्या 204/2017
बनाम 1. सत्यभामा पत्नी रूप सिंह, 2. बलराम सिंह, 3. ऋषि राज सिंह पुत्रान रूप सिंह, 4. दांखा कंवर पत्नी सुमन कंवर, 5. मंजू कंवर पत्नी वृजराज सिंह, 6. प्रियंका, 7. कुलदीप सिंह, 8. तारिका, 9. हेमा पुत्र/पुत्रीया श्री बृजराजसिंह, 10. सुरेन्द्र सिंह, 11. मोहन कंवर, 12. कमल कंवर, 13. गुणराज कंवर, 14. बृजराज कंवर पुत्र/पुत्रिया सुगम सिंह समस्त जातियान राजपूत, निवासीगण लुणियावास, तहसील किशनगढ़ रेनवाल, जिला जयपुर (राज.) 15. मोहनी देवी पत्नी घीसालाल, 16. किशन लाल, 17 ओमप्रकाश, 18. बेदूराम पुत्रान घीसालाल जाति कुमावत, 19. सोना राम, 20. लादूराम, 21. छोटी देवी, 22. फूली देवी पुत्र/पुत्रिया हीराराम, जातियान कुमावत समस्त निवासीगण लुणियावास तहसील किशनगढ़, रेनवाल, जिला जयपुर (राज.)
वादीगण ने आपके विरुद्ध उपरोक्त के लिए वाद संस्थित किया है। आपको इस न्यायालय में 16 तारीख 05 माह 25 सन् 2025 को दिन में 10.00 बजे दावे का उत्तर देने के लिए उपसंजात (हाजिर) होने के लिए समन किया जाता है। आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर द्वारा उपसंजात हो सकते है जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हो और जो इस वाद से संबंधित सभी सारवान प्रश्नों का उत्तर दे सकें या जिसके साथ ऐसा कोई व्यक्ति हो जो ऐसे सब प्रश्नों का उत्तर दे सके। आपको यह निर्देश भी दिया जाता है आप उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित कथन दाखिल करें और उस दिन ऐसे सब दस्तावेज जो आपके कब्जे में या शक्ति में है पेश करें जिन पर आपकी प्रतिरक्षा या मुजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित है। और यदि आप किसी अन्य दस्तावेज पर, चाहे वह आपके कब्जे व शक्ति में हो या न हो, अपनी प्रतिरक्षा या मुजराई के दावे या प्रतिदावे के समर्थन में साक्ष्य के रूप में निर्भर करते है तो आप ऐसी दस्तावेजों को लिखित कथन के साथ उपाबद्ध कि जाने वाली सूची में प्रविष्ट करें। नकल संलग्न है। आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप ऊपर बताई गई तारीख को इस न्यायालय में उपसंजात नही होगे तो वाद की सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा। यह आज दिनांक 07 माह 05 सन् 25 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया है।
मोहर अदालत
आज्ञा से-न्यायाधीश
उपखण्ड अधिकारी किशनगढ रेनवाल जिला जयपुर ग्रामीण

**माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान, अजमेर**
राज्य स्तरीय प्रतिभा खोज परीक्षा 2024 (STSE-2024) कक्षा 10
राज्य स्तरीय गणित एवं विज्ञान प्रतिभा खोज परीक्षा (STSE-2024) कक्षा 12
राज्य स्तरीय कला एवं वाणिज्य प्रतिभा खोज परीक्षा (STSE-2024) कक्षा 12
**STATE TALENT SEARCH EXAMINATION 2024 हेतु ऑनलाईन आवेदन पत्र भरने संबंधी निर्देश :-**
कक्षा-10 तथा कक्षा-12 में अध्ययनरत विद्यार्थियों हेतु राज्य स्तरीय प्रतिभा खोज परीक्षा 2024 (STSE-2024) का आयोजन रविवार दिनांक 29.06.2025 को प्रातः 09.00 बजे से दोपहर 1.00 बजे तक सभी जिला मुख्यालयों पर निर्धारित परीक्षा केन्द्रों पर किया जायेगा। ऑनलाईन आवेदन करने की तिथिया निम्नानुसार है।

| परीक्षा शुल्क (समयावधि अनुसार) | ऑनलाईन आवेदन करने एवं बैंक चालान मुद्रण करने की अंतिम तिथि | मुद्रित चालान द्वारा बैंक में शुल्क जमा कराने की अंतिम तिथि | ऑनलाईन आवेदन पत्र की हार्ड कॉपी मय प्रमाणपत्र तथा परीक्षा शुल्क का बैंक चालान एवम परीक्षार्थियों की सूची भिजवाने की अंतिम तिथि |
|---|---|---|---|
| बिना विलम्ब शुल्क | शुक्रवार 09.05.2025 से गुरूवार 15.05.2025 तक | शनिवार 17.05.2025 | सोमवार 26.05.2025 |
| बिना विलम्ब सहित | शुक्रवार 16.05.2025 से रविवार 18.05.2025 तक | मंगलवार 20.05.2025 | |

ऑनलाइन आवेदन पत्र भरते समय विद्यालय स्तर पर हुई त्रुटि यथा छात्र, पिता, माता के नाम, वर्तनी/फोटो/लिंग/भाषा/वर्ग में केवल ऑनलाईन संशोधन नि:शुल्क स्वीकार किये जायेंगे। ऑनलाईन संशोधन की तिथियां दिनांक 19.05.2025 से दिनांक 21.05.2025 तक रहेगी।

परीक्षा शुल्क

| परीक्षार्थी की श्रेणी | बिना विलम्ब शुल्क रू. | विलम्ब शुल्क सहित रू. |
|---|---|---|
| (1) सामान्य | 300/- | 350/- |
| (2) अनु. जाति/अनु. जनजाति/बी.पी.एल./नि:शक्त/CWSN (प्रमाण पत्र अपलोड करना अनिवार्य) | 175/- | 225/- |

विद्यालय द्वारा अग्रेषण शुल्क रूपये 20/- प्रति परीक्षार्थी अलग से लिया जायेगा। अन्य बोर्ड से सम्बन्धित विद्यालय आई.डी पासवर्ड प्राप्त करने हेतु एवं अन्य तकनीकी समस्याओं के निराकरण हेतु I.T. & C शाखा के दूरभाष नं. 0145-2632865, 2627454 एवं ई-मेल द्वारा bser.pwd@gmail.com पर सम्पर्क करें। परीक्षा संबंधी अन्य जानकारी हेतु उपनिदेशक (परीक्षा) से दूरभाष नं. 0145-2425770 पर एवं ई-मेल stse.bser@gmail.com पर सम्पर्क किया जा सकता है। STSE 2024 का पाठ्यक्रम, विस्तृत विज्ञप्ति व अन्य जानकारी बोर्ड वेबसाईट www.rajeduboard.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध है।
सचिव

**कार्यालय नगर पालिका जोबनेर जिला जयपुर**
क्रमांकः न.पा.जो./2025-26/349 दिनांक 06.05.2025
(सार्वजनिक सूचना)
प्रारूप-5 (नियम 6(2))
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि नगरपालिका मण्डल जोबनेर में 69 क/स्टेट ग्रान्ट/नामान्तरण/निमार्ण ईजाजत के तहत् निम्न लिखित पत्रावलियां विचाराधीन है। अगर इन सम्पतीयों का निस्तारण करने में किसी को कोई आपति हो तो 7 दिवस के अन्दर मियाद अपनी आपति सबूतों सहित पालिका में दर्ज करवा सकते है। अवधि पूर्ण होने के बाद किसी भी प्रकार की आपति स्वीकार नही होगी व नियमानुसार अग्रीम कार्यवाही की जायेगी।
69क/स्टेट ग्रान्ट पट्टा

| क्रं. सं. | आवेदक का नाम मय पिता/पति | वार्ड/कॉलोनी/गली का नाम | आसे पासे का विवरण | | | | आवासीय/व्यावसायिक | क्षेत्रफल (वर्गगज) |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | पूर्व | पश्चिम | उत्तर | दक्षिण | | |
| 1 | श्री भागचन्द जाट पुत्र श्री नारायण लाल व श्री जगदीश प्रसाद सुण्डा पुत्र श्री मंगलाराम सुण्डा | एम.आर.एफ शोरूम के पिछे रेनवाल रोड जोबनेर | एम.आर.एफ शोरूम व श्री रामपाल खटीक की भूमि | नहर | आम रास्ता | आम रास्ता | आवासीय | 338'.83" वर्गगज |
| 2 | श्री धानाराम कुमावत पुत्र श्री छीतरमल कुमावत | नया बाजार गांधी चौक जोबनेर | श्री गोवर्धन की दुकान | श्री रामचन्द्र धायल की दुकान | अन्य का मकान | आम रास्ता सीमेंट सडक | व्यावसायिक | 46'.44" वर्गगज |
| 3 | श्री शशि प्रकाश नागा पुत्र श्री राधेश्याम नागा | पुराना बाजार जोबनेर | श्री दिनेश जी भूतिया की दुकान | श्री घीसालाल जी पीपली वालो की दुकान | पीपली वालो का मकान | आम रास्ता | व्यावसायिक | 26'.83" वर्गगज |
| 4 | श्रीमति गीता देवी पत्नि श्री धन्नाराम जाट | रेनवाल रोड जोबनेर | श्री आनन्दी लाल की काश्त की भूमि | रेनवाल रोड | श्री जोधा पुत्र श्री नारायण का खाली भूखण्ड | श्री रघुनाथ पुत्र श्री बालू राम की दुकान | व्यावसायिक | 88'.88" वर्गगज |
| 5 | श्री नाथूलाल अग्रवाल पुत्र स्वं श्री घीसालाल अग्रवाल | पुराना बाजार जोबनेर | पसारियो की दुकान | गणपत जी सोनी की दुकान | आम रास्ता | कुम्हारो के मकान | व्यावसायिक | 23'.37" वर्गगज |

राज.संवाद/सी/25/1888 अधिशाषी अधिकारी

**खोया पाया**
मैं दीनदयाल शर्मा पुत्र जगदीश शर्मा निवासी 29 रामपुरावास गोनेर रोड जयपुर हु की प्रॉपर्टी प्लॉट 14/OH/147 ब्लॉक H रिंग रोड परियोजना का मूल एलॉटमेंट लेटर जगदीश शर्मा के नाम से था जो गुम हो गया है मिलने पर सूचित करे 9667753902

मेरे भूखण्ड संख्या A-152 जेडीए की योजना बोधिरत्नम विहार जयपुर का जेडीए से जारी मूल जेडीए पट्टा एवं साइड प्लान एवं स्टांप पेपर कही खो गया है सूचित करें - संजय द्विवेदी मो-8826686265

**नाम परिवर्तन**
मैं दिनेश ये घोषित करता हूं कि मैंने स्व.पिता जी का नाम शिव राम था जो कि अब आधार कार्ड व पैन कार्ड में शिव राम वर्मा से है और इनका नाम इनके मृत्यु प्रमाण पत्र मैं शिव राम है जो कि गलत है कृप्या इन्हें शिव राम वर्मा जो के नाम को सही माना जाये।

No.4204049W Havildar Prakash Chand Yadav My Father Lilaram Yadav name has been wrongly recorded in the military records.while according to the Aadhaar card the correct name is Lila RAM.

No.4204049W Havildar Prakash Chand Yadav My Mother Santra Devi name has been wrongly recorded in the military records.while according to the Aadhaar card the correct name is Santra.

I Shashi Bala legally wedded spouse of service no 1257676F Ex HAV Late Arjun Singh rajawat S/O Hari Singh Rajawat resident of 5/S-6 SFS shopping center Jaipur that i have changed my name From SHASHI BALA ( DOB 30 NOV 1957) which is wrongly entered my husband service record To SHASHI RAJAWAT ( DOB 5 DEC 1958) vide affidavit dated 7 MAY 2025 before district notary Jaipur

**नम्बर मिलाइए 9587884433**

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

भारत सरकार
शिक्षा मंत्रालय
उच्चतर शिक्षा विभाग
**आंध्र प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति की नियुक्ति**
आंध्र प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति पद के लिए आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। अकादमिक के साथ-साथ प्रशासनिक प्रमुख होने के कारण कुलपति से निम्नलिखित अपेक्षित है :-
- सर्वोच्च स्तर की सक्षमता, सत्यनिष्ठा, नैतिकता और संस्था के प्रति प्रतिबद्धता का प्रदर्शन अपेक्षित है।
- एक प्रतिष्ठित शिक्षाविद, जो विश्वविद्यालय में प्रोफेसर के रूप में न्यूनतम 10 वर्ष या प्रतिष्ठित अनुसंधान और / या अकादमिक संगठन में प्रशासनिक नेतृत्व का प्रदर्शन करने के प्रमाण के साथ 10 वर्ष का अनुभव।
- इस विज्ञापन में आवेदन प्राप्ति की समापन तिथि पर 65 वर्ष की आयु से अधिक आयु का नहीं होना वांछनीय।

**वेतन और सेवा शर्तें**
- पद हेतु अन्य सामान्य भत्तों और 11250/- रुपए के विशेष भत्तों के साथ 2,10,000/- रुपए (नियत) प्रतिमाह का वेतन निर्धारित है।
- सेवाओं की निबंधन और शर्तें वह होंगी जो विश्वविद्यालय के अधिनियम एवं संविधियों तथा अध्यादेशों में दी गई है।

**नियुक्ति हेतु प्रक्रिया**
- कुलपति की नियुक्ति विश्वविद्यालय के अधिनियम के प्रावधानों के अंतर्गत गठित एक समिति द्वारा सिफारिश किए गए नामों के एक पैनल में से की जाएगी।
- यह विज्ञापन वेबसाइट http://www.education.gov.in और https://cuap.ac.in पर उपलब्ध है।

**"केवल ऑनलाइन आवेदन करें"**
- उम्मीदवारों को नीचे दिए गए लिंक के अनुसार केवल शिक्षा मंत्रालय समर्थ पोर्टल के माध्यम से आवेदन करना होगा: **https://vcrec.samarth.ac.in/index.php/**
- उपरोक्त लिंक दिनांक 09.05.2025, 10.00 घंटे से दिनांक 07.06.2025 17.00 घंटे तक सक्रिय होगा।

CBC21201/11/0001/2526

# रीट परीक्षा-2024 का परिणाम जारी, छह लाख से अधिक अभ्यर्थी सफल हुए

## लेवल-1 परीक्षा का उत्तीर्ण प्रतिशत 62.33 और लेवल-2 का उत्तीर्ण प्रतिशत 44.69 प्रतिशत रहा

**अजमेर, (कासं)।** माध्यमिक शिक्षा बोर्ड राजस्थान द्वारा आयोजित राजस्थान अध्यापक पात्रता परीक्षा 2024 (रीट) का परिणाम गुरुवार को घोषित किया गया। इसमें छह लाख से अधिक अभ्यर्थी सफल हुये। इस अवसर पर राजस्थान सरकार के शिक्षा मंत्री मदन दिलावर भी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से कार्यक्रम से जुड़े। उन्होंने सफल परीक्षार्थियों को शुभकामनाएं दी। बोर्ड के प्रशासक महेश चंद्र शर्मा ने कहा कि यह परीक्षा 27 और 28 फरवरी 2025 को तीन पारियों में आयोजित की गई थी। परीक्षा दो स्तरों लेवल-1 प्राथमिक स्तर और लेवल-2 उच्च प्राथमिक स्तर में संपन्न हुई थी। इसके साथ ही कुछ अभ्यर्थी दोनों स्तरों के लिए भी पंजीकृत थे।

बोर्ड प्रशासक महेश चंद्र शर्मा ने राजस्थान अध्यापक पात्रता परीक्षा 2024 का परिणाम जारी किया।

- **शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सफल परीक्षार्थियों को बधाई दी**

उन्होंने कहा कि लेवल-1 परीक्षा के लिए 3 लाख 46 हजार 626 अभ्यर्थियों ने पंजीकरण करवाया था। इसमें से 3 लाख 14 हजार 195 अभ्यर्थी परीक्षा में उपस्थित हुए। इनमें से एक लाख 95 हजार 847 परीक्षार्थी सफल हुए है। इसमें उत्तीर्ण प्रतिशत 62.33 प्रतिशत रहा। इस प्रकार लेवल-2 परीक्षा में 9 लाख 68 हजार 502 अभ्यर्थी पंजीकृत थे। इनमें से 8 लाख 79 हजार 671 ने परीक्षा में भाग लिया और 3 लाख 93 हजार 124 परीक्षार्थी सफल हुए। इस स्तर पर उत्तीर्ण प्रतिशत 44.69 प्रतिशत रहा। वहीं दोनों स्तरों के लिए पंजीकृत अभ्यर्थियों की संख्या एक लाख 14 हजार 696 थी। इसमें से 92 हजार 767 ने परीक्षा दी। इनमें से 47 हजार 97 अभ्यर्थी सफल हुए। इसमें उत्तीर्ण प्रतिशत 50.77 रहा। शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने सफल परीक्षार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि यह परीक्षा युवाओं के लिए एक सुनहरा अवसर है। इससे वे शिक्षक बनने के अपने सपने को साकार कर सकते हैं। साथ ही उन्होंने असफल अभ्यर्थियों को निराश नहीं होने की सलाह दी और सफलता प्राप्ति तक निरंतर प्रयास करने के लिए प्रोत्साहित किया।

बोर्ड प्रशासक महेश चंद्र शर्मा ने कहा कि राजस्थान सरकार ने रीट परीक्षा आयोजित करने की जिम्मेदारी माध्यमिक शिक्षा बोर्ड को सौंपी थी। इस जिम्मेदारी का निर्वहन करते हुए बोर्ड ने परीक्षा का आयोजन तीन पारियों में सफलतापूर्वक किया। उन्होंने इस सफल आयोजन के लिए माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की पूरी टीम को बधाई दी।

बोर्ड सचिव कैलाश चंद्र शर्मा ने बताया कि परीक्षार्थियों को उनके परिणाम के प्रमाण पत्र लगभग एक माह के भीतर उपलब्ध करा दिए जाएंगे। प्रमाण पत्र परीक्षार्थी के परीक्षा केंद्र वाले जिले के चयनित नोडल विद्यालय से प्राप्त किए जा सकेंगे। प्रत्येक जिले में एक विद्यालय को नोडल स्कूल के रूप में चिन्हित किया जाएगा। इससे परीक्षार्थी अपना प्रमाण पत्र प्राप्त कर सकेंगे।

# बीकानेर सिलेण्डर ब्लास्ट : अब तक नौ जनों की मौत

## मलबे से पांच शव और निकाले, एक घायल ने हॉस्पिटल में इलाज के दौरान दम तोड़ा

**बीकानेर, (निसं)।** बीकानेर में सिलेंडर ब्लास्ट में गुरुवार को मलबे से पांच शव और निकाले गए। वहीं एक घायल ने हॉस्पिटल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। इस हादसे में मरने वालों की संख्या अब 9 हो गई है।

- **धमाका इतना जोरदार था कि लगा जैसे एयर स्ट्राइक हुई है, ब्लास्ट का सीसीटीवी वीडियो भी सामने आया**
- **हादसे में काफी दुकानों का नुकसान पहुंचा है और लाखों रुपए कीमत का गोल्ड (सोना) दब गया**

जानकारी के अनुसार शहर के मदान मार्केट में बुधवार सुबह करीब ग्यारह बजे गैस सिलेंडर में ब्लास्ट हुआ था। धमाका इतना जोरदार था कि बेसमेंट में बने दो फ्लोर ढह गए थे। दिनभर चले रेस्क्यू ऑपरेशन में तीन शवों को बाहर निकाला गया था। इस मार्केट में सभी दुकानों में ज्वैलरी मेकिंग का काम होता है। यहां दुकानदार अवैध गैस सिलेंडर का इस्तेमाल करते हैं। एक दुकानदार ने बताया कि इस हादसे में काफी दुकानों का नुकसान पहुंचा है और लाखों रुपए कीमत का गोल्ड यहां दब गया है। धमाका इतना जोरदार था कि लगा जैसे एयर स्ट्राइक हुई है। ब्लास्ट का सीसीटीवी वीडियो भी सामने आया है। गुरुवार को किशन सोनी (23), किशनलाल सोनी (25), रामस्वरूप सोनी (20), लालचंद सोनी (23) और असलम मलिक (31) के शव निकाले गए। वहीं, आयन (17) की अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। बुधवार को सलमान (35), असलम (35) और सचिन सोनी (22) के शव निकाले गए थे। हादसे में गंभीर रूप से घायल सुशील सोनी (60), उत्तम (30) और समीर (18) जिला अस्पताल में भर्ती हैं। तीनों की हालत गंभीर बताई जा रही है।

ज्वैलर विकास सोनी ने बताया कि कल काम ज्यादा था, ऐसे में एक पार्टी से मिलकर आने में देरी हो गई। सिर्फ 10 मिनट ही देर आया, लेकिन इसी देरी ने मेरी जान बचा ली। अगर समय पर आता तो मेरी जान जा सकती थी। उन्होंने बताया कि धमाका सुनकर ऐसा लगा कि एयर स्ट्राइक हुई है। मार्केट पहुंचकर देखा तो मेरी दुकान भी जमींदोज हो गई थी। मेरा करीब 160 ग्राम सोना भी दुकान में था। उन्होंने बताया कि यहां करीब 25 दुकानें थीं। हर दुकान में 100 ग्राम के करीब गोल्ड तो रहता ही है।

# पूगल के पास मिसाइल के टुकड़े मिले, कोई जनहानि नहीं

**बीकानेर, (निसं)।** पश्चिम सीमा के एयरबेस पर लड़ाकू विमानों की तैनाती कर दी गई है। उधर पूगल के पास मिसाइल के टुकड़े मिले हैं। आशंका है कि एयर स्ट्राइक के दौरान एक मिसाइल हवा में ही फट गई थी। पुलिस ने रेत के कट्टों से उसे सुरक्षित कर सेना को सूचना दे दी है। किसी तरह की जनहानि होने के समाचार नहीं है।

- **आशंका है कि एयर स्ट्राइक के दौरान एक मिसाइल हवा में ही फट गई थी**

जानकारी के अनुसार भारतीय वायुसेना ने मंगलवार रात 1.05 बजे से 1.41 बचे के बाद पाकिस्तान में आतंकी ठिकानों पर एयर स्ट्राइक की थी। इस दौरान लड़ाकू विमानों ने जमकर बमबारी की। बहावलपुर में जैश ए मोहम्मद का मुख्यालय तबाह कर दिया था। बताया जा रहा है कि इस दौरान पूगल के आसमान में एक मिसाइल फटने की सूचना है। उसकी आवाज और आग की रोशनी दूर तक दिखाई दी। हालांकि किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। लोगों ने धमाके के वीडियो भी बनाए। बुधवार दोपहर मवेशी चराने वाले चरवाहों को करणीसर से करीब दो किलोमीटर दूर बरजू की तरफ मिसाइल के खोल नजर आए तो उन्होंने पूगल पुलिस को सूचना दे दी। पूगल एसएचओ पवनसिंह मौके पर पहुंचे। मिसाइल के टुकड़े करीब एक किलोमीटर में बिखर गए।

खाजूवाला सीओ अमरजीत चावला ने बताया कि उसके चारों तरफ रेत के कट्टे लगा दिए गए हैं। सेना को सूचना दे दी गई है। सेना का बम स्क्वायड इसे डिफ्यूज करेगा। पूगल एसडीएम राजेंद्र भींचर और तहसीलदार दिव्या बिश्नोई ने भी मौका मुआयना किया। उधर झुंझू में ब्लैक आउट के आदेशों का पालन नहीं करने पर कनिष्ठ सहायक दिनेश कुमार मीणा को निलंबित कर दिया गया है।

भारत द्वारा पाकिस्तान और पीओके में आतंकी ठिकानों पर की गई एयर स्ट्राइक के बाद बीकानेर जिला प्रशासन ने एहतियात के तौर पर सभी पेट्रोल पंपों को 2000 लीटर पेट्रोल और 5000 लीटर डीजल का स्टॉक आरक्षित रखने के आदेश जारी किए हैं। इसका उद्देश्य आपात स्थितियों में आवश्यक सेवाओं की निरंतरता बनाए रखना है। भारत द्वारा पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) में किए गए आतंकवादी ठिकानों पर एयर स्ट्राइक के बाद पूरे देश में सुरक्षा व्यवस्था अलर्ट मोड पर है। इसी के तहत बीकानेर जिला प्रशासन ने भी आवश्यक कदम उठाते हुए जिले के सभी पेट्रोलियम उत्पाद विक्रेताओं (पेट्रोल पंपों) को आरक्षित स्टॉक बनाए रखने का निर्देश दिया है। जिला मजिस्ट्रेट एवं कलेक्टर नम्रता वृष्णि द्वारा जारी आदेशानुसार, 7 मई से आगामी आदेशों तक प्रत्येक पेट्रोल पंप को कम से कम 2000 लीटर पेट्रोल और 5000 लीटर डीजल का स्टॉक आरक्षित रखना अनिवार्य होगा। यह स्टॉक आपात सेवाओं में लगे चिन्हित वाहनों की आवश्यकतानुसार वितरित किया जाएगा।

# बीकानेर एयरपोर्ट की सभी फ्लाइट्स रद्द

**बीकानेर, (निसं)।** भारत द्वारा पाकिस्तान और पीओके में आतंकी ठिकानों पर एयर स्ट्राइक के बाद बीकानेर एयरपोर्ट समेत बॉर्डर से सटे कई एयरपोर्ट पर सुरक्षा बढ़ा दी गई है। बीकानेर से दिल्ली के लिए उड़ान भरने वाली इंडिगो और एलाइंस एयर की फ्लाइट्स को नौ मई तक रद्द कर दिया गया है।

बीकानेर एयरपोर्ट पर आमजन का प्रवेश भी फिलहाल प्रतिबंधित है। पाकिस्तान सीमा के करीब स्थित बीकानेर एयरपोर्ट मंगलवार रात से हाई अलर्ट मोड पर है। वजह है, भारत की तरफ से की गई एयरस्ट्राइक, जिसमें पाकिस्तान और पीओके स्थित 9 आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया गया था। इस कार्रवाई के तुरंत बाद भारत सरकार ने सुरक्षा कारणों से बॉर्डर से सटे 18 एयरपोर्ट पर उड़ानों का संचालन रोक दिया है, जिनमें बीकानेर भी शामिल है। बीकानेर से दिल्ली के बीच संचालित इंडिगो की नियमित दैनिक फ्लाइट्स और एलाइंस एयर की सप्ताह में दो बार (सोमवार और शुक्रवार) उड़ानें अब संभवतः नौ मई तक रद्द कर दी गई हैं। बीकानेर एयरपोर्ट प्रशासन ने बताया कि वर्तमान में एयरपोर्ट पर किसी भी प्रकार के यात्री मूवमेंट की अनुमति नहीं है। एयरपोर्ट की सुरक्षा को अभूतपूर्व स्तर पर पहुंचा दिया गया है। बीकानेर एयरपोर्ट पर सीआईएसएफ और एयरफोर्स की सुरक्षा एजेंसियों ने अलर्ट लेवल बढ़ा दिया है। एयरपोर्ट परिसर में आम नागरिकों का प्रवेश प्रतिबंधित कर दिया गया है। चेकिंग, बैगेज स्कैनिंग और पार्किंग एरिया में निगरानी बढ़ा दी गई है। एयरपोर्ट से जुड़े हर मूवमेंट को सीसीटीवी और अन्य निगरानी तकनीकों से मॉनिटर किया जा रहा है। एयरलाइन सूत्रों के अनुसार 9 मई के बाद परिस्थितियों की समीक्षा कर उड़ानों की बहाली पर निर्णय लिया जाएगा। फिलहाल यात्रियों को सलाह दी गई है कि वे उड़ान स्थिति की जानकारी एयरलाइन की वेबसाइट या हेल्पलाइन से समय-समय पर लेते रहें। एयरपोर्ट के उच्चाधिकारियों ने बताया कि बीकानेर से दिल्ली हवाई मार्ग से यात्रा करने वाले यात्रियों को फिलहाल असुविधा का सामना करना पड़ रहा है, लेकिन यह कदम राष्ट्रीय सुरक्षा के मद्देनजर उठाया गया है।

# युवक की गोली मारकर हत्या के आरोपी अलीगढ़ से गिरफ्तार

## गिरफ्तारी के दौरान एक आरोपी ने भागने की कोशिश की, लेकिन गिर जाने से पैर में चोट लग गई

**कोटा, (निसं)।** जवाहर नगर थाना इलाके में जमीनी विवाद को लेकर युवक की गोली मारकर की गई हत्या के मामले में पुलिस टीम ने आरोपी शंकर सहित उसके साथी नरेन्द्र सैनी उर्फ गुट्या को उत्तरप्रदेश के अलीगढ़ से गिरफ्तार किया है।

- **जमीनी विवाद को लेकर युवक की गोली मारकर हत्या की थी**

शहर पुलिस अधीक्षक डॉ.अमृता दुहन ने बताया कि 5 मई को जवाहर नगर इलाके में एक दुकान पर दो युवक मोटरसाइकिल से आये और उनमें से एक जने ने युवक हरिओम वैष्णव की पिस्टल से गोली मारकर हत्या कर दी। युवक की हत्या के मामले में घटना को गंभीरता से लेते हुए पुलिस उप अधीक्षक योगेश शर्मा के सुपरविजन में जवाहर नगर थानाधिकारी रामलक्ष्मण गुर्जर के नेतृत्व में टीम का गठन किया गया। शहर एसपी ने बताया कि गठित टीम द्वारा आरोपियों की तलाश के लिये बारां तथा उतर प्रदेश में टीम को रवाना किया गया। शहर एसपी ने बताया कि गठित टीम को आरोपियों के मथुरा होते हुए अलीगढ़ की तरफ भागने की सूचना मिली। शहर एसपी ने बताया कि उक्त सूचना पर पुलिस टीम को उत्तरप्रदेश के अलीगढ़ के लिये रवाना किया गया। पुलिस टीम ने अलीगढ़ से दोनों आरोपी इन्द्रा कॉलोनी विज्ञान नगर निवासी शंकर बैरागी एवं नरेन्द्र सैनी उर्फ गुट्या को डिटेन कर प्रकरण में गिरफ्तार किया। शहर एसपी ने बताया कि गिरफ्तारी के दौरान एक आरोपी ने पुलिस का हाथ छुड़ाकर भागने की कोशिश की लेकिन गिर जाने से आरोपी के पैर में चोट लग गई।

शहर एसपी ने बताया कि पकड़े गये आरोपी शंकर बैरागी ने पूछताछ में बताया की मृतक हरिओम वैष्णव के परिजन व आरोपी के ससुराल पक्ष के बीच आपस में जमीन विवाद का झगड़ा चला आ रहा था। लड़ाई-झगड़े का मामला थाना पनवाड में दर्ज था। इसी रंजिश को लेकर आरोपी ने वारदात को अंजाम दिया था। शहर एसपी ने बताया कि 5 मई को जवाहर नगर थाना क्षेत्र के राजीव गांधी नगर में दो बाईक सवार बदमाश आये और सायबर कैफे पर बैठे हरिओम वैष्णव पर बाइक सवार एक बदमाश शंकर ने फायरिंग कर दी जिसमें हरिओम वैष्णव की मौत हो गई थी।

# धूलभरी आंधी के बाद बूंदाबांदी से मौसम में ठंडक आई

**गंगापुर सिटी, (निसं)।** गुरुवार को मौसम में अचानक बदलाव देखा गया। सुबह से तेज धूप के बीच तापमान 40 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया था। सुबह से ही आसमान में बादलों की आवाजाही रही। मौसम विभाग ने पहले से ही येलो अलर्ट जारी कर रखा था।

शाम 4.30 बजे मौसम में अचानक बदलाव आया। आसमान में बादल छा गए और तेज हवाएं चलने लगीं। 4.45 बजे से बूंदाबादी शुरू हुई। इस दौरान आसमान में गरज भी सुनाई दी। दोपहर बाद आसमान में काले बादल छाए। शाम पांच बजे के आसपास धूल भरी आंधी चली। तेज हवाओं के कारण शहर और ग्रामीण क्षेत्रों में दृश्यता प्रभावित हुई। कई स्थानों पर पेड़ों की टहनियां टूटकर गिर गई। इसके बाद बूंदाबांदी शुरू हुई। यह धीरे-धीरे रिमझिम बारिश में बदल गई। आधे घंटे की बारिश ने पूरे क्षेत्र का मौसम ठंडा कर दिया। मौसम विभाग के अनुसार, तापमान में 6 से 8 डिग्री सेल्सियस की गिरावट दर्ज की गई। बारिश से किसानों को आगामी फसलों के लिए फायदा होने की उम्मीद है। शहरवासी भी गर्मी से राहत पाकर घरों से बाहर निकले। मौसम विभाग ने अगले 24 घंटों में बादल छाए रहने का पूर्वानुमान जताया है।

# आठ हजार की रिश्वत लेते पटवारी गिरफ्तार

## दो भूखण्डों का नामान्तरण खुलवाने के लिये रिश्वत ली

**उदयपुर, (निसं)।** भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो इंटेलिजेंस यूनिट उदयपुर ने पीड़ित से आठ हजार रूपये की रिश्वत लेते लोयरा पटवार हल्का पटवारी को गिरफ्तार किया। जिससे पूछताछ की जा रही है।

भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के महानिदेशक पुलिस रवि प्रकाश मेहरड़ा ने बताया कि भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो इंटेलीजेंस युनिट उदयपुर को परिवादी ने सात मई को लिखित शिकायत दी, जिसमें उसने बताया कि लोयरा हाथीधरा में मेरी पत्नी व मेरे मित्र की पत्नी के नाम अलग-अलग कृषि भूखण्ड क्रय किए थे। जिसकी रजिस्ट्री होकर उक्त कृषि भूखण्ड का नामान्तरण खुलवाने के लिए मैं व मेरी पत्नी व मेरे दोस्त की पत्नी के साथ अलग-अलग रजिस्ट्री की फोटो प्रति लेकर पटवार हल्का लोयरा में पटवारी प्रियंका से संपर्क पन्द्रह बीस दिन पूर्व मिले थे।

जिन्हें दोनों भूखण्डों की फोटो प्रतियां दी तथा नामान्तरण के लिए कहा तो उन्होंने कहा कि दोनों भूखण्डों का नामान्तरण तभी खुलेगा जब आप मुझे खर्चा पानी के 8 हजार रूपये दोगे। फिर कहा कि पैसे अभी सामने वाले ई-मित्र को ऑनलाइन ट्रांसफर कर दो वहां से मुझको नकद लाकर दे दो तुम्हारा काम हो जायेगा।

उन्होंने परिवादी की पत्नी व उसके मित्र की पत्नी के नाम की दोनों मूल रजिस्ट्री आरोपी ने अपने पास रख ली तथा कहा कि 8 हजार रूपये दोगे तभी तुम्हारी मूल रजिस्ट्रियां ले जाना। जिस पर राजेन्द्र प्रसाद गोयल उप महानिरीक्षक भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो उदयपुर रेंज के सुपरविजन में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो इंटलेलीजेंस यूनिट उदयपुर के नेतृत्व में डॉ.सोने शेखावत पुलिस निरीक्षक मय टीम ने ट्रेप कार्यवाही करते हुए आरोपियां प्रियंका नलवाया पत्नी मनीष नलवाया पटवार हल्का लोयरा को 8 हजार रूपये रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया। जिससे पूछताछ की जा रही है। ब्यूरो ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

# विवाहिता की आत्महत्या मामले में पति और प्रेमिका गिरफ्तार

**उदयपुर, (कासं)।** जिले की भींडर थाना पुलिस ने विवाहिता के आत्महत्या मामले में पति और उसकी प्रेमिका को गिरफ्तार किया है।

- **मोबाइल रिकॉर्ड से प्रेम प्रसंग का खुलासा हुआ, दो वर्ष से अवैध संबंध थे**

थानाधिकारी पूनाराम गुर्जर ने बताया कि जांच में पता लगा कि मृतका सुमन कुंवर का पति राजेन्द्र सिंह (24) पुत्र रतनसिंह निवासी आईलों की भागल व उसकी प्रेमिका मंजू (40) का करीब दो साल से अवैध प्रेम प्रसंग था। मृतका सुमन कुंवर द्वारा कई बार दोनों को समझाइश की गई लेकिन दोनों नहीं माने। छिपकर मिलते रहे। इससे परेशान होकर सुमन कुंवर ने गत 3 मई को जहर खाकर सुसाइड कर लिया।

पुलिस ने जांच में पति और उसकी प्रेमिका के बीच मोबाइल पर हुई बातचीत का रिकॉर्ड खंगाला तो पिछले डेढ़ साल में 1348 घंटे बातचीत होना सामने आया। इससे दोनों के बीच प्रेम प्रसंग होने की जानकारी पुख्ता हो गई। पुलिस ने आरोपी पति राजेन्द्र सिंह और उसकी प्रेमिका मंजू को आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोप में गिरफ्तार किया है।

मृतका के भाई शैतानसिंह पुत्र पृथ्वी सिंह निवासी कपासन ने थाने में रिपोर्ट दी थी। उसने बताया कि उसकी बहन सुमन ने पति की प्रताड़ना और उसके किसी महिला से अवैध संबंध के चलते आत्महत्या की है। बहन ने कई बार पति को उसकी प्रेमिका से मिलने और बात करने से मना किया था लेकिन वह नहीं माना। बहन परेशान होती रही और उसने मजबूरन यह कदम उठा लिया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। सख्ती से पूछताछ में आरोपी पति ने जुर्म कबूल किया।

# दो अलग-अलग हादसों में चार जनों की मौत

## पांच वाहन आपस में भिड़े, दो घायल भी हुए

**उदयपुर, (निसं)।** उदयपुर-अहमदाबाद हाइवे पर हुए दो अलग-अलग सड़क हादसे हो गये। डंपर व कार की भिड़ंत होने के दौरान ट्रेलर व रोडवेज सहित पांच वाहनों की भिड़ंत हो गई। हादसे में चार जनों की मौत हो गई तथा दो व्यक्ति घायल हुए हैं।

प्राप्त जानकारी के अनुसार गुरूवार अपरान्ह में उदयपुर-अहमदाबाद हाइवे परसाद थाना क्षेत्र जन होटल के समीप डंपर व कार की भिड़ंत हो गई। इसी दौरान कुछ ही दूरी पर परसाद पुलिस चौकी के समीप टायर फटने से ट्रेलर से वीडियोकोच, रोडवेज बस व कारों की भिड़ंत हो गई, जिससे हाइवे जाम हो गया। सूचना पर पुलिस उपाधीक्षक सराड़ा चांदमल सिंगारिया, परसाद थानाधिकारी उमेश मय जाप्ता मौके पर पहुंचे। जहां पुलिस ने हाइवे मोबाइल आमजन की मदद से हादसे में घायल हुए कार चालक हरिश पुत्र अमरावल निवासी सूरत, नीरज पुत्र पारीख निवासी सूरत, मिनेश पुत्र हरिश निवासी सूरत तथा अमी पत्नी नीरज निवासी सूरत घायल हो गए, जिन्हें बाहर निकाल परसाद चिकित्सालय पहुंचाया। जहां हरिश, नीरज व अज्ञात महिला व नीरज को चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। जिनके शवों को परसाद चिकित्सालय मोर्चरी में रखवाया।

# पुलिस की तत्परता से कोचिंग छात्र की जान बची

## कुन्हाड़ी पुलिस टीम ने 15 मिनट में मौके पर जाकर कोचिंग छात्र को नदी में डूबने से बचाया

**कोटा, (निसं)।** कुन्हाड़ी पुलिस टीम ने तत्परता से कार्यवाही करते हुए एक कोचिंग छात्र को नदी में डूबने से बचा लिया। पुलिस टीम ने सूचना के बाद 15 मिनट में छात्र की लोकेशन ट्रेस कर छात्र को रेस्क्यू किया।

- **छात्र ने पिता के मोबाइल पर सुसाइड करने का मैसेज भेजा**

शहर पुलिस अधीक्षक डॉ. अमृता दुहन ने बताया कि छत्तीसगढ़ निवासी एक कोचिंग छात्र जो कोटा में नीट की परीक्षा देने के लिये आया था। शहर एसपी ने बताया कि छात्र ने पिता के मोबाइल पर सुसाइड करने का मैसेज भेजा और पिता द्वारा फोन करने पर फोन भी नहीं उठाया, जिस पर पिता ने स्टूडेन्ट हेल्पलाइन नम्बर 9530442778 पर कॉल करके सूचना दी कि उसका बेटा नीट की परीक्षा देने के लिये कोटा गया था जो परीक्षा के बाद अभी तक घर नहीं लौटा है और पिता ने बेटे द्वारा भेजे गये सुसाइड करने के मैसेज के बारे में जानकारी दी। शहर एसपी ने बताया कि उक्त सूचना पर अभय कमाण्ड कन्ट्रोल सेन्टर प्रभारी अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नियति शर्मा के निर्देशन में अभय कमांड कंट्रोल सेन्टर एवं कुन्हाड़ी थाने के सहायक उपनिरीक्षक मोहम्मद इस्तयाक व स्टूडेन्ट सेल प्रभारी के नेतृत्व में पुलिस टीम ने त्वरित कार्यवाही करते हुए उक्त नीट स्टूडेंट की लोकेशन प्राप्त की। शहर एसपी ने बताया कि नीट स्टूडेंट की मोबाइल लोकेशन चम्बल नदी बालिता रोड़ कुन्हाड़ी के पास प्राप्त होने पर उक्त स्टूडेंट की लोकेशन व फोटोग्राफ कुन्हाड़ी थाने के डीओ सहायक उपनिरीक्षक लटुरलाल व कांस्टेबल टीकाराम को लोकेशन पर भिजवाया गया, जिस पर पुलिस ने लोकेशन पर पहुंचकर समय से छात्र को रेस्क्यू किया। शहर एसपी ने बताया कि छात्र ने जानकारी देते हुए बताया कि परीक्षा में सही स्कोर प्राप्त नहीं होने के कारण उसने आत्महत्या जैसा कदम उठाने का सोचा और पिता से माफी मांगते हुए सुसाइड करने का मैसेज भेजा। शहर एसपी ने बताया कि पुलिस टीम ने तत्परता से 15 मिनट में कार्यवाही करते हुए छात्र को आत्महत्या करने से बचा लिया।

# अरांई कस्बे में बरसात हुई

**अरांई, (निसं) ।** कस्बे में गुरुवार को बारिश होने से मौसम सुहाना हो गया और लोगों को ठंड का अहसास हुआ। दिनभर आकाश में बादल छाए रहे और सुबह से शाम तक तीन बार बारिश होने का सिलसिला चला।

बारिश से आम रास्तों पर कीचड़ फैल गया। शादी समारोह के चलते बारिश ने आयोजकों की परेशानी को बढ़ा दी। रुक-रुककर बारिश होने से विद्युत आपूर्ति में भी बाधा उत्पन्न हुई। दिन में दो-तीन घण्टे बिजली बंद रहने से लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा। रिमझिम व मध्यम दर्जे की बारिश का क्रम बना रहने से यहां के प्रमुख बाजारों में भीड़-भाड़ कम नजर आई जिससे दुकानदारों की ग्राहकी पर भी विपरीत असर पड़ा।

बेमौसम हुई बारिश से जगह-जगह कीचड़ व कचरे के ढेर में बदबू फैलने से बीमारियां फैलने की भी आशंका बनी हुई है।

# सरिस्का में अतिक्रमण हटाने पहुंची टीम पर हमला, तीन वनकर्मी घायल

**अलवर, (निसं)।** अलवर के सरिस्का के तालवृक्ष रेंज में अतिक्रमण हटाने गई वन विभाग की टीम पर ग्रामीणों ने हमला कर दिया। देवरा नाका के गुडा गांव में वनकर्मियों को दौड़ा-दौड़ाकर पीटा गया, जिसमें 3 कर्मचारी घायल हो गए। वनकर्मियों को भागकर अपनी जान बचानी पड़ी।

डीएफओ अभिमन्यु साहरण ने बताया कि गुरुवार दोपहर करीब एक बजे टीम गुडा गांव में पहुंची थी, जहां जंगल की जमीन पर ग्रामीण अवैध रूप से मंदिर का निर्माण कर रहे थे। समझाइश के दौरान ही महिला-पुरुषों ने अचानक पथराव शुरू कर दिया। हमले में वनकर्मी रामवीर गुर्जर के सिर में गंभीर चोट आई, जिनके 6 टांके लगे हैं। होमगार्ड अशोक शर्मा के हाथ में और ड्राइवर दिलखुश योगी के कंधे पर चोट आई है। डीएफओ अभिमन्यु साहरण ने बताया कि यह मामला कई दिनों से चल रहा था। ग्रामीण जंगल की जमीन पर मंदिर बनाने पर अड़े थे। वन विभाग की बार-बार की समझाइश के बावजूद गुरुवार को लेंटर डालने का काम शुरू कर दिया गया। मामला अब बानसूर थाने पहुंच गया है।

वन विभाग की टीम पर महिला-पुरुषों ने पथराव किया।

- **समझाइश के दौरान ही महिला-पुरुषों ने अचानक वन विभाग की टीम पर पथराव शुरू कर दिया**
- **जंगल की जमीन पर ग्रामीणों द्वारा अवैध रूप से मंदिर का निर्माण करने की सूचना मिली थी**

# पदक उच्च मानकों का प्रदर्शन है, जिसके लिए पुलिस बल प्रतिबद्ध है : दिनेश एम.एन.

## पुलिस अलंकरण समारोह-2025 : स्टेट क्राइम ब्रांच के 195 पुलिस अधिकारी एवं कार्मिक को मिले पदक व सेवा चिन्ह

**जयपुर।** आमेर रोड़ पर जलमहल के सामने स्थित सीआईडी सीबी लाईन में गुरुवार प्रात: आयोजित अलंकरण समारोह में अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस अपराध दिनेश एम एन ने सीआईडी अपराध शाखा के 195 पुलिस अधिकारियों व कर्मचारियों को मुख्यमंत्री सराहनीय सेवा पदक, राजस्थान पुलिस सेवा पदक, उत्कृष्ट व अति उत्कृष्ट सेवा पदक तथा उत्तम, अति उत्तम एवं सर्वोत्तम सेवा चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया।

एडीजी एम एन ने इस अवसर पर सम्मानित होने वाले अधिकारियों एवं कार्मिकों को बधाई देते हुए कहा कि आपने अपने कर्तव्य निष्ठा, साहस एवं समर्पण के माध्यम से विशिष्ट पहचान बनाई है। आपके द्वारा प्राप्त किए गए यह पदक केवल आपकी व्यक्तिगत उपलब्धियों का प्रतीक ही नहीं बल्कि उस उच्च मानक को भी प्रदर्शित करता है, जिसके लिए हमारा पूरा पुलिस बल प्रतिबद्ध है। आपका उदाहरण दूसरे पुलिसकर्मियों को भी अपना उच्चतम प्रदर्शन प्रस्तुत करने के लिए प्रेरित करता है।

गुरुवार को आयोजित अलंकरण समारोह में उत्कृष्ट, सराहनीय एवं प्रशंसनीय सेवाएं प्रदान करने वाले 6 पुलिस अधिकारियों व कर्मियों को मुख्यमंत्री सराहनीय सेवा पदक, एक पुलिसकर्मी को राजस्थान पुलिस सेवा पदक, 8 को अति उत्कृष्ट सेवा पदक, 9 पुलिस कर्मियों को उत्कृष्ट सेवा पदक तथा 27 पुलिस कर्मियों को सर्वोत्तम सेवा चिन्ह, 32 पुलिस कर्मियों को अति उत्तम सेवा चिन्ह एवं 112 पुलिस कर्मियों को उत्तम सेवा चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर पुलिस महानिरीक्षक अपराध शाखा परम ज्योति व सत्येंद्र सिंह, पुलिस उपमहानिरीक्षक प्रहलाद कृष्णिया एवं एसपी लक्ष्मण दास, राजेश कांवट, सतनाम सिंह सहित अन्य पुलिस अधिकारी एवं कार्मिक मौजूद थे।

आमेर रोड़ पर जलमहल के सामने स्थित सीआईडी सीबी लाईन में गुरुवार प्रात: आयोजित अलंकरण समारोह में 195 पुलिस अधिकारियों व कर्मचारियों को सम्मानित किया।

मुख्यमंत्री सराहनीय सेवा पदक से अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आदर्श चौधरी, उप निरीक्षक राजेश कुमार, शर्मा, महेश कुमार टांक, हेड कांस्टेबल सायर सिंह, कांस्टेबल मनीषा कुमारी व राजेश कुमार यादव को एवं राजस्थान पुलिस सेवा पदक से हेड कांस्टेबल चन्द्र सिंह को सम्मानित किया गया।

अति उत्कृष्ट सेवा पदक से उप निरीक्षक कबीर खान, मोहम्मद यूसुफ खान, एएसआई कांता देवी, त्रिलोक चंद, हेड कांस्टेबल भौंरे लाल शर्मा, कांस्टेबल कजोड़ मल सैनी, सुनीता माथुर व मुफरूद्दीन को सम्मानित किया गया।

उत्कृष्ट सेवा पदक से पुलिस निरीक्षक सुरेंद्र कुमार, हेड कांस्टेबल सुमेर सिंह, महेश कुमार, कांस्टेबल ललित कुमार, मनोहर लाल, कांस्टेबल चालक रमेश दत्त यादव, मथुरेश कुमार कसाना, जगदीश प्रसाद व गौरी शंकर त्रिपाठी को सम्मानित किया गया।

इनमें उप निरीक्षक बंशीधर, एएसआई बुद्धि प्रकाश, सुदेश यादव, यादराम शर्मा, उरजा राम, हेड कांस्टेबल सुखदेव, शैलेंद्र सिंह, सुनील कुमार शर्मा, कमलेश कुमार, रामचंद्र यादव, मनोहर लाल, सुरेश कुमार, शाहिद अली, हरि सिंह करनावत, राम अवतार, महेंद्र सिंह, महेंद्र प्रताप सिंह, उम्मेद सिंह व राजकुमार व कांस्टेबल विश्राम मीणा, नंद सिंह, रंगलाल, हेड कांस्टेबल चालक हेमंत सिंह, कांस्टेबल चालक जगदीश प्रसाद, दिनेश चंद, जगदीश कुमार व रमेश दत्त शामिल है।

अति उत्तम सेवा चिन्ह से सम्मानित होने वालों में उप निरीक्षक स्नेह लता, मनीषा, एएसआई शैलेंद्र कुमार शर्मा, कांता देवी, हेड कांस्टेबल विकास चाहर, कृष्णा नायक, महेश कुमार, मुख्त्यावर अहमद, प्रदीप कुमार, सुशीला यादव, सुमेर सिंह, जाकिर हुसैन, नंद सिंह, रघुनाथ, कांस्टेबल मनोहर लाल, सपना राठौड, मनीषा कुमारी, ओम कंवर, बीजराज, भगवान सिंह, राम अवतार, मोहन सिंह, अनिल कुमार, सुदेश चौधरी, भरतपाल यादव, सुनीता कुमारी, अरविंद कुमार, पुखराज, ओम प्रकाश, विजय पाल, रामफल व मूलचंद शामिल है।

उत्तम सेवा चिन्ह से सम्मानित होने वालों में इंस्पेक्टर कैलाश चंद मीणा, एएसआई रणवीर सिंह, हेड कांस्टेबल जस्साराम, ताराचंद, दिनेश सिंह, महेंद्र कुमार, करणी सिंह, कांस्टेबल मोहनलाल मीणा, गिर्राज प्रसाद मीणा, दयाल चंद, सुरेंद्र कुमार, बबीता, लोकेश कुमार, विनोद कुमार, भूपेंद्र कुमार, महावीर प्रसाद मीणा, प्रदीप कुमार, अरुण वर्मा, संतोष कुमार वर्मा, राजेश कुमार मौर्य, ओमप्रकाश मीणा, अंजना देवी, दिनेश कुमार देवत, मुकेश कुमार, सतीश शर्मा, राकेश कुमार, सुमन, शंकर लाल, गंगाराम मीणा, महेश चन्द, रुली चन्द, तेजपाल, भोमराज मीणा, अमित कुमार, देवेंद्र सिंह, सुनील कुमार, संदीप कुमार, मंजू लता चौधरी, बलदेव स्वामी, प्रकाश चंद, मोजन्ति, सजना देवी, महेंद्र कुमार, आनंद कुमार, झाबरमल, कानाराम जांगिड़, मंजू कुमारी, अंकिता, मुकेश चौधरी, कांस्टेबल चालक रामचंद्र वर्मा, मनोज कुमार व गोपाल लाल शामिल है। इसी प्रकार उत्तम सेवा चिन्ह से ही कांस्टेबल विनोद कुमार मीणा, समय सिंह मीणा, दारा सिंह, ललिता शर्मा, मंजू गोदारा, दिनेश कुमार, गुलाबचंद, सावित्री, पप्पू, राज आनंद, अंजू कुमारी, विकास शर्मा, ममता देवी, राकेश कविया, सुभाष चन्द, आनंदी लाल, गौतम सैनी, विनोद कुमार सैनी, महिपाल सिंह मीणा, कमलेश स्वामी, मोहन कंवर, शकील अहमद, सुनीता वर्मा, जितेंद्र कुमार राव, रेखा कुमारी एवं मंजू हरफूल मीणा, सविता चौहान, निर्मला कुमारी, कैलाश चंद, रमेश शिंवर, कमला, अनिल कुमार, रामनिवास, संत कुमार, गगन कुमार, शालिनी, रामनिवास मीणा, रवि कुमार दायमा, सुमित्रा, अनिल कुमार, महेंद्र कुमार, बाबूलाल सैनी, रामावतार मीणा, नरेश कुमार, लाली देवी, प्रकाश कंवर, सुनीता बाबल, रमेश कुमार वर्मा, महेंद्र पाल, आशीष कुमार, मेनका, विक्रम सिंह, महेंद्र सिंह, पूनिया चंद्र, प्रकाश, राजेंद्र बाबू, मोना कुमारी चौधरी, अचला छीपा, मनीष शर्मा एवं कांस्टेबल चालक मुकेश जाट को सम्मानित किया गया।

## तेज रफ्तार कार ने हेड कांस्टेबल को टक्कर मारी

**जयपुर।** वैशाली नगर थाना इलाके में एक तेज रफ्तार कार ने यातायात संचालक कर रहे हेड कांस्टेबल को टक्कर मार दी। इससे हेड कांस्टेबल घायल हो गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर कार चालक की तलाश शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार यातायात पुलिस में तैनात हेड कांस्टेबल महेंद्र सिंह ने मामला दर्ज करवाया कि 5 मई की शाम वह खातीपुरा तिराहे पर यातायात संचालक कर रहा था इसी दौरान उसने एक तेज रफ्तार कार को रुकने का इशारा किया। कार चालक ने रुकने की बजाय स्पीड़ बढ़ा दी और उसके टक्कर मार दी। हैडकांस्टेबल कार से टकरा कर सड़क पर गिर गया। इससे उसके मुहं, हाथ, पैर सहित शरीर के अन्य हिस्सों में चोट आई। टक्कर मारने के बाद चालक कार लेकर भाग निकला। हादसे के बाद घायल हेड कांस्टेबल को उसके साथियों ने अस्पताल पहुंचाया, जहां पर प्राथमिक उपचार के बाद उसे छुट्टी दे दी गई।

## मोबाइल फोन चोरी करने वाले दो बदमाश गिरफ्तार

**जयपुर।** अशोक नगर थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए मोबाइल फोन चोरी करने वाले गिरोह के दो बदमाशों को धर-दबोचा है और उनके पास से चोरी के चार मोबाइल फोन भी जब्त किए गए है। फिलहाल आरोपियों से पूछताछ की जा रही है। पुलिस उपायुक्त जयपुर दक्षिण दिगंत आनंद ने बताया कि अशोक नगर थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए मोबाइल फोन चोरी करने वाले गिरोह के शातिर बदमाश विश्वेन्द्र सिंह निवासी भरतपुर हाल सुदर्शनपुरा जयपुर और विकास दास उर्फ उर्फ विक्रम दास निवासी उत्तर प्रदेश हाल जालूपुरा जयपुर को गिरफ्तार किया है। जिनके पास से चुराए गए चार चोरी के मोबाइल बरामद किए गए है।

## सार-समाचार

### एसबीआई लाइफ के हैक-एआई-थॉन से बदलेगा बीमा का भविष्य

**नई दिल्ली।** आजकल हर क्षेत्र में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का उपयोग तेजी से बढ़ रहा है। खासकर युवाओं में एआई को लेकर खास रुझान देखा जा रहा है। इसे ध्यान में रखते हुए भारत की प्रमुख निजी जीवन बीमा कंपनी एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस ने हैक-एआई-थॉन का पहला संस्करण लॉन्च किया है। यह देशभर में चलने वाली एक नवाचार पहल है, जिसका उद्देश्य आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की मदद से जीवन बीमा क्षेत्र को नया स्वरूप देना है। इस प्रतियोगिता के माध्यम से तकनीकी छात्रों को ग्राहक अनुभव में सुधार, उत्पाद की पहुंच बढ़ाने और धोखाधड़ी रोकने जैसे व्यावसायिक मुद्दों पर नए समाधान पेश करने का मंच मिल रहा है। एसबीआई लाइफ के ब्रांड और सीएसआर प्रमुख रविंद्र शर्मा ने कहा कि जब अलग सोच के लोग एक साथ आते हैं, तभी नवाचार की असली शुरुआत होती है। यह पहल युवा प्रतिभाओं को बीमा की वास्तविक चुनौतियों पर काम करने और तकनीक के सहयोग से समाधान पेश करने के लिए प्रेरित करती है।

### ऑटो रिक्शा चोरी करने वाला एक एचएस गिरफ्तार

**जयपुर।** लालकोठी थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए ऑटो रिक्शा चोरी करने वाले एक एचएस फईम खान उर्फ शाहरुख को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के पास से चुराया गया एक ऑटो रिक्शा भी जब्त किया गया है। पुलिस जांच में सामने आया कि गिरफ्तार एचएस फईम के खिलाफ जयपुर शहर के अलग-अलग थानों में नौ से अधिक आपराधिक मामले दर्ज है। फिलहाल आरोपी से पूछताछ की जा रही है। पुलिस उपायुक्त जयपुर पूर्व तेजस्वनी गौतम ने बताया कि लाल कोठी थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए ऑटो रिक्शा चोरी करने वाले एक एचएस फईम खान उर्फ शाहरुख निवासी एमडी रोड लालकोठी जयपुर को गिरफ्तार किया है। पुलिस पूछताछ में और भी कई वारदातें खुलने की आशंका जताई जा रही है।

# दो बदमाशों को अवैध हथियार सहित पकड़ा

करधनी थाना ने ऑपरेशन एक्शन अगेंस्ट गन के तहत दो बदमाशों को गिरफ्तार किया है।

**एक देशी पिस्टल, तीन जिंदा कारतूस सहित एक अतिरिक्त मैगजीन जब्त**

**जयपुर।** करधनी थाना ने कार्रवाई करते हुए ऑपरेशन एक्शन अगेंस्ट गन (आग) के तहत कार्रवाई करते हुए दो बदमाशों को पकड़ा है और उनके पास से एक देसी पिस्टल,तीन जिंदा कारतूस सहित एक अतिरिक्त मैगजीन बरामद की है। फिलहाल आरोपियों से पूछताछ की जा रही है।

पुलिस उपायुक्त जयपुर पश्चिम अमित कुमार ने बताया कि पुलिस कमिश्नरेट की ओर से चलाए जा रहे ऑपरेशन एक्शन अगेंस्ट गन (आग) के तहत करधनी थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए 19 वर्षीय अतुल सिंह निवासी उमरी जिला भिंड (मध्य प्रदेश) हाल करधनी जयपुर और 25 वर्षीय परविन्द्र सिंह कच्छावा निवासी मकराना जिला नागौर हाल करधनी जयपुर को गिरफ्तार कर उनके पास से एक देसी पिस्टल,तीन जिंदा कारतूस सहित एक अतिरिक्त मैगजीन जब्त की है। पुलिस आरोपियों से अवैध हथियार की खरीद-फरोख्त के बारे में पूछताछ कर रही है।

## विद्युत उत्पादन निगम में कनिष्ठ अभियन्ता और कनिष्ठ रसायनज्ञ की अन्तिम चयन सूची जारी

**जयपुर।** राजस्थान राज्य विद्युत उत्पादन निगम में कनिष्ठ अभियन्ता-प्रथम (मैकेनिकल) के 24 पदों, कनिष्ठ अभियन्ता-प्रथम (फायर एण्ड सेफ्टी) के 2 पदों और कनिष्ठ रसायनज्ञ के 5 पदों पर नियुक्ति हेतु पात्र अभ्यर्थियों की अंतिम चयन सूची जारी कर दी गई है।

उल्लेखनीय है कि राज्य के विद्युत निगमों में सीधी भर्ती प्रक्रिया के प्रथम चरण में अभियन्ता संवर्ग के पदों के लिए ऑनलाइन प्रतियोगी परीक्षा 11 और 12 अप्रेल को राजस्थान के विभिन्न जिलों के परीक्षा केन्द्रों पर आयोजित की गई थी। तत्पश्चात् 19 अप्रैल को ऑनलाइन प्रतियोगी परीक्षा का परिणाम जारी कर कुल रिक्तियों के लगभग 2 गुणा अभ्यर्थियों को 26 से 29 अप्रैल तक दस्तावेजों के सत्यापन हेतु बुलाया गया था। आज 8 मई को कनिष्ठ अभियंता-प्रथम (मैकेनिकल/फायर एण्ड सेफ्टी) तथा कनिष्ठ रसायनज्ञ के पदों के लिए अंतिम परिणाम जारी करते हुए सफल अभ्यर्थियों की चयन सूची निगम की वेबसाईट पर अपलोड कर दी गयी है। समस्त अभ्यर्थी अपने प्राप्तांक वेबसाईट पर उपलब्ध लिंक से देख सकते है तथा इस संबंध में सभी चयनित अभ्यर्थियों को एसएमएस एवं ई-मेल पर भी सूचना दी गयी है।

## चिकित्सा विभाग के सभी कार्मिकों के अवकाश निरस्त

**जयपुर।** चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग ने आपदा प्रबंधन के दृष्टिगत सभी चिकित्सकों एवं पैरा मेडिकल स्टाफ के अवकाश आगामी आदेशों तक निरस्त कर दिए हैं। साथ ही, राज्य स्तरीय कंट्रोल रूम में अधिकारियों की ड्यूटी लगाकर सभी आवश्यक इंतजाम सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की प्रमुख शासन सचिव गायत्री राठौड़ ने बताया कि सीमावर्ती एवं अन्य क्षेत्रों में आपदा प्रबंधन की दृष्टि से विभाग ने एहतियान कदम उठाते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए हैं। इसके तहत विभाग में कार्यरत समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों के अवकाश तत्काल प्रभाव से निरस्त किए गए हैं। राठौड़ ने बताया कि आपदा प्रबंधन के दृष्टिगत राज्य स्तर पर चिकित्सा एवं स्वास्थ्य निदेशालय में स्थापित कंट्रोल रूम (0141-2225624) में सुचारू व्यवस्था हेतु 8 अधिकारियों एवं कार्मिकों को नियोजित किया गया है। ये सभी अधिकारी बीकानेर एवं जोधपुर संभाग के समस्त मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारियों के साथ समन्वय स्थापित करते हुए चिकित्सा संस्थानों में मानव संसाधन, ब्लड, दवा, जांच, उपकरण, ओटी, आईसीयू, एम्बुलेंस सहित अन्य संसाधनों की समुचित उपलब्धता एवं संचालन सुनिश्चित करेंगे।

## विधायक पटेल का प्रकरण सदाचार समिति को निर्दिष्ट : देवनानी

**जयपुर।** विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने बागीदौरा क्षेत्र से विधायक जय कृष्ण पटेल के प्रकरण को राजस्थान विधान सभा की गरिमा को प्रश्नगत करने वाले आचरण की जांच के लिए राजस्थान विधानसभा की सदाचार समिति को निर्दिष्ट किया है।

देवनानी ने कहा है कि राजस्थान के भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के महानिदेशक ने विधानसभा को सूचित किया है कि विधानसभा में लगाए गए प्रश्न को हटाने की एवज में विधायक पटेल द्वारा रिश्वत मांग किए जाने की पुष्टि होने एवं रिश्वत राशि के बीस लाख रुपए प्राप्त करते हुए रंगे हाथों पकड़े जाने के कारण धारा 7,12 भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 (यथा संशोधित 2018) व 61(2), 238 बीएनएस-2023 में नियमानुसार गिरफ्तार किया गया है।

देवनानी ने कहा कि इस मामले की गंभीरता को देखते हुए राजस्थान विधानसभा प्रक्रिया नियम 253 खा, खा के तहत संबंधित शिकायत की जांच हेतु प्रकरण को विधानसभा की सदाचार समिति को निर्दिष्ट किया गया है।

## 'महिला को नहीं किया जा सकता पदोन्नति से वंचित'

**जयपुर।** हाईकोर्ट ने कहा कि यह बड़े दुख की बात है कि आज भी समाज में लैंगिक पूर्वाग्रह व्याप्त है। महिलाओं और लड़कियों के साथ कई तरीकों से भेदभाव हो रहा है। जबकि यह दुनिया एक समान हैं, जहां सभी के साथ समान व्यवहार होना चाहिए। इसके साथ ही अदालत ने राज्य सरकार को कहा कि वह महिलाओं के साथ भेदभावपूर्ण व्यवहार को बढ़ावा देने वाले प्रावधानों को दूर करने के लिए नीतिगत निर्णय लेकर कार्रवाई करे। वहीं अदालत ने याचिकाकर्ता को प्रिंसिपल पद पर उस दिन से पदोन्नत करने को कहा है।

## आईआरएस के 11 ठिकानों पर सर्च ऑपरेशन

**जयपुर।** ऑपरेशन सिंदूर के चलते जारी हाई अलर्ट के बीच केंद्रीय जांच ब्यूरो ( सीबीआई ) ने गुरुवार को भारतीय राजस्व सेवा के वरिष्ठ अधिकारी संतोष करनानी और उनकी पत्नी आरती करनानी के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति के मामले में सर्च अभियान चलाया। जांच एजेंसी ने जयपुर, अहमदाबाद और गांधीनगर में स्थित 11 ठिकानों पर एक साथ तलाशी अभियान चलाया।

सीबीआई की प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि 2005 बैच के आईआरएस अधिकारी संतोष करनानी की घोषित आय और उनके पास मौजूद संपत्तियों में बड़ा अंतर पाया गया है। आरोप है कि उन्होंने सरकारी सेवा के दौरान अपनी वैध आय से कहीं अधिक संपत्ति अर्जित की। इस मामले में उनकी पत्नी आरती करनानी को भी सह-आरोपी बनाया गया है और एफआईआर में उनका नाम भी शामिल है। सीबीआई की टीमों ने एक साथ कई ठिकानों पर दबिश दी। आरोपी के घर, ऑफिस, निवेश केंद्र और अन्य निजी परिसरों की तलाशी ली गई।

## इंटरलॉकिंग टाईल लगाने का काम शुरू

**जयपुर।** सिविल लाइन विधानसभा के वार्ड 36 मे विधायक गोपाल शर्मा ने वार्ड 36 के सुंदर पथ (क्रिस्टल मॉल के बगल वाली गली) बड़ोदिया बस्ती में इंटरलॉकिंग टाईल लगवाने के कार्य का शुभारंभ हुआ।

इस कार्यक्रम में पूर्व शहर मंत्री राजू माथुर, मंडल अध्यक्ष राजकुमार शर्मा, पार्षद मंजू राकेश बागड़ा, वार्ड संयोजक दशरथ सिंह बानूड़ा, रामरतन प्रधान, अमित शर्मा, अभिषेक सोनी, महेश यादव, अनिता शर्मा, कौशल्या चौधरी, नीलम अग्रवाल, कोमल मेंठवानी, आशीष बागड़ा, राकेश खांडल, अध्यक्ष गोपेश्वर सेवा समिति प्रेम नारायण यादव, कन्हैया यादव राजकुमार गोयल, वार्ड 38 पार्षद हेमेंद्र शर्मा, युवराज शर्मा उपस्थित रहे।

# प्रेम जाल में फंसाकर युवती से दुष्कर्म

## मारपीट करने के साथ युवती को दी जान से मारने की धमकी

**जयपुर।** मालवीय नगर थाना इलाके में लव जिहाद का मामला सामने आया है। दूसरे समुदाय ने युवक ने एक युवती को पहले अपने प्रेम जाल में फंसाया और फिर शादी का झांसा देकर उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए। आरोपी युवती के साथ मारपीट करने के साथ लगातार जान से मारने की धमकी दे रहा है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच पड़ताल में जुटी है। एसीपी मालवीय नगर आदित्य पूनिया के अनुसार मंडा सीकर निवासी 21 वर्षीय युवती ने मामला दर्ज करवाया कि वह जयपुर में किराए से रहकर प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रही है। यासीर खान ने उसे अपने प्रेम जाल में फंसा लिया और फिर शादी का झांसा देकर आरोपी ने उसके साथ दुष्कर्म किया। आरोपी ने पूर्व में युवती को अलग नाम बताया था। आरोपी ने युवती के साथ मारपीट करने के साथ उसे जान से मारने की धमकी देना शुरू कर दिया। इस पर युवती ने जब पता किया तो आरोपी दूसरे समुदाय का निकला। इस पर पीडिता थाने पहुंच कर मामला दर्ज करवाया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

## कोर्ट परिसर में बदमाश ने युवक को पीटा

**जयपुर।** सदर थाना इलाके में पेशी के दौरान पुलिस के सामने ही सेशन कोर्ट परिसर में बदमाश ने एक युवक के साथ मारपीट की और उसे जान से मारने की धमकी दी।

पुलिस के अनुसार पडासौली बस्सी निवासी युगल किशोर मीणा ने मामला दर्ज करवाया कि उसने भवानी सिंह के खिलाफ मामला दर्ज करवाया था ।

इस मामले में गिरफ्तार भवानी सिंह को पुलिस सेशन कोर्ट में पेश करने के लिए लेकर आई थी। पेशी के दौरान आरोपी ने पुलिस की मौजूदगी में ही उसके साथ मारपीट की और उसे जान से मारने की धमकी दी। पीड़ित ने आरोपी के खिलाफ पूर्व में बस्सी थाने में मुकदमा नम्बर 251/2025 दर्ज करवाया था।

आरोपी ने धमकी दी कि अगर उसने मुकदमा वापस नहीं लिया तो वह उसके परिवार को बर्बाद कर देगा और उसे जान से मार देगा। इस पर पीड़ित ने इस पूरे घटनाक्रम को लेकर सदर थाने में मामला दर्ज करवाया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मामले की जांच एसीपी सदर धर्मवीर सिंह को सौंपी गई है।

## तीन शातिर मोबाईल स्नैचर चोर गिरफ्तार

खोह नागोरियान थाना पुलिस ने मोबाइल स्नैचिंग की वारदात करने वाले तीन बदमाशों को गिरफ्तार किया है।

**जयपुर।** खोह नागोरियान थाना पुलिस ने कर्रवाई करते हुए मोबाइल स्नैचिंग की वारदात करने वाले तीन बदमाशों को गिरफ्तार किया है साथ ही पुलिस ने चार स्मार्टफोन और दो कीपैड मोबाइल बरामद किए गए हैं। फिलहाल आरोपियों से पूछताछ की जा रही है।

पुलिस उपायुक्त जयपुर पूर्व तेजस्वनी गौतम ने बताया कि खोह नागोरियान थाना पुलिस ने कर्रवाई करते हुए मोबाइल स्नैचिंग की वारदात करने वाले रुघुनन्दन कोली निवासी बैराण्डा जिला सवाईमाधोपुर हाल मुहाना जयपुर,शाहिद कुरैशी निवासी जलेसर रोड जिला हाथरस (उतरप्रदेश ) हाल खोह नागोरियान और फेजान कुरैशी निवासी निदौली जिला एटा (उतरप्रदेश) को गिरफ्तार कर चार स्मार्टफोन और दो कीपैड मोबाइल जब्त किए हैं। पुलिस पुछताछ में और भी कई वारदातें खुलने की आशंका जताई जा रही है।

## राष्ट्रीय सहकार मसाला मेला आज से

**जयपुर।** सहकारिता विभाग एवं राजस्थान राज्य सहकारी उपभोक्ता संघ के संयुक्त तत्वावधान में 10 दिवसीय राष्ट्रीय सहकार मसाला मेला-2025 का आयोजन 9 से 18 मई तक जवाहर कला केन्द्र के दक्षिण परिसर में किया जाएगा।

मेले का उद्‌घाटन शुक्रवार सायं मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के कर-कमलों से होगा। सहकारिता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गौतम कुमार दक सहित अन्य विशिष्टजन इस अवसर पर उपस्थित रहेंगे।

सहकारिता विभाग की प्रमुख शासन सचिव एवं रजिस्ट्रार, सहकारी समितियां मंजू राजपाल ने बताया कि सहकारिता क्षेत्र में राजस्थान देश का एकमात्र ऐसा प्रदेश है, जो वर्ष 2003 से सहकार मसाला मेले का आयोजन करते हुए उपभोक्ताओं को शुद्ध मसाले व अन्य उत्पाद उपलब्ध कराने की पहल करता आ रहा है।

## संविदाकर्मियों को वेतन नहीं देने पर जवाब मांगा

**जयपुर।** राजस्थान हाईकोर्ट ने सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में क्लर्क, हेल्पर, रेडियोग्राफर, फार्मासिस्ट और सफाईकर्मी के पद पर कार्यरत संविदार्मियों को एक साल से मासिक वेतन नहीं देने पर राज्य सरकार से जवाब मांगा है। वहीं अदालत ने चिकित्सा निदेशक को कहा है कि वह शपथ पत्र पेश कर बकाया वेतन नहीं देने का कारण बताए। इसके साथ ही अदालत ने मामले की सुनवाई 14 मई को रखते हुए विभाग को कहा है कि वह याचिकाकर्ताओं के बकाया वेतन का भुगतान करे।

# इस साल आत्महत्या करने वाले विद्यार्थियों की जानकारी मांगी

**जयपुर।** राजस्थान हाईकोर्ट ने राज्य सरकार से कहा है कि वह 14 मई तक इस साल आत्महत्या करने वाले विद्यार्थियों की जानकारी अदालत में पेश करे। वहीं अदालत ने कहा कि आगामी सुनवाई पर कानून बनने तक गाइड लाइन को लागू करने पर विचार किया जाएगा। सीजे एमएम श्रीवास्तव और जस्टिस मुकेश राजपुरोहित की खंडपीठ ने यह आदेश कोचिंग सेंटर के विद्यार्थियों की ओर से आत्महत्या करने के मामले में लिए स्वप्रेरित प्रसंज्ञान पर सुनवाई करते हुए दिए। सुनवाई के दौरान न्यायमित्र सुधीर गुप्ता ने ने कहा कि कोचिंग सेंटरों के विद्यार्थियों की ओर से आत्महत्या करने का सिलसिला चल रहा है। इस साल अब तक 14 विद्यार्थियों की मौत की जानकारी मिल रही है। इस पर केन्द्र सरकार ने कहा कि इस संख्या का सत्यापन करने की आवश्यकता है। वहीं राज्य सरकार की ओर से महाधिवक्ता राजेन्द्र प्रसाद ने कहा कि मामले में कानून लाने की प्रक्रिया चल रही है। ऐसे में मामले की सुनवाई टाली जाए। दूसरी ओर कोचिंग सेंटरों की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता पारस कुहाड ने कहा कि कानून बनने की प्रक्रिया लंबित होने के कारण अदालत को इसमें दखल नहीं देनी चाहिए। इसके अलावा केन्द्र सरकार की ओर से एएसजी राजदीपक रस्तोगी ने कहा कि केन्द्र सरकार ने कोचिंग सेंटरों के लिए 16 जनवरी, 2014 को गाइड लाइन जारी की जा चुकी है और उसे राज्य सरकार अपनाने का निर्णय भी कर चुकी है। जिस पर सुनवाई करते हुए खंडपीठ ने इस साल आत्महत्या करने वाले विद्यार्थियों की जानकारी पेश करने को कहा है।

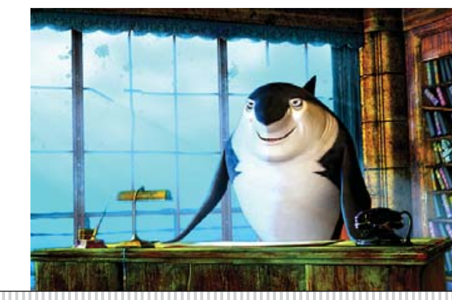

## Fintastic Friday: Celebrating Sharks, Skates, and Rays

Observed annually on the second Friday of May, Fintastic Friday, falling on May 9, 2025, is a global initiative dedicated to raising awareness about elasmobranchs: sharks, skates, and rays. Established in 2011 by WhaleTimes, this day aims to shift public perception of these often misunderstood marine creatures from fear to appreciation. Fintastic Friday encourages participation through educational activities, art projects, and conservation pledges. By engaging communities worldwide, Fintastic Friday fosters a deeper understanding of the crucial role these species play in maintaining oceanic ecosystems.



#MINDFULNESS

# Walking Yoga Finds its Footing in Everyday Wellness

A gentle practice that combines mindful movement with deep breathing to promote calm and clarity.

In today's fast-paced world, where stress walks hand-in-hand with our daily routines, a new wellness trend is inviting people to slow down, one mindful step at a time. Meet Walking Yoga, a gentle yet powerful practice that blends the calm of yoga with the natural rhythm of walking. While traditional yoga focuses on static postures and breathing, walking yoga introduces motion into mindfulness. Think of it as meditation in motion. Originating from ancient Buddhist practices and gaining popularity through modern wellness circles, walking yoga is now being embraced by urbanites, nature-lovers, office-goers, and even seniors as an easy entry point into the world of holistic healing.

### What is Walking Yoga?

Walking yoga is exactly what it sounds like: walking slowly and mindfully while focusing on your breath, body sensations, and surroundings. Unlike a brisk morning walk or power stroll, walking yoga encourages slowness. Each step is taken with awareness. Every breath is intentional. And your attention gently shifts inwards, just like it would during a seated meditation or yoga flow. There are usually no mats or studios involved. All you need is a quiet park, a garden path, or even a hallway. You stand still, breathe deeply, and begin walking slowly, heel to toe, synchronising your steps with your breath. Some practitioners chant or repeat mantras. Others focus purely on the sensations of their feet touching the earth.

### Benefits Beyond the Physical

While the physical benefits of walking, improved circulation, joint mobility, and endurance, are well-documented, walking yoga brings additional layers of wellness to the table.

"Walking yoga grounds you," says Dr. Meenal Khanna, a Jaipur-based yoga therapist. "It helps reduce anxiety, improve focus, and brings a deep sense of calm. For many of my students who find traditional yoga intimidating or too static, walking yoga is a beautiful alternative." It's also an inclusive practice. People with limited mobility, chronic pain, or mental health conditions often find walking yoga more accessible. There's no pressure to perform, no competition, just connection.

### The Perfect Blend of Nature and Mindfulness

One of the most appealing aspects of walking yoga is its connection to the outdoors. Practising in nature amplifies its calming effects. Whether it's the sound of birds, the scent of flowers, or the feel of grass under your feet, every natural element enhances the experience.

Many walking yoga groups have begun forming in parks and gardens across India. Early mornings at Jaipur's Central Park or Delhi's Lodhi Gardens now host silent, barefoot walkers practising walking yoga in synchrony, almost like a moving meditation flash mob.

### Getting Started

You don't need fancy gear or an instructor to begin. Simply pick a safe, quiet spot, ditch distractions (yes, even the smartwatch), and start slow. Inhale as you step forward, exhale as you continue. Notice your breath, your posture, and your thoughts, without judgment. For those craving calm in chaos, walking yoga offers the perfect antidote: a chance to pause, reflect, and reconnect by mindful step.

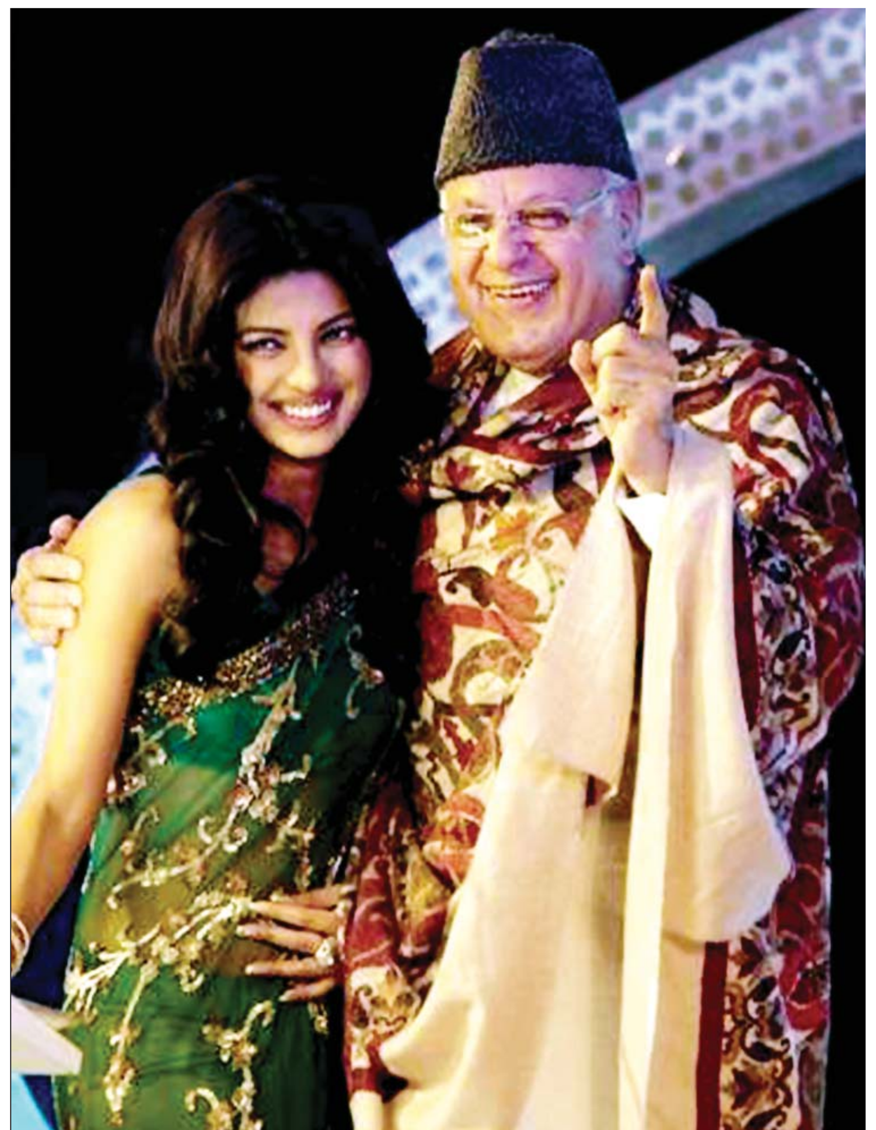

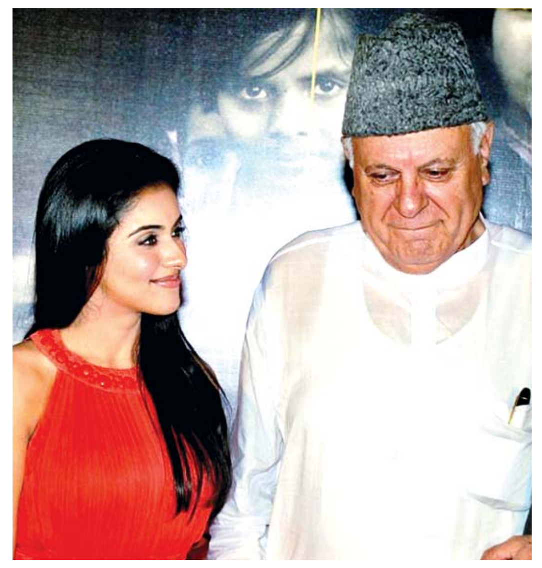

# The 'Disco Chief Minister' Didn't Give a Damn

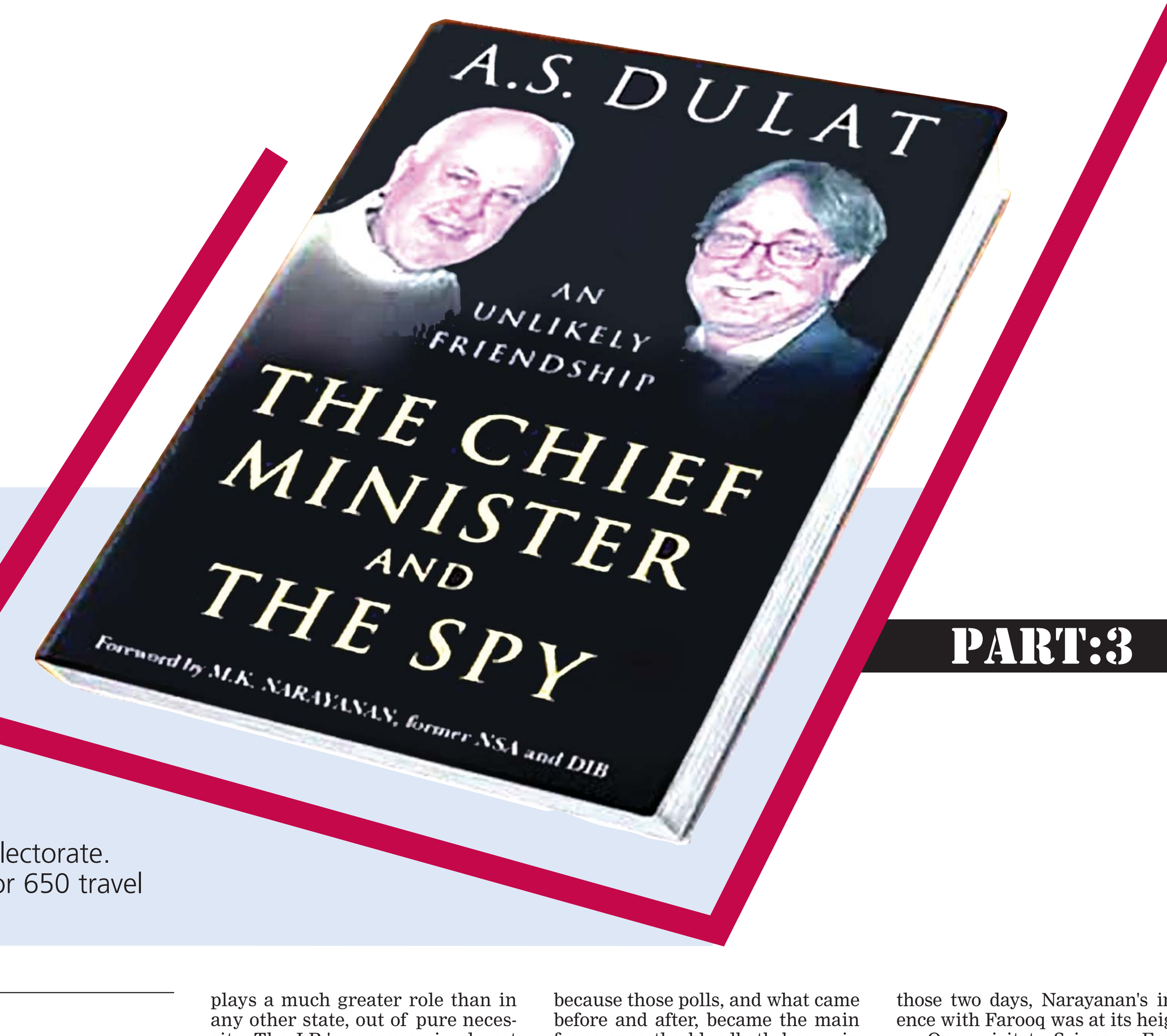


PART:3

'Stop and Style' in its 16 March 1984 issue in the column 'Frankly Speaking,' by the late Devyani Chaubal, described him thus: "Farooq Abdullah, chief minister of Jammu and Kashmir, stretched out on the sofa of the Rajput suite at the Taj Hotel, discussed outdoor shootings in Kashmir, Rajesh-Dimple impending divorce, filmfare awards and wondered why there were no awards for Chief Minister. Then, he discussed women, the 'difficult' ones, those who are difficult for nine days, to finally give in on the tenth day etc. And all this after he had spent his only night with Godly Anand till 2 a.m." Another example was the March 1984 issue of the Onlooker, which showed Farooq sitting cosily with actor Dev Anand and three starlets. The photograph was reprinted without explanation, by a local newspaper. This kind of sensationalism did Farooq no good in the eyes of his electorate. When he began dancing with the television personality Hasina Akhtar, at a dinner for 650 travel agents at his official residence, it did not help either.

#A.S. DULAT

Rajesh Sharma

**(The text is based on the conversations with A. S. Dulat)**

On 28 June 1989, according to Dulat's version; as he remembers, Farooq exactly said this to party workers during a meeting at Lal Chowk:

"If you have in mind someone who ends up in jail, you can count me out. I am the last person to like being jailed. I like to play golf. What am I going to do in jail? You may suggest that I read books to while away the time, but I would not like to do that because reading puts pressure on my eyes."

It was typically irreverent, but it was typically Farooq. He was clear about the fact he didn't want to be anything like his father, Sheikh Abdullah. How could he? He wanted, quite naturally, to be his own person. To paraphrase the great Frank Sinatra, Farooq has always done it his way. Not for him the constant swimming against the current. He would do what it took, to succeed in his political goals, even if it meant indulging in some harmless theatrics in order to play to Kashmir's delighted galleries.

Those were days of Farooq being known as the 'disco chief minister.' His critics were quick to portray him as a 'playboy masquerading as a chief minister.' Farooq, in his characteristic way, didn't give a damn. He seemed, on the other hand, to mischievously revel in it. Unlike other politicians, he had never hidden that part of himself.

Farooq himself is used to public scrutiny. The first rule for a First Family is to understand this: the public scrutiny of how you walk, live, talk and dress will happen every day.

And so, like the Kennedys (Jackie's style), the Thatchers (Dennis's drinking), and the Gandhis (Sonia's Italian connections), it must be endured.

The second rule, therefore, follows: zip your mouth, seal your lips and be tolerant of the inquisitives and the jealous... he told Dulat, in his inimitable style.

'Stop and Style' in its 16 March 1984 issue in the column 'Frankly Speaking,' by the late Devyani Chaubal, described him thus: "Farooq Abdullah, chief minister of Jammu and Kashmir, stretched out on the sofa of the Rajput suite at the Taj Hotel, discussed outdoor shootings in Kashmir, Rajesh-Dimple impending divorce, filmfare awards and wondered why there were no awards for Chief Minister. Then, he discussed women, the 'difficult' ones, those who are difficult for nine days, to finally give in on the tenth day, etc.

And all this after he had spent his only night with Godly Anand till 2 a.m."

Another example was the March 1984 issue of the Onlooker, which showed Farooq sitting cosily with actor Dev Anand and three starlets. The photograph was reprinted without explanation, by a local newspaper. This kind of sensationalism did Farooq no good in the eyes of his electorate. When he began dancing with the television personality Hasina Akhtar, at a dinner for 650 travel agents at his official residence, it did not help either.

Farooq with Mrs. Narayanan.

Mollie with Ammu, M.K. Narayanan's wife.

> When she met Farooq, she jokingly remarked that though she had been on many motorcycles, she never had yet ridden pillion behind a chief minister. Naturally, that was enough for Farooq. His instinctive charm asserted itself.

The most racy incident relates to film actress Shabana Azmi. Farooq had gone up to Gulmarg on his motorcycle, here again, the bike was a point of raised eyebrows.

Chief Ministers in Jammu do not customarily zip around on bikes. Ostensibly, Farooq had gone to do a flying check on local administration. It was one of his quirks, he liked to carry out these checks randomly, for he felt that if he followed protocols and let an entire chain of authority, from the deputy commissioner to the superintendent of police onwards, know that he was coming, he would never really know the truth of how things were being done in his state. Farooq's random check led him to the swanky Highland Park Hotel for tea.

Since the hotel belonged to his uncle, having tea there was nothing unusual.

But while he was there, he ran into V.V. Purie, Arun Purie's father, and Shabana Azmi who was shooting for a film in Gulmarg.

When she met Farooq, she jokingly remarked that though she had been on many motorcycles, she never had yet ridden pillion behind a chief minister. Naturally, that was enough for Farooq. His instinctive charm asserted itself.

"It is the chief minister's duty to serve the people," he remarked, telling her that he'd be glad to give her a ride. And so off they went to the Golf Club. Purie took a photograph of the two, but though he told Farooq it was for his personal collection, that photograph soon appeared in India Today.

Farooq's detractors were livid. From there, it was a short step to real viciousness??

Dilshad Shaikh, the widow of his dearest friend Javed and the sister of film actor Feroz and Sanjay Khan, has been a good friend of Farooq and remembers him endearingly today.

She says that he is a darling of a man, a gem of a human being. Clearly to her, all of Kashmir has nothing but love for him. In Charlie Chaplin's words, you need power only when you want to do something harmful. Otherwise, love is enough to get it done.

Incidentally, Dilshad loved Farooq but was never in love with him. According to Dulat, Farooq, in those days of 'cinema-style' chief ministership, didn't feel he needed to justify his style. He was determined to play as hard as he worked, that joie de vivre was one inherent trait of his personality.

> Kashmir's relationship with Delhi is best defined by the presence of an I.B. in the state. Sheikh Abdullah raged against its presence, futilely insisting that it pack its bag and close down its desk. But Farooq began close to work with the I.B.

Dulat says in his book, on 'his subject,' "I was never an I.B. man as Srinagar, a straitlaced, suited-booted Dilliwala. Farooq seemed to enjoy my laid back attitude to life, and the fact is I honestly did enjoy having a good time myself. I was never averse to having a drink or dinner or even, as poor Farooq sometimes asked me to, impulsively hop on board a helicopter into rural Kashmir to accompany him on the campaign trail."

The rule point is that for over a period of time, since his 'disco chief-minister' days, Farooq did sober down, but slowly and very little at a time.

Despite his occasionally brow-raising behaviour, he was likeable, open and fresh, but could he be the shrewd political class master that Kashmir required?

As Thakur Baldev Singh, then the president of the Bharatiya Janata Party (BJP) and an MLA from Himachal put it, "Experience is a good school, but the fee is very, very heavy." In Kashmir, the I.B. plays a much greater role than in any other state, out of pure necessity. The I.B.'s presence is almost all pervasive, and every Kashmiri citizen and leader knows they have 29, Gupkar Road (the station chief's office plus residence) to contend with in all spheres of life. But over the years, I.B. chiefs have been too strait laced. As a result, Delhi has seen many things only in black and white. According to Dulat, this approach doesn't work in difficult areas like the Northeast, Punjab or Kashmir. Kashmir, in particular, is mostly a grey area, a state constantly in need of empathy, compassion and compromise. For example, even today, it is not understood why Kashmiri leaders talk different language in Kashmir and a different language in Delhi.

Indeed, Kashmir's relationship with Delhi is best defined by the presence of an I.B. in the state. Sheikh Abdullah raged against its presence, futilely insisting that it pack its bag and close down its desk.

But Farooq, from the beginning, began close to work with the I.B. and even had excellent and warm relationship with I.B. people in Srinagar.

As described by Dulat during his earlier days in Srinagar, 1987, he spent most of his day for fresh briefings from K.P., the station chief in- charge of I.B. in Srinagar and Dulat's entertainment was looked after by K.P. Singh's younger colleague Praveen Mahindroo and his charming wife Nisha, who fed Dulat 'most delicious Kashmiri food.'

K.P. urged Dulat on the Kashmir he had lived in, while describing the who's who in the state and telling anecdotes of who really mattered in Srinagar.

K.P. was full of praise for Farooq.

And Mahindroo was even more taken by him. Mahindroo's wife was a great golfer, and during a game, she had been hit over her eye by an errant ball. Almost as soon as he heard of the accident, Farooq visited her to find out how she was, a mark of his solicitude for those whom he knew. Nisha was fine, but was touched by the chief minister's visit.

Remarkably, neither K.P. nor Mahindroo uttered a word on the so called rigging of the 1987 elections. The word 'remarkably' is used because those polls, and what came before and after, became the main focus once the bloodbath began in Kashmir.

It was such a sensitive topic but emboldened by the I.B. offices' 'goodwill,' Farook shrieked when a reporter asked him about rigging.

"Rigged election, my foot! All of you make 1987 election to be the turning point. It is India which is responsible for what has happened to Kashmir and not Farooq Abdullah."

The doyen of intelligence agencies in India, M.K. Narayanan who also had served as the I.B. and RAW chief, also had a warm and intimate relationship with Farooq Abdullah.

M.K. Narayanan was not a Kashmir expert by any stretch of imagination, but Farooq's relationship with Narayanan grew with passage of time.

Narayanan, a teetotaller and vegetarian, was a complete workaholic, and as I.B. chief, Farooq encouraged him to visit the Valley more often than any other director.

In fact, Narayanan took a two-day break in Pahalgam. Dulat writes, "Ask anyone of Dulat's vantage and they will tell you that for a workaholic like Narayanan to even dream of taking a break anywhere, two days or any other amount, is really...short of unthinkable." But those two days, Narayanan's influence with Farooq was at its height.

On a visit to Srinagar, Farooq insisted that the I.B. chief travel in a four-star car, surprising Kashmiris who wondered who the Field Marshal in town was!

Yet another incident that illustrates this point is from winter of 1988.

Dulat received a message from I.B. headquarters in New Delhi, "Your chief hasn't been to Delhi for a while and the home minister (Buta Singh) wants to know why the chief minister is avoiding him."

Dulat went off to meet Farooq and in the course of conversation, Dulat said, "Buta Singh is remembering you."

It was a matter for great puzzlement.

"Who the hell is Buta Singh?" he snapped.

"Why should I meet him? When I go to Delhi and when I want to meet, the prime minister's son keeps waiting and I am told he doesn't have time for me. Why should I have time for your home minister?"

"Well, sir, the I.B. director would like to see you," Dulat recalls. "Then tell him I will be coming tomorrow," Farooq said immediately.

**To be continued...**

rajeshsharma1049@gmail.com

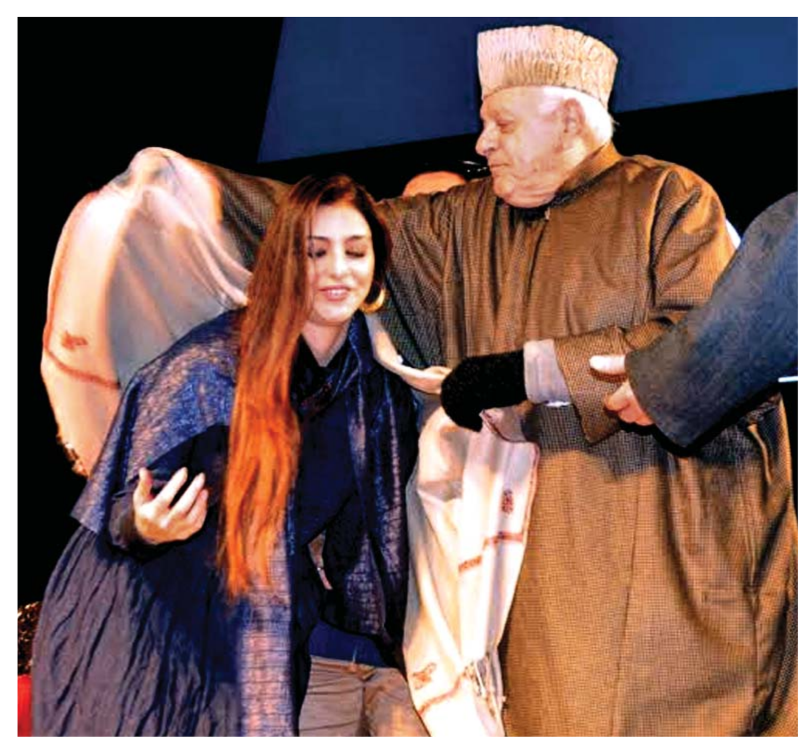

## THE WALL

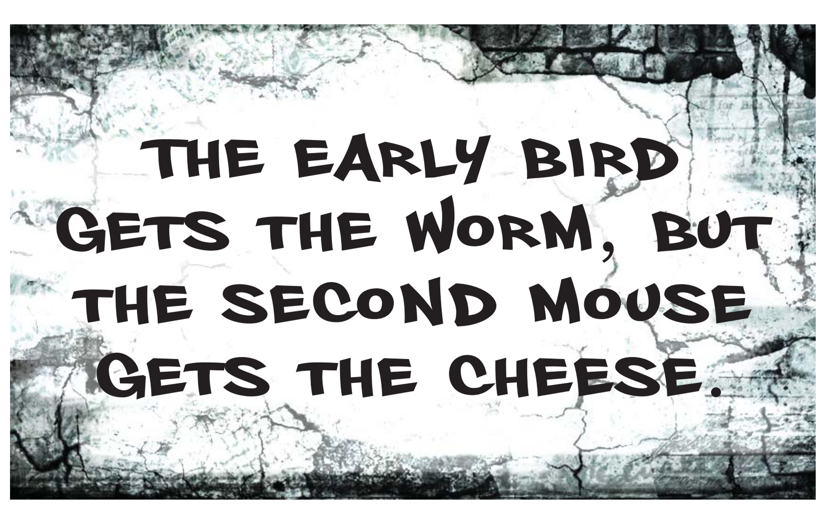


## BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

## ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

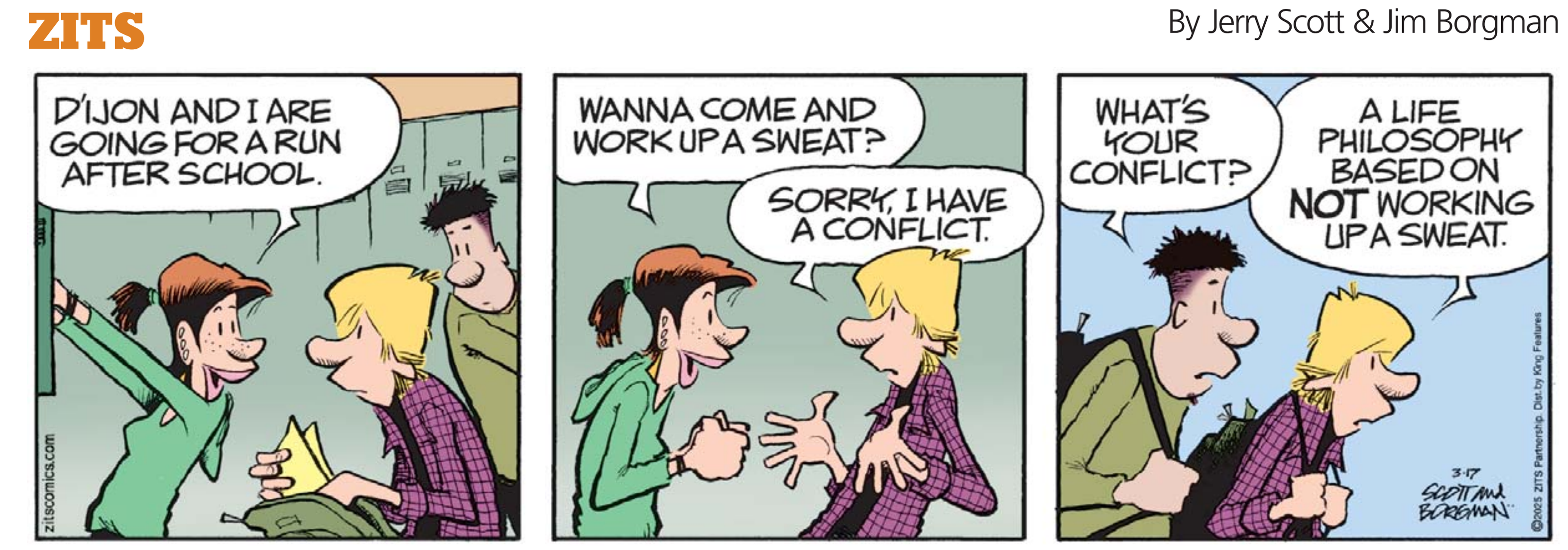

# ट्रैक्टर-ट्रॉली पलटने से दो बच्चियों सहित पांच की मौत, 18 जने घायल

## लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, सीएम भजनलाल शर्मा ने संवेदना जताई

**बूंदी,** (निसं)। स्टेट हाइवे-29 पर कंचन धाम आश्रम और खटकड़ के बीच एक ट्रैक्टर-ट्रॉली के अनियंत्रित होकर पलट जाने से गुरुवार को एक भीषण सड़क हादसा हो गया। इस दर्दनाक दुर्घटना में दो आठ वर्षीय बच्चीयों समेत पांच लोगों की जान चली गई, जबकि एक दर्जन से अधिक लोग घायल हो गए। इनमें गंभीर रूप से घायल दो महिलाओं को कोटा रैफर किया गया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, ट्रैक्टर-ट्रॉली में सवार महिला, पुरुष व बच्चे चौंतरा का खेड़ा से माटूंदा में आयोजित विवाह सम्मेलन में शामिल होने के लिए आ रहे थे। इसी दौरान कंचन धाम आश्रम से खटकड़ के बीच यह हादसा घटित हुआ। हादसा उस समय हुआ जब ट्रैक्टर चालक ने एक मोटरसाइकिल सवार को बचाने का प्रयास किया। इसी कोशिश में ट्रैक्टर-ट्रॉली अपना संतुलन खो बैठी और पलट गई। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। सभी घायलों को तत्काल एंबुलेंस से जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया गया है, जहां उनका उपचार किया जा रहा है।

एसपी राजेंद्र कुमार मीणा ने बताया कि पुलिस ने मौके पर पहुंचकर तत्काल रेस्क्यू चलाकर ट्रॉली के नीचे दबे लोगों को बाहर निकालकर 108 एंबुलेंस की मदद से अस्पताल पहुंचाया। एसपी ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। सभी शवों को

घायलों को उपचार के लिये अस्पताल में भर्ती करवाया।

मोर्चरी में रखवा दिया गया है। परिजन धनराज ने बताया कि माटुंदा गांव में आयोजित बैरवा समाज के सम्मेलन में चौंतरा का खेड़ा गांव की युवती का विवाह होना था, जिसके लिए सुबह ही ट्रैक्टर-ट्रॉली से सम्मेलन में आने के लिए रवाना हुए थे। घटना की सूचना मिलते ही संभागीय आयुक्त राजेन्द्र सिंह शेखावत, जिला कलेक्टर अक्षय गोदारा और पुलिस अधीक्षक राजेंद्र कुमार मीणा जिला चिकित्सालय पहुंचे और घायलों के स्वास्थ्य की जानकारी ली तथा उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। संभागीय आयुक्त ने हादसे के संबंध में जानकारी लेते हुए निर्देश दिए कि घायलों के उपचार में किसी तरह की लापरवाही नहीं हो। उन्होंने घायलों के इलाज को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए हैं। इस दौरान बूंदी विधायक हरिमोहन शर्मा एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.ओ.पी. सामर भी मौजूद रहे।

कार्यवाहक प्रमुख चिकित्सा अधिकारी डॉ. सुरेश ने बताया कि हादसे में किरण (8), ज्योति (35), शांति (55), कोमल (8), कृष्णा (20) की मौत हो गई। दुर्घटना में सीता बाई (60), नटी बाई (40), धींसी बाई (75), सूगर बाई (20), बीना (16), पिंकी (30), संजना (8), करिश्मा (12), जीतू (10), उर्मिला (30), शिवानी (9), इच्छा बाई, रोशन बाई, मायावती, मनभर और संतरा घायल हो गए, जिनका जिला चिकित्सालय में उपचार किया जा रहा है। इसके अलावा ज्योति और बजरंगी बाई को गंभीर घायल होने पर कोटा के लिए रैफर किया गया हैं।

कोटा-बून्दी लोकसभा क्षेत्र के खटकड़ गांव में हुए इस भीषण सड़क हादसे पर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने संवेदना प्रकट की है। जल्द ही घायल स्वस्थ हो मृतक परिवार को हर संभव सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। वहीं सीएम भजनलाल शर्मा ने लिखा कि बूंदी में भीषण सड़क दुर्घटना में जनहानि एवं कई नागरिकों के घायल होने का समाचार सुनकर मन दुखी है।

- ट्रैक्टर-ट्रॉली में सवार महिला, पुरुष व बच्चे चौंतरा का खेड़ा से माटूंदा में आयोजित विवाह सम्मेलन में शामिल होने के लिए आ रहे थे

जिला प्रशासन के अधिकारियों को घायलों का समुचित चिकित्सीय उपचार सुनिश्चित करने हेतु निर्देश दिए गए हैं। प्रभु श्रीराम से प्रार्थना है कि दिवंगत आत्माओं को अपने श्री चरणों में स्थान व घायलों को अति शीघ्र स्वास्थ्य लाभ प्रदान करें।

विधायक सी.एल. प्रेमी ने अस्पताल पहुंचकर घायलों की कुशलक्षेम जानी और घटना की जानकारी ली। इस मौके पर विधायक प्रेमी ने अस्पताल प्रशासन को घायलों के समुचित उपचार की व्यवस्था के निर्देश दिये। विधायक सी.एल. प्रेमी ने इस घटना पर गहरा दुख जताते हुए कहा कि इस घटना में सभी मृतक और घायल बैरवा समाज के लोग थे जिनकी आर्थिक स्थिति अत्यन्त कमजोर है। विधायक प्रेमी ने अस्पताल में संभागीय आयुक्त और बूंदी जिला कलेक्टर से वार्ता कर मृतकों के परिजनों को 50 लाख रुपये की आर्थिक सहायता और घायलों को कम से कम 10 लाख की आर्थिक सहायता देने की मांग की।

# वाहन की टक्कर से बाइक सवार की मौत, एक घायल

## दोनों युवक आरसीसी छत की शटरिंग का कार्य पूरा करके अपने गांव जा रहे थे

**निवाई,** (निसं)। ललवाडी चौराहे पर बुधवार की रात को अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए।

सूचना पर थानाधिकारी रामजीलाल बैरवा मय जाब्ते घटना स्थल पर पहुंचकर 108 एंबुलेंस से

- कारीगर-मजदूरों से उनके फोटो दिखा जानकारी ली

दोनों घायलों को निवाई उप जिला अस्पताल में भर्ती करवाया। दोनों घायलों की जेब से कोई भी शिनाख्ती कागज नहीं मिलने पर पुलिस को काफी मशक्कत करनी पड़ी। गुरुवार की सुबह एएसआई राजेंद्र सिंह ने सोशल मीडिया के माध्यम से मृतक में घायल की पहचान की। उपचार के दौरान एक युवक की मौज हो गई। पुलिस ने मृतक की शव को उप जिला अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया। गुरुवार की सुबह अहिंसा सर्किल पर

अज्ञात वाहन की टक्कर से घायल युवक।

चौहटी पर कार्य करने वाले कारीगर मजदूरों से उनके फोटो दिखाकर जानकारी जुटाई। मृतक की पहचान मनराज पुत्र जगदीश मीणा निवासी मंडालिया थाना बनेठा के रूप में हुई। वहीं घायल नेहनूलाल पुत्र लादूलाल बैरवा निवासी दोताना थाना पीपलू के रूप में हुई है। पुलिस ने घटना की सूचना परिजनों को दे दी। परिजनों के निवाई उप जिला अस्पताल पहुंचने पर चिकित्सकों द्वारा मृतक के शव का पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया। पुलिस मामले की जांच कर रही है। मृतक व घायल दोनों युवक आरसीसी छत की शेटरिंग का कार्य करते थे। काम को पूरा करके अपने गांव जा रहे थे।

# चाकसू में खाद्य सुरक्षा से 48 अपात्रों को नाम नहीं कटवाने पर नोटिस

**चाकसू,** (निसं)। प्रवर्तन अधिकारी गोरा मीना ने यहां खाळ के बालाजी मंदिर पर गिव-अप अभियान की समीक्षा के लिये चाकसू, कोटखावदा के राशन डीलर्स की एक मीटिंग ली।

मीटिंग में प्रवर्तन अधिकारी मीना ने जानकारी देते हुए बताया कि रसद विभाग ने चाकसू उपखण्ड में 48 लोग जो खाद्य सुरक्षा में अपात्र हैं इन्होंने अब तक नाम नहीं कटवाये हैं। इस पर इन्हें नोटिस दिए गए हैं। वहीं अभियान की शुरुआत से लेकर आज तक यहां पर 8500 लोगों ने खाद्य सुरक्षा सूची में से स्वेच्छा से नाम हटवाये हैं। इसी तरह गुरुवार की मीटिंग में 350 लोगों ने नाम कटवाने के फार्म दिए हैं। प्रवर्तन अधिकारी मीना ने बताया कि जिन लोगों के पास व्यवसायिक कार्य को छोड़कर चौपहिया वाहन, 1 लाख की परिवार की वार्षिक आय, इनकम टैक्स देने वाले व सरकारी कर्मचारी खाद्य सुरक्षा सूची के लिये अपात्र है वो 31 मई तक आगे आकर उचित मूल्य दुकानदारों व ई-मित्र के माध्यम से गिव-अप अभियान के तहत अपने नाम कटवा सकते हैं। इसके बाद उन पर विभागीय कार्यवाही की जाएगी। वहीं मीटिंग में प्रवर्तन अधिकारी मीना ने राशन डीलर्स से आव्हान किया जिन लोगों ने खाद्य सुरक्षा 2022 व 2025 में नए आवेदन किये हैं उनमें कमियां रहने पर उन्हें वापस ई-मित्रों पर सेंड बेक कर दिए हैं। अत: उन कमियों को ई-मित्र पर देखकर उनकी पूर्ति करवायें जिससे उन्हें खाद्य सुरक्षा योजना का लाभ मिल सके।

# नाथद्वारा में अवैध खनन पर बड़ी कार्रवाई, एलएनटी मशीनें जब्त

राजसमंद में प्रशासन ने अभियान के तहत पोकलेन मशीन जब्त की।

**राजसमंद,**(निसं)। जिला प्रशासन राजसमंद द्वारा अवैध खनन और पहाड़ों की कटाई के खिलाफ सख्त रुख अपनाया जा रहा है। जिला कलेक्टर बालमुकुंद असावा के निर्देशों के बाद नाथद्वारा उपखंड में त्वरित कार्रवाई करते हुए अवैध खनन में लिप्त मशीनों को जब्त किया गया है। कलेक्टर ने अधिकारियों को अवैध खनन की सूचना पर तत्काल और प्रभावी कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं।

नाथद्वारा उपखंड अधिकारी रक्षा पारीक ने बताया कि बीती रात सूचना मिली कि ग्राम मेरवतों की भागल में दो एलएनटी मशीनें और एक डंपर अवैध खनन कर रहे हैं। सूचना मिलते ही नायब तहसीलदार खमनोर की टीम तुरंत मौके पर पहुंची। टीम ने नदी के अंदर एक एलएनटी मशीन को खनन कार्य करते हुए पाया, हालांकि ड्राइवर मौके से फरार हो गया। इसके बाद एलएनटी मशीन को खान विभाग के सुपुर्द कर दिया गया है। इसी क्रम में अवैध पहाड़ी कटाई की रोकथाम के लिए भी नाथद्वारा उपखंड अधिकारी के नेतृत्व में एक औचक निरीक्षण दल गठित किया गया। नायब तहसीलदार अशोक चतुर्वेदी और नायब तहसीलदार देलवाडा अरुण सिंह के साथ टीम ने ग्राम कोटड़ी का ढाणा में निरीक्षण किया। यहां एक एलएनटी मशीन बिना किसी स्वीकृति के अवैध रूप से पहाड़ पर खनन करते हुए पाई गई। इस मशीन को भी जब्त कर लिया गया और खान विभाग को सूचित कर दिया गया है। उपखंड अधिकारी ने खान विभाग को इस मामले में पेनल्टी लगाने के निर्देश दिए हैं।

# बाल विवाह रुकवाया, परिजनों को पाबंद किया

**कोटा,** (निसं)। कुन्हाड़ी इलाके में गुरूवार को एक 16 वर्षीय नाबालिग का बाल-विवाह होने जा रहा था, लेकिन बाल अधिकारिकता विभाग सहित अन्य टीमों ने समय पर मौके पर पहुंचकर बाल-विवाह को रूकवाया। साथ ही नाबालिग बालक के परिजनों को पाबंद कराया।

जिला बाल संरक्षण इकाई एवं बाल अधिकारिता विभाग के सहायक निदेशक रामराज मीणा ने बताया कि गुरूवार को बाल अधिकारिता विभाग, चाईल्ड हेल्पलाइन, सृष्टि सेवा समिति, जस्ट राइट फॉर चिल्ड्रन, तहसीलदार लाडपुरा एवं कुन्हाड़ी थाना पुलिस के संयुक्त तत्वाधान में कार्यवाही करते हुए 16 वर्षीय नाबालिग किशोर का बाल विवाह रुकवाया। संरक्षण अधिकारी दिनेश शर्मा ने बताया कि बालक की शादी बूंदी जिले केशोरायपाटन में आयोजित होने वाले केवट समाज के सामूहिक विवाह सम्मेलन में गुरूवार के दिन ही होनी थी परंतु सूचना के बाद टीम ने अविलंब पहुंचकर बालक के परिजनों को पाबंद करवाया। टीम जब बालक के घर पर पहुंची और बालक की उम्र संबंधी दस्तावेजों की मांग की गई तो उम्र को सत्यापित करे ऐसा कोई भी दस्तावेज बालक के घर पर प्राप्त नहीं हुआ। ऐसी स्थिति को देखते हुए टीम द्वारा बालक ने जिस विद्यालय से शिक्षा ग्रहण की है, उस विद्यालय में पहुंचकर वहां से बालक के प्रमाणित दस्तावेज को देखा, वह जांचा तो उक्त दस्तावेज में बालक की आयु 16 वर्ष पाई गई। जिसके बाद आगे की कार्यवाही हुई तथा प्रशासन की टीम ने बालक के परिजनों को पाबंद करते हुए हिदायत दी और समझाया कि 21 वर्ष से कम आयु के बालक की शादी करना गैरकानूनी है। बाल विवाह रुकवाने गई टीम में बाल अधिकारिता विभाग के संरक्षण अधिकारी दिनेश शर्मा, आउटरीच कर्मी संजय मेहरा, सृष्टि सेवा समिति से जिला समन्वयक भूपेंद्र सिंह, चाइल्ड हेल्पलाइन काउंसलर महिमा पांचाल, लाडपुरा तहसील से नायब तहसीलदार जनक लाल, कानूनगो योगेंद्र चौहान, पटवारी दिनेश, कुन्हाड़ी थाने से हेड कांस्टेबल देवेंद्र सिंह मय टीम उपस्थित रहे।

पाली : भारत-पाक सीमा पर चल रहे तनाव के बाद पाली पुलिस विभाग अलर्ट मोड पर है। इसी को लेकर गुरुवार को एसपी की मौजूदगी में पाली शहर में फ्लैग मार्च निकाला गया। एसपी चुनाराम जाट ने बताया कि भारत पाकिस्तान के बीच तनाव की स्थिति को बढ़ते देख पाली शहर में सुरक्षा को लेकर माकूल व्यवस्था की गई। इसी को लेकर शहर के एसपी ऑफिस से फ्लैग मार्च रवाना हुआ जो नवलखा रोड, प्यारा चौक, सोमनाथ मंदिर, धोला चौतरा, सूरजपोल होते हुए वापस एसपी ऑफिस जाकर संपन्न हुआ। इस दौरान एसपी चूनाराम जाट, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विपिन शर्मा, सीओ सिटी उषा यादव, कोतवाली थाना प्रभारी अनिल बिश्नोई सहित पुलिस के जवान मौजूद रहे।

# नाबालिग से दुष्कर्म के आरोपी को आजीवन कारावास

**भीलवाड़ा,** (निसं)। विशिष्ट न्यायाधीश पॉक्सो कोर्ट अधिनियम संख्या 1 ने 6 साल की नाबालिग बच्ची से दुष्कर्म के मामले में आरोपी युवक को आजीवन कारावास और 2 लाख 15000 रुपए जुर्माना से दंडित किया है।

विशिष्ट लोक अभियोजक धर्मवीर सिंह कानावत ने बताया कि मामला 2023 का है। कोतवाली थाना क्षेत्र में अपने परिवार के साथ झोपड़ी में सो रही एक साल की नाबालिग बच्ची को रात करीब ढाई बजे अज्ञात व्यक्ति उठाकर ले गया। झाड़ियां में ले जाकर दुष्कर्म करने के बाद चार बजे उसे छोड़कर वह व्यक्ति फरार हो गया। सवेरे जब बच्ची ने अपनी मां को घटना के बारे में जानकारी दी तो मामला थाने पहुंचा। इसके बाद पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज खंगालते हुए संदिग्ध युवक कृष्णा उर्फ

आरोपी युवक।

जीतू पुत्र वीरेंद्र सिंह राजपूत को डिटेन कर उससे गहनता से पूछताछ की तो उसने कबूल किया कि उसने घटना की रात अपने दोस्तों के साथ बैठकर शराब पार्टी की थी और उसके बाद अपने दोस्त को घर छोड़ने वह घटनास्थल के निकट गया। दोस्त को छोड़ने के बाद उसने दुष्कर्म की इस घटना को अंजाम दिया था। तत्कालीन डीएसपी नरेंद्र दायमा और उनकी टीम ने मामले में गहनता से जांच करते हुए आरोपी कृष्ण को गिरफ्तार कर न्यायालय में चार्जशीट पेश की। इसके बाद पॉक्सो कोर्ट संख्या एक न्यायाधीश बालकृष्ण मिश्र ने अभियोजन पक्ष द्वारा पेश 35 गवाह और 101 दस्तावेजों के आधार पर आरोप सिद्ध होने के बाद आरोपी युवक को आजीवन कारावास और 2 लाख 15000 के जुर्माने से दंडित किया है।

- पॉक्सो कोर्ट ने आरोपी को 2 लाख 15 हजार रुपए जुर्माना से दंडित किया है

## बाइक सवार को बचाने के चक्कर में तेल टैंकर पलटा

**उदयपुर,** (कासं)। उदयपुर से 28 किलोमीटर दूर बारापाल में उदयपुर-हमदाबाद नेशनल हाइवे पर गुरुवार सुबह साढे आठ बजे एक तेल टैंकर बेकाबू होकर पलट गया। इस हादसे में टैंकर चालक को मामूली खरोंच आई।

हादसा सिंधु ढाबा के पास हुआ, जहां एक बाइक सवार को बचाने के चक्कर में टैंकर बेकाबू हो गया। टैंकर से फैले तेल के कारण यातायात डेढ घंटे तक बाधित रहा। सूचना मिलते ही गोवर्धन विलास पुलिस सुबह नौ बजे मौके पर पहुंची। पुलिस ने तत्काल उदयपुर से खेरवाड़ा जाने वाले वाहनों को दूसरी लाइन पर डायवर्ट किया। उदयपुर से दो दमकल गाड़ियां बुलाई गईं जिन्होंने पानी की बौछारों से हाइवे पर फैले तेल को साफ किया। क्रेन की मदद से पलटे हुए टैंकर को हटाया गया और डेढ घंटे बाद यातायात सामान्य कर दिया गया। मौके पर पुलिस टीम में संजय मीणा, जितेंद्र, विक्रम और नरेंद्र मौजूद रहे।

# महिला की हत्या के मामले में पति व दो सौतेले पुत्र गिरफ्तार

## नया गांव जाटान में स्थित बंद खान के भरे में पानी में महिला का शव मिला था

**मालपुरा,** (निसं)। जिला पुलिस अधीक्षक विकास के निर्देशन में वृत्ताधिकारी मालपुरा आशीष प्रजापत एवं थानाधिकारी राजकुमार के नेतृत्व में गठित विशेष टीम द्वारा अज्ञात महिला के शव के मामले में ब्लाईंड मर्डर का खुलासा करते हुये हत्या व लूट की वारदात को अंजाम देने वाले मृतका के पति व उसके सौतेले दो पुत्रों को गिरफ्तार किया गया।

लाम्बाहरिसिंह थानाधिकारी राजकुमार ने बताया कि 18 अप्रैल को ग्राम नया गांव जाटान में स्थित पुरानी बंद पड़ी खान भरे में पानी में महिला के कपड़े तैरते मिले, जहां सूचना पर पहुंची थाना पुलिस ने कपड़ों की पोटली को खदान से बाहर निकालकर देखा तो कपड़ों की पोटली में एक महिला का शव मिला था, जिसके दोनों पैर कटे हुये तथा पोटली के अन्दर बंधे हुये थे। शव के साथ करीब 20 किलोग्राम का पत्थर बंधा हुआ था। लाश पुरानी होने से पानी से फूली हुयी थी। मौके पर पहचान नहीं होने पर

पुलिस ने महिला की हत्या के आरोपियों को गिरफ्तार किया।

शिनाख्तगी व वारिसों का पता लगाने के लिये महिला के शव को सुरक्षित मुर्दाघर में रखवाया गया एवं प्रकरण दर्ज कर अनुसंधान जारी किया गया।

घटना की गंभीरता को देखते हुये मृतका के शव की व घटनास्थल की फोटोग्राफी व वीडियोग्राफी की गयी। अज्ञात महिला की शिनाख्त हेतु व्हाट्सएप ग्रुपों, जीप नेट व सोशल मीडिया पर फोटोग्राफ व ईश्तेहार जारी करवाया गया। जांच के दौरान सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले गये, वहीं एफएसएल टीम व एमयूआई टीम से घटनास्थल का निरीक्षण करवाया जाकर साक्ष्य संकलित किये गये। मृतका के शव का पोस्टमार्टम मेडिकल बोर्ड से करवाकर 22 अप्रेल को मृतका का अंतिम संस्कार करवाया गया। वहीं गजानन्द से सम्पर्क कर अज्ञात मृतका के फोटोग्राफ दिखाये तो गजानन्द ने अपनी सोतेली मां धन्नी होना बताया, जिसको तलब कर दौरान पोस्टमार्टम मृतका के पार्चेजात, शरीर पर पहनी वस्तुएँ दिखायी, जिसने मृतका को अपनी सोतेली मां धन्नी पत्नी जोशी बावरी निवासी स्याह थाना पचेवर हाल सांधोलिया होना बताया, उसने बताया कि करीब पांच माह पूर्व सुखलाल बावरी निवासी कांटोली से नाता विवाह कर उसके साथ रहना एवं मृतका द्वारा जेवरात पहनना बताया। प्रकरण में सुखलाल, उसके पुत्र बद्रीलाल व राकेश को डिटेन किया जाकर पूछताछ करने पर सुखलाल ने धन्नी से नाता विवाह कर लाना व अनबन होने पर मृतका के गहनों को प्राप्त करने के लिये अपने दोनों पुत्र राकेश व बद्री लाल के साथ मिलकर योजना बनाकर धन्नी के दोनों पैर काटकर चांदी की कड़ियां व गहने निकाल कर हत्या कर साक्ष्य नष्ट करने के लिये उसके ही कपड़ों की पोटली में शव के साथ पत्थर बांधकर पानी से भरी खदान में डालकर घटना करना स्वीकार किया है।

# घर के बाहर खड़ी कारों में आग लगाई

**उदयपुर,** (कासं)। आपसी विवाद में एक युवक ने पड़ोसी की घर के बाहर खड़ी दो कारों में आग लगा दी। आग लगाने से पहले युवक चिल्लाया लेकिन परिवार के लोग जब बाहर आए तब तक वह कारों को आग के हवाले कर चुका था। घटना में एक कार जल गई, जबकि एक को पड़ौसियों ने पानी छिड़ककर बचा लिया। मामला शहर के प्रतापनगर थाना क्षेत्र सुंदरवास इलाके का है।

आग लगाने वाले संजय आचार्य का पड़ौस में रहने वाली महिला एडवोकेट नीतू के परिवार से विवाद था। इस पूरी घटनाक्रम का सीसीटीवी भी समाने आया है। इस मामले में महिला एडवोकेट के पति सुनील जैन की ओर से प्रतापनगर थाने में मामला भी दर्ज करवाया है। इस हादसे में एक कार पूरी तरह से जल गई, जबकि दूसरी कार में लगी आग पर समय रहते काबू पाया गया। इधर हादसे के बाद गुरुवार सुबह वकील प्रतापनगर थाने पहुंचे और धरने पर बैठ गए। इस घटना के सीसीटीवी में साफ दिख रहा है कि एक युवक हाथ में पेट्रोल की टीन लेकर आता है। वह दोनों कार पर पेट्रोल छिड़कता है। इसके बाद माचिस की तिल्ली फेंक पर दोनों को आग के हवाले कर देता है। आग लगते ही तेज धमाका भी सुनाई देता है।

प्रार्थी सुनील जैन स्टाम्प वेंडर है। रिपोर्ट में बताया कि घर के बाहर उनकी दोनों कार खड़ी थी। रात करीब 12.30 बजे पडोस में रहने वाला संजय आचार्य आया और चिल्लाते हुए हमें बाहर बुलाया। बाहर आकर देखा तो दोनों कारों में आग लगी थी और तेज लपटें उठ रही थी। सुनील जैन ने बताया कि संजय का पडोस में ही मकान है। उसने हमारी खिड़कियों की तरफ गलत तरीके से सेट बैक बना दिया। इसकी शिकायत यूआईटी भी की थी। शिकायत करने के बाद संजय आचार्य ने झगड़ा भी किया था। अब उसने कारों में आग लगा दी। इस घटना के बाद बड़ी संख्या में वकील प्रतापनगर थाने के बाहर शामिल हुए। वकील आरोपी की गिरफ्तारी की मांग की। इसके बाद वे थाने के बाहर रोड पर बैठकर प्रदर्शन करने लगे। वकील थाना अधिकारी को भी निलंबित करने की मांग कर रहे थे। वहीं इस मामले में वकीलों के प्रतिनिधि मंडल ने एसपी योगेश गोयल से भी मुलाकात की है।

# रेस्टोरेंट में अज्ञात कारणों से आग लगी

- दो फायर ब्रिगेड की गाड़ियां मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया

**भीलवाड़ा,** (निसं)। शहर के प्रताप नगर थाना क्षेत्र स्थित मन्नू दा किचन रेस्टोरेंट में अज्ञात कारणों के चलते लगी आग ने दहशत फैला दी। सर्किट हाउस के निकट एक बिल्डिंग के थर्ड फ्लोर पर मन्नू दा किचन के नाम से रेस्टोरेंट का संचालन किया जाता है, जहां गुरुवार को अचानक आग लग जाने के कारण उड़ता धुआं देख क्षेत्र में दहशत फैल गई, बड़ी संख्या में मौके पर तमाशबीनों की भीड़ भी जमा हो गई। सूचना मिलने के बाद दो फायर ब्रिगेड की गाड़ियां मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाने के प्रयास शुरू किया क्योंकि आग तीसरे फ्लोर पर लगी थी जिसके चलते फायर कर्मियों को आग बुझाने के लिए खासी मशक्कत भी करनी पड़ी। प्रताप नगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति का जायजा लिया। जानकारी के अनुसार क्षेत्र में इस तरह से अवैध रूप से कई रेस्टोरेंटों का संचालन हो रहा है जहां सुरक्षा मापदंडों का ध्यान नहीं रखा जाता है, लेकिन पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों की अनदेखी के चलते तेजी से इस तरह के अवैध ठिकाने पनप रहे हैं जो कि कभी भी बड़ी जनहानि का कारण बन सकते हैं।

## संक्षिप्त

### अवैध शराब बेचने वाला मुल्जिम गिरफ्तार

**कोटपूतली।** निकटवर्ती सरूण्ड थाना पुलिस ने अवैध शराब बेचने वालों के खिलाफ चलाये जा रहे अभियान के तहत कार्यवाही करते हुये एक मुल्जिम को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 02 लीटर अवैध हथकड़ देशी शराब जप्त की है। विगत बुधवार 07 मई को लोकल स्पेशल एवं विशेष अधिनियम के तहत सरुण्ड थाना पुलिस ने गश्त के दौरान मुखबीर की सूचना पर महरमपुर राजपूत बावरियों की बस्ती में पहुँचकर राजस्थान आबकारी अधिनियम में कार्यवाही करते हुये अवैध देशी हथकड़ शराब ले जाते हुये मुल्जिम के कब्जे से 02 लीटर अवैध देशी हथकड़ शराब जप्त कर मुल्जिम जगदीश पुत्र डेढ़ाराम बावरिया निवासी बावरियों की ढ़ाणी तन महरुमपुर राजपूत थाना सरुण्ड को गिरफ्तार कर प्रकरण आबकारी अधिनियम में दर्ज कर अनुसंधान शुरु किया है।

### बातों में उलझाकर दो बदमाश ले गए सोने की अंगूठी

**जयपुर।** मालपुरा थाना इलाके में बातों में उलझाकर दो बदमाश एक युवक से सोने की अंगूठी उतरवा कर ले गए। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच पडताल में जुटी है। पुलिस के अनुसार नगर निगम रोड सांगानेर निवासी विनय शर्मा ने मामला दर्ज करवाया कि घर से कुछ दूर सड़क पर खड़ा था इसी दौरान दो बदमाश आए और एक कम्पनी का प्रचार करने की बात कहीं। प्रचार के माध्यम से बदमाशों ने उसे बातों में उलझा लिया और उसकी अंगूठी उतरवा ली। इसके बाद आरोपी उसे झांसा देकर अंगूठी ले गए। इस पर पीड़ित ने पुलिस की शरण ली। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

### कार चालक ने किया छात्रा के अपहरण

**जयपुर।** मालपुरा थाना इलाके में कार चालक ने एक युवती के अपहरण का प्रयास किया। इस पर युवती ने पुलिस को सूचना दी। सूचना पर पुलिस ने तुरंत कार्रवाई कर लोकेशन के आधार पर चालक को दबोच लिया। पुलिस चालक से पूछताछ कर रही है। पुलिस के अनुसार यूपी निवासी आंचल मौर्या मामला दर्ज करवाया कि वह वनस्थली विद्यापीठ में पढ़ती है और वहीं पर हॉस्टल में रहती है। 5 मई को जयपुर आने के लिए वह वनस्थली मोड से एक कार में सवार हो गई। कार में पहले से दो यात्री सवार थे। रास्ते में दोनों सवारियां उतर गई तो चालक उसे टोंक रोड की बजाय कहीं अन्यत्र ले जाने लगा। पीडिता ने सूझबूझ दिखाते हुए पुलिस को सूचना दी। सूचना पर पुलिस ने लोकेशन के आधार पर कार का पीछा कर सेक्टर 35 मालपुरा गेट के पास रोक लिया और चालक को गिरफ्तार किया गया है।

### राजकीय बालिका संस्कृत विधालयों को किया क्रमोन्नत

**कोटपूतली।** राज्य सरकार के शिक्षा विभाग ने विधायक हंसराज पटेल की अनुशंषा पर कोटपूतली विधानसभा क्षेत्र के दो संस्कृत विधालयों (बालिका) को क्रमोन्नत किया है। विधायक पटेल ने जानकारी देते हुये बताया कि ग्राम रामसिंहपुरा व पुरूषोत्तमपुरा स्थित राजकीय प्रवेशिका संस्कृत विधालय (बालिका) को राजकीय वरिष्ठ उपाध्याय संस्कृत विधालय (बालिका) में क्रमोन्नत किया है। इस पर पटेल ने मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा व शिक्षा मंत्री मदन दिलावर का आभार व्यक्त करते हुये कहा कि संस्कृत शिक्षा ग्रहण कर रही बालिकाओं को इसका बेहद लाभ मिलेगा। उन्हें संस्कृत के उच्च अध्ययन के लिये अन्यत्र नहीं जाना पड़ेगा। साथ ही बालिकाओं में संस्कृत शिक्षा के प्रति रूझान भी बढ़ेगा।

### मंडल कार्यकारिणी का गठन

**अलवर ।** भाजपा अलवर दक्षिण जिला अध्यक्ष अशोक गुप्ता की सहमति से रामगढ़ विधानसभा क्षेत्र के मंडल अध्यक्ष -भगवान सैनी (रामगढ़) एवम मंडल अध्यक्ष - योगेंद्र शर्मा (गोविंदगढ़ )ने अपनी मंडल कार्यकारिणी की घोषणा की गई जिसमे महामंत्री 2,उपाध्यक्ष व मंत्री 6-6 तथा 1 कोषाध्यक्ष सहित कार्यकारिणी सदस्यों की नियुक्ति की गई।

# अस्पताल में जनप्रतिनिधियो ने की भवन बनाने व सोनोग्राफी मशीन लगाने की मांग

**अलवर ।** असिस्टेंट डायरेक्टर चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग जयपुर ने गुरुवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मालाखेड़ा, अकबरपुर तथा प्राथमिक चिकित्सा केंद्र उमरैण का औचक निरीक्षण किया। जहां चिकित्सकों की कमी की शिकायत मिली। वही उनके समक्ष मालाखेड़ा अस्पताल में भवन बनाने तथा सोनोग्राफी मशीन लगाने की मांग जनप्रतिनिधि तथा मीडिया की ओर से की गई। गुरुवार को चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग जयपुर के असिस्टेंट डायरेक्टर दिनेश पारीक, उपमुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी अलवर महेश बैरवा, खंड मुख्य चिकित्सा अधिकारी लोकेश मीणा, सरपंच प्रतिनिधि भारत चौधरी अन्य चिकित्सा स्टाफ निरीक्षण के दौरान मौजूद रहे।

प्राथमिक चिकित्सा केंद्र उमरैण का औचक निरीक्षण करते हुए।

■ असिस्टेंट डायरेक्टर ने मालाखेड़ा, अकबरपुर तथा प्राथमिक चिकित्सा केंद्र उमरैण का निरीक्षण किया

वहीं सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मालाखेड़ा अकबरपुर में ऑक्सीजन सेंटर, मुख्यमंत्री निशुल्क जांच केंद्र, मुख्यमंत्री निशुल्क दवा योजना कक्ष, आउटडोर ,इंडोर, -रे रूम, ऑपरेशन थिएटर, लेबर रूम जच्चा बच्चा वार्ड,का सघन निरीक्षण कर चेकिंग किया गया। मालाखेड़ा अस्पताल में निरीक्षण के पश्चात एडवोकेट भारत चौधरी तथा मीडिया की ओर से अवधेश सिंह ने एडिशनल डायरेक्टर जयपुर चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग दिनेश पारीक को बताया कि इस अस्पताल में 13 चिकित्सकों के पद स्वीकृत है। जिसमें से आधे पद रिक्त हैं। जहां विशेष रोग विशेषज्ञ के पद रिक्त हैं। तथा सोनोग्राफी की मशीन नहीं है। इस अस्पताल के अधीन करीब 60 से अधिक गांव के लोग रोग उपचार करवाने आते हैं। जिन्हें चिकित्सक व भवन के अभाव में परेशानी का सामना करना पड़ता है। जहां आउटडोर हमेशा 500 के पार रहता है। भवन भी अपर्याप्त है। एडिशनल डायरेक्टर दिनेश पारीक ने बताया अस्पताल का निरीक्षण किया। जहां व्यवस्थाएं ठीक पाई गई है।

साफ सफाई वार्ड में ठीक है। लेकिन यहां के जनप्रतिनिधियों ने सोनोग्राफी मशीन, अतिरिक्त भवन बनाने, व चिकित्सकों के रिक्त पद भरने के लिए मांग उठाई है। जिसका प्रस्ताव बनाकर सरकार को भेजा जाएगा । और जल्दी ही समस्या हल की जाएगी। खंड मुख्य चिकित्सा अधिकारी लोकेश मीणा ने बताया जयपुर से अलवर जिले के नोडल अधिकारी एडिशनल डायरेक्टर दिनेश पारीक व उपमुख् चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी अलवर महेश बैरवा पहुंचे। उन्होंने निरीक्षण किया तथा जो समस्याएं थी उसे यहां के जनप्रतिनिधि और मीडिया ने अवगत कराया। समस्या जल्दी ही हल होने की संभावना है। उपमुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी अलवर महेश चंद्र बैरवा ने बताया कि हाल ही में सरकार नए डॉक्टर की भर्ती कर रहे हैं। जिसमें करीब प्रदेश भर में 1700 नए चिकित्सक नियुक्त किए जाएंगे। जहा मालाखेड़ा अकबरपुर उमरैण में रिक्त पद भरने के प्रयास रहेंगे।

# पुलिस ने डीपों की बस से 3500 किलोग्राम नकली सिंथेटिक मावा बरामद किया

**दौसा।** दौसा कोतवाली पुलिस ने गुरुवार को बड़ी कार्यवाही करते हुए राजस्थान राज्य परिवहन निगम सवाईमाधोपुर डीपों की बस से 35 सौ किलोग्राम नकली सिंथेटिक मावा बरामद किया है। नकली मावा अलवर से लाया गया है, कोतवाली पुलिस निगम की बस के चालक एवं परिचालक से पुछताछ कर ही है। उधर कोतवाली पुलिस की सूचना पर खाद्य निरीक्षक प्रकाश चंद सैनी मौके पर पहुंचे व प्रारंभिक जांच में मावा नकली होने की संभावनाओं के चलते मावा का सैम्पल लेकर बरामद मावा को कोतवाली में रखवा दिया है।

उल्लेखनीय है कि पुलिस अधीक्षक सागर राणा को काफी समय से अलवर से नकली मावा दौसा में सप्लाई होने की सूचना मिल रही थी। पुलिस अधीक्षक सागर राणा ने सूचना की सत्यता की जांच कराये जाने के बाद दौसा कोतवाल सुधीर उपाध्याय के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया। टीम ने गुरुवार की सायं अलवर से सवाईमाधोपुर जा रही निगम की बस नं. आरजे 25 पीए 4189 को आगरा-जयपुर बस स्टैण्ड पर रुकवाया तथा सवारियों की बस से नीचे उतारवाने के बाद बस की जांच की गई तो आगे की सीटों के नीचे भरे हुये 5 कट्टे एवं 6 कार्टन रखे हुये थे। कोतवाली पुलिस ने इनके बार में परिचालक एवं चालक से जानकारी चाही तो दोनो की संतोषजनक जवाब नही दे पाये। इस पर कोतवाली पुलिस ने एक कार्टन की सील का हटाकर देखा तो वे मावे से भरे हुये थे। कोतवाली पुलिस ने तत्काल रसद विभाग एवं चिकित्सा विभाग को इसकी सूचना दी। सूचना मिलने के साथ ही चिकित्सा विभाग के खाद्य निरीक्षक प्रकाश चंद सैनी मौके पर पहुंचे तथा प्रारंभिक जांच में मावा नकली होने की संभावना जताये जाने के साथ ही कोतवाली पुलिस ने निगम की बस से 6 कार्टन एवं 5 कट्टो में भरा मावा जब्त कर कोतवाली लेकर पहुंची तथा जब्ती की कार्वाही की। भारी मात्रा में अलवर से आता है नकली मावा: सूत्रों ने बताया कि प्रतिदिन अलवर से विभिन्न साधनों के माध्यम से नकली मावा दौसा सहित आसपास के जिलों में सप्लाई हो रहा है। इन दिनी शादियों का सीजन होने के कारण नकली मावा की खेफ ज्यादा ही आ रही है। मुखबीर द्वारा इसकी सूचना पुलिस अधीक्षक सागर साणा एवं पुलिस उपाधीक्षक रवि प्रकाश शर्मा की दो दी गई। पुलिस ने आमजन के स्वास्थ्य से जुड़े मामले को गंभीरता से लेते हुये तत्काल टीम का गठन कर नकली मावा बरामद किया है। चिकित्सा विभाग को भी है जानकारी: दौसा सहित आसपास के ग्रामीण इलाको में नकली मावा एवं दूध सप्लाई हो रही है, इसकी जानकारी चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग को होने के बावजूद वे कार्यवाही से कतरा रहे है। दौसा की अधिकांश दूकानों पर नकली मावा ही सप्लाई हो रहा है। चिकित्सा विभाग त्यौहारों के सीजन में कुछेक प्रतिष्ठानों से सेम्पल कर कार्यवाही को अंजाम दे देता है, विभिन्न त्यौहारों पर लिये गये सैम्पलो की जांच रिर्पोट बकाया चल रही है।

■ नकली मावा अलवर से लाया गया है, कोतवाली पुलिस निगम की बस के चालक एवं परिचालक से पुछताछ कर ही है

खाद्य निरीक्षक प्रकाश चंद सैनी ने बताया कि प्रारंभिक जांच में मावा नकली प्रतीत हो रहा है। सैम्पल ले लिया गया है, जांच के बाद ही स्पष्ट हो पायेगा। फिलहाल मावा कोतवाली में रखवा दिया गया है। कोतवाल सुधीर उपाध्याय ने बताया कि अलवर से दौसा भारी मात्रा में नकली मावा निगम की बसे में लाये जाने की सूचना मिली थी, सूचना के आधार पर निगम की बस की तलाशी ली गई तो उसमें कार्टन एवं प्लास्टिक कट्टी में मावा भरा हुआ था। रसद विभाग को सूचना दी गई, सैम्पल ले लिये गये है तथा मावा जप्त कर लिया गया है।

## रीट परीक्षाओं में विधार्थियों ने लहराया परचम

**कोटपूतली।** कस्बा स्थित अशोका कोचिंग संस्थान के विधार्थियों ने गुरूवार को आये राजस्थान अध्यापक पात्रता परीक्षा के परिणामों में बेहद उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुये सफलता का परचम लहराया है। अध्ययनरत 130 से अधिक विधार्थियों ने बेहद अच्छे अंकों के साथ रीट परीक्षाओं को उत्तीर्ण किया है। संस्थान के चौयरमैन शंकर लाल कसाना ने सभी विधार्थियों की उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त करते हुये बधाई दी। साथ ही उन्हें उज्जवल भविष्य की शुभकामनायें प्रेषित की। वहीं निदेशक इंजी. विक्रम कसाना व इंजी. योगेश चौधरी ने हर्ष व्यक्त करते हुये कहा कि संस्थान के विधार्थियों ने इस वर्ष भी सफलता के क्रम को जारी रखते हुये बेहद शानदार प्रदर्शन किया है। उन्होंने उम्मीद जताई कि सफलता हांसिल करने वाले विधार्थी जल्द ही राजकीय सेवाओं में अपना स्थान पक्का करेगें। वहीं स्टॉफ सदस्य राकेश शर्मा, सुदीप चौधरी, अमित शर्मा, प्रमोद यादव, गणेश चौधरी, महेश कुमार, मुकेश चौधरी, अंकुर शर्मा, सोहन यादव आदि ने भी विधार्थियों को बधाई दी।

# धार्मिक संस्कार शिक्षण शिविर के पोस्टर का किया विमोचन

**निवाई।** आर्यिका विशेषमति माताजी के सानिध्य में नसियां जैन मंदिर पर दिगम्बर जैन महासमिति महिला अंचल एवं ईकाई के तत्वावधान में दस दिवसीय संस्कार शिक्षण शिविर का

■ दिगम्बर जैन महासमिति महिला अंचल एवं ईकाई के तत्वावधान में लगेगा शिविर

पोस्टर का विमोचन करते हुए महासमिति संभाग पदाधिकारी।

आयोजन किया जाएगा। इस दौरान महासमिति संभाग संरक्षक महावीरप्रसाद पराणा, अध्यक्ष हुकमचंद जैन, मंत्री विमल जौंला, सुनिल भाणजा, एडवोकेट रवि जैन महिला अध्यक्ष शशी सोगानी, मंत्री शकुंतला छाबड़ा, कोषाध्यक्ष मेना जैन, प्रियंका पराणा, अंजना जैन, सलोनी जैन व मीनाक्षी भाणजा ने धार्मिक संस्कार शिक्षण शिविर के पोस्टर का विमोचन किया एवं महासमिति के पदाधिकारियों ने भगवान शांतिनाथजी के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित एवं श्रीफल चढाकर शिविर की सफलता के लिए अनुनय विनय की। महासमिति ईकाई की प्रकोष्ठ मंत्री संजू जौंला ने बताया कि आगामी 18 से 27 मई तक बच्चों एवं वरिष्ठजनों के लिए धार्मिक संस्कार शिक्षण शिविर आयोजित किया जाएगा। महासमिति महिला ईकाई के पदाधिकारियों द्वारा धार्मिक शिक्षण दिया जाएगा।

## सर्वजातीय निशुल्क विवाह सम्मेलन सम्पन्न

**टोंक।** सेवा भारती समिति टोंक द्वारा संत महामंडलेश्वर डॉ. मनीषदास, सन्त दूधिया बालाजी रामजी महाराज रामद्वारा, संत प्रभुदास, कबीरपंथी व डॉ.पण्डित पवन सागर के सानिध्य में श्री राम जानकी सर्वजातीय निशुल्क विवाह सम्मेलन का आयोजन हुआ, जिसमें ताल कटोरा स्थित सैंट सोल्जर विद्यालय में पंद्रह जोड़ो का पाणिग्रहण संस्कार सम्पन्न हुआ।

जिला मंत्री रोहिताश व कोषाध्यक्ष नरेन्द्र शर्मा ने बताया कि भव्य झांकियों व बेंड बाजो की मधुर धुन पर बारात शोभायात्रा घंटाघर व मुख्य बाजार से होते हुए सवाईमाधोपुर चौराया होकर विवाह स्थल तक निकाली गई। जहां शोभायात्रा को सभी जातियों व बिरादरी द्वारा मार्ग में पुष्पवर्षा व जलपान कराकर भव्य स्वागत किया गया। सुरेन्द्र गुप्ता मीडिया प्रभारी व बजरंग लाल यादव नगर मंत्री, प्रशांत बुन्देल प्रचार मंत्री ने बताया कि बारात शोभायात्रा में केबिनेट मंत्री कन्हैया लाल चौधरी, जिलाध्यक्ष भाजपा चन्द्रवीर सिंह चौहान, जिलाप्रमुख सरोज बंसल,पूर्व विधायक अजीत सिंह मेहता, नरेश बंसल, पूर्व सभापति लक्ष्मी जैन, क्षेत्रीय सेवा प्रमुख शिवलहरी, प्रचारक मूलचन्द, द्वारकाप्रसाद, गिरधारी प्रान्त मंत्री सेवाभारती, महेश गोयल, अरुण शुक्ला महिला मण्डल प्रमुख, पुरुषोत्तम जिला संघचालक, लक्ष्मण जिला प्रचारक, महेन्द्र विजय, व्यवस्थापक गोविन्द सोनी, रामप्रसाद शर्मा, राधेश्याम शर्मा, बीना छामुनिया, संजय संघी, विष्णु शर्मा, प्रभु बाडोलिया, जिला भाजपा के कार्यकर्ताओ के साथ सेवा भारती के पदाधिकारीगण व कार्यकर्ता, विधा भारती के पदाधिकारीगण व कार्यकर्ता इत्यादि इस शोभायात्रा में मौजूद रहे। सभी आगुन्तक अतिथियो व गणमान्य लोगों ने उचित व्यवस्थाओ को लेकर प्रशंसा की।

# कथा में कार्तिकेय व गणेश भगवान की उत्पत्ति की कथा सुन श्रोता हुए भाव विभोर

**पावटा।** प्राचीन श्री नृसिंह मंदिर पावटा परिसर में बंसल परिवार की देखरेख एवं मंदिर महंत रामकरण पुजारी, गोविंद पुजारी, राहुल पुजारी, विकास पुजारी के सान्निध्य व नरसिंह मंदिर कमेटी, आदर्श रामलीला मंडल पावटा एवं बाबा भूतनाथ जोहड़ा धाम मंदिर कमेटी के सौजन्य से श्री नृसिंह मंदिर पावटा में आयोजित श्री शिव महापुराण कथा के चौथे दिन गुरुवार वृंदावन धाम से पधारे कथावाचक पंडित श्रीकृष्ण गोपाल सुवेदी महाराज ने भगवान कार्तिकेय व भगवान गणेश की उत्पत्ति की कथा सुनाई।

वृंदावन धाम से पधारे कथावाचक पंडित श्रीकृष्ण गोपाल सुवेदी महाराज ने भगवान कार्तिकेय व भगवान गणेश की उत्पत्ति की कथा सुनाई।

विघ्नहर्ता भगवान गणेश व कार्तिकेय के उत्पत्ति की कथा सुन श्रोतागण भाव विभोर हो उठे। कथावाचक पंडित श्रीकृष्ण गोपाल सुवेदी महाराज ने शिवमहापुराण की कथा सुनाते हुए श्रोताओं को बताया कि भूतभावन भगवान भोलेनाथ का तेज जब पृथ्वी पर गिरा तो पृथ्वी व्याकुल हो गई। पृथ्वी को व्याकुल देख भगवान शिव के तेज को अग्नि ने खा लिया।ऋषियों की छ पत्नियों ने अग्नि को तप करके पा लिया। चूंकि शिव के तेज को अग्नि ने खा लिया था इसलिए ऋषियों की पत्नियां भी उस तेज को सहन न कर पाईं और गंगा नदी में प्रवाहित कर दिया।

मां गंगा भी भगवान का तेज नहीं सहन कर सकीं तब उन्होंने किनारे पर उगे हुए सरकंडों यानि सरपत मे भगवान शिव के तेज को फेंक दिया नदी किनारे फेंके गए उसी तेज से भगवान शिव के बड़े पुत्र स्कंद भगवान की उत्पत्ति हुई। चूंकि भगवान स्कंद का पालन पोषण छ कृतिकाओं ने किया इसीलिए कृतिकाओं द्वारा पालन पोषण किये जाने के कारण ही आगे चलकर इनका नाम भगवान कार्तिकेय पड़ा। विघ्नहर्ता भगवान गणेश जी की उत्पत्ति के विषय में आचार्य जी ने श्रोताओं को कथा सुनाते हुए बताया कि भगवान गणेश जी का जन्म माता पार्वती जी के शरीर के मैल हुआ है। भगवान गणेश जी का सिर भगवान शिव जी ने काट डाला था।पुत्र का सिर अपने पति द्वारा काट डालने से जब पार्वती अत्यधिक क्रोधित हो उठीं तब भगवान शिव ने हाथी का सिर काटकर भगवान गणेश जी के धड़ में लगा दिया। गोपाल सुवेदी महाराज ने उपस्थित श्रोताओं को विशेष बात यह बताई कि गणेश जी का वास्तविक सिर चंद्रदेव अपने पास उठा ले गए। इसी कारण गणेश चतुर्थी का व्रत करने पर माताओं के द्वारा चंद्रमा का दर्शन करके अर्ध्य देने की परंपरा बनी है।

## सार-समाचार

### पावटा प्रागपुरा नगरपालिका क्षेत्र में बेसहारा पशुओं का आतंक

**पावटा।** पावटा प्रागपुरा नगरपालिका क्षेत्र में बेसहारा पशुओं ने भरे सर्विस रोड पर गुरुवार की सुबह उत्पात मचाया। यहां दो सांडों के बीच लड़ाई करीब 10 मिनट तक चली। इनकी लड़ाई का खौफ इतना था कि पास खड़े सभी लोगों की बीच-बचाव करने की हिम्मत नहीं हुई। दो सांडों की पावटा कस्बे में सर्विस रोड में करीब 10 मिनट तक चली इस लड़ाई से अफरा-तफरी मच गई। इस दौरान काफी अफरातफरी का माहौल बना रहा। इस बीच पांच से छह लोगों ने लाठी-डंडों के साथ आवारा पशुओं को भगाने की कोशिश की। कड़ी मशक्कत के बाद लोग पशुओं को भगाने में कामयाब रहे। गनीमत रही कि इस घनाक्रम में किसी को चोट नहीं लगी। हर बार नगरपालिका चुनाव में बेसहारा पशुओं का मुद्दा सबसे ऊपर होता है। चुनाव के समय बेसहारा पशुओं को गौशाला में भिजवाने के कई वायदे किए गए थे, लेकिन धरातल पर बेसहारा पशु गोशाला में नहीं, बल्कि सड़कों पर आतंक मचाते नजर आ रहे हैं। रोजाना लोग हादसे का शिकार होते हैं। ऐसा पहली बार नहीं है कि पावटा कस्बे में बेसहारा पशुओं ने आतंक मचाया हो। शहर में बेसहारा पशुओं के सड़कों पर घूमने से आमजन को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। बेसहारा पशुओं के सड़कों पर घूमने से हादसों का भी डर बना रहता है। पहले भी इनकी वजह से कई हादसे हो चुके हैं। इनकी आपसी लड़ाई में कई बार वाहन चालक भी इसका शिकार हो चुके हैं। शहर में अनेक स्थानों पर सड़कों पर बेसहारा पशुओं की टोलियां घूमती रहती हैं। इससे आमजन और दुकानदारों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। कई युवक, बच्चे, महिलाएं व वाहन चालक इनके कारण हादसों का शिकार हो चुके हैं। हर समय सड़कों पर इनकी टोलियां बनी रहती है। इन सबके बावजदू बेसहारा पशुओं के आगे सरकार और प्रशासन बेबस नजर आ रहा है।

### महंत मोहनदास महाराज की चादरपोसी कार्यक्रम का आयोजन

**पावटा।** आंतेला कस्बे के पास नीलकाधाम मंदिर में बुधवार को महामंडलेश्वर रामदास, औकारदास, सुरजनदास सहित सत्ताइसा क्षेत्र के संतों के सान्निध्य में बुधवार को मोहनदास महाराज का चादरपोशी समारोह का आयोजन हुआ। इस दौरान चादरपोशी समारोह में सत्ताइसा मंडल, खेडकी धाम महंत मानदास, जयसिंहपुरा नृसिंहधाम महंत सुरजनदास, बागावास अहिरान ठाकुरजी मंदिर महंत औंकारदास, कुंडाधाम के सुरेशदास, बडनगर के महंत ज्ञानदास, महंत प्रहलाद दास, संत लक्ष्मणदास सहित पांचों मंडलों के सैकड़ों साधु-संतों और ग्रामीणों की मौजूदगी में संत मोहनदास की चादरपोशी की गई। इस समारोह के दौरान उपस्थित संतों ने आर्शीवचन कहे। इस अवसर पर पूर्व विधायक इन्द्राज गुर्जर, युवा नेता आशीष धनखड़, जिला प्रमुख रमा चौपड़ा, पूर्व प्रधान सुवालाल यादव, पूर्व प्रधान महादेव यादव, कन्हैयालाल, जिला पार्षद हरफूल कसाना, कैरली सरपंच रामजीलाल यादव, आंतेला सरपंच जयराम नागर, पूर्व मंडल अध्यक्ष अनिल शर्मा, कांग्रेस सेवादल के जिला उपाध्यक्ष रोशनलाल सैनी, पूर्व सरपंच रमेश यादव, पूर्व सरपंच रामेश्वर यादव, जिला संयोजक महेश सैनी सहित कई जनप्रतिनिधि और श्रद्धालुओं ने चादरपोशी रस्म अदायगी में मौजूद रहे । इस दौरान संत रामदास के सान्निध्य में भण्डारे को लेकर सेवादार जुटे रहे। भाबरू थाना प्रभारी जयप्रकाश, विराटनगर थानाप्रभारी सोहनलाल के निर्देशन में एएसआई भोलाराम, हैड कांस्टेबल संदीप यादव, सतपाल सिंह सहित कई पुलिसकर्मियों का जाब्ता तैनात रहा। आंतेला सीएचसी प्रभारी डॉ. सत्यनारायण स्वामी के निर्देशन में चिकित्सा टीम ने सेवाएं दी। इस मौके पर संतो को भेंट देकर सम्मानित किया गया साथ ही भंडारे में लोगों ने पंगत प्रसादी ग्रहण की।

### निःशुल्क कोचिंग की मैरिट सूची जारी

**कोटपूतली।** सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग द्वारा मुख्यमंत्री अनुप्रति कोचिंग योजनान्तर्गत विभिन्न प्रोफेशनल कोर्स हेतु आयोजित प्रवेश परीक्षाओं एवं सरकारी नौकरियों के लिए आयोजित होने वाली प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी उत्कृष्ट ढंग से कराने एवं समान अवसर प्रदान करने के लिए सत्र 2024-25 हेतु विभाग द्वारा सूचीबद्ध कोचिंग संस्थाओं में नि:शुल्क कोचिंग किये जाने हेतु इच्छुक अभ्यर्थियों से प्राप्त आवेदन पत्रों की प्रोविजनल मैरिट सूची जारी कर विभागीय जिलाधिकारियों से अभ्यर्थियों की पात्रता एवं उनके आवेदन में अपलोड किये गये दस्तावेजों के सत्यापन जांच उपरान्त जिलाधिकारियों द्वारा अनुमोदित किये गये आवेदन पत्रों के आधार पर पात्र अभ्यर्थियों की मुख्य मेरिट सूची जारी की जा चुकी है। निदेशक एवं संयुक्त शासन सचिव, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग, राजस्थान ने बताया कि मुख्यमंत्री अनुप्रति कोचिंग योजनान्तर्गत सत्र 2024-25 हेतु जारी की गई मुख्य मेरिट सूची विभागीय वेबसाईट पर उपलब्ध है। मुख्यमंत्री अनुप्रति कोचिंग योजना के संशोधित नवीनतम विस्तृत दिशा-निर्देश एवं मानक संचालन प्रक्रिया (21178 दिनांक 15.11.2024) के अनुसार मुख्य मेरिट सूची जारी होने के उपरान्त अभ्यर्थियों को 10 दिवस के भीतर कोचिंग संस्थान में ज्वॉईन किये जाने का प्रावधान है। अतः मुख्यमंत्री अनुप्रति कोचिंग योजनान्तर्गत सत्र 2024-25 हेतु जारी मुख्य मेरिट सूची में चयनित अभ्यर्थी प्रदर्शित कोचिंग संस्थान के प्रदर्शित कोचिंग सेन्टर पर अपनी सुविधानुसार कोचिंग संस्थान में दिनांक 11 मई 2025 तक अपनी उपस्थिति दर्ज करवा सकते है।

### मांगों को लेकर किया प्रदर्शन

**छीपाबडोद।** थाने में एक युवक की मृत्यु के मामले में परिजनों,भीम आर्मी ओर समर्थकों ने पुलिस के खिलाफ जमकर नारेबाजी की वहीं न्यायिक जांच ओर मुआवजे को लेकर जिला कलेक्टर रोहिताश्व सिंह तोमर ओर एसपी राजकुमार चौधरी को ज्ञापन सोपा। गोरतलब हे कि परिजनों की ही रिपोर्ट पर शान्तिभंग की धारा में गोरधनपुरा निवासी हरिश पुत्र मोहनलाल वाल्मिकी को पुलिस ने पकड़ा था जिस पर रात्रि को तबियत बिगड़ने के कारण उसे चिकित्सालय में भर्ती कराया था,सवेरे थाने में उसकी तबीयत बिगड़ी अज्ञात कारणों से उसकी मृत्यु हो गई। परिजनों ने शव का पोस्टमार्टम कराने से मना कर दिया, असहमति दिन भर बनी रही।घटना की सूचना मिलने पर जिले के आला अधिकारियों ओर पुलिस जाप्ता ने स्तिथि को काबू में किया। पूर्व बीईईओ ओर कांग्रेस नेता प्रेमसिंह मीणा के नेतृत्व में पुलिस की कार्यप्रणाली को लेकर नारेबाजी की गई। वहीं दूसरी ओर डीएसपी विकास कुमार ने बताया कि घटना में मृग दर्ज कर शव का की पूरी न्यायिक जांच हैतु अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट अमरजीत सिंह के नेतृत्व में शव का पोस्टमार्टम कर परिजनों को सौंपा, गमगीन माहोल में ग्राम गोरधनपुरा में शव का अंतिम संस्कार हुआ।

### राशन दुकानों का औचक निरीक्षण

**मांगरोल ।** गिवअप अभियान के तहत रसद विभाग के अधिकारियों द्वारा गुरुवार को मांगरोल ब्लाक की राशन दुकानों का औचक निरीक्षण कर उचितमूल्य दुकानदारो को दिशा निर्देश देकर ज्यादा से ज्यादा अपात्र उपभोक्ता ओ का सर्वे कर इस अभियान मैं सहयोग करने की बात कही गयी। विभाग के प्रवर्तन निरीक्षक रविन्द्र मीणा ने बताया कि निरीक्षण के दौरान बोहत, भटवाड़ा,ईश्वरपुरा सहित कई गांवों मैं उचितमूल्य दुकानदारों को बताया कि खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग के द्वारा चलाये जा रहे अभियान की जानकारी देते हुए बताया कि जिन उपभोक्ताओ की पारिवारिक सालाना एक लाख रुपए से अधिक या फिर कोई सदस्य सरकारी सेवा,व आयकर दाता हो,या फिर चार पहिया वाहन,,(ट्रेक्टर या व्यवसायिक वाहन को छोड़कर )ऐसे व्यक्ति खाद्य सुरक्षा का लाभ नही ले सकते है। ऐसे उपभोक्ता ओ को प्रेरित कर 31 मई तक स्व प्रेरित कर खाद्य सुरक्षा से नाम हटाने के लिए प्रेरित किया जावे। इसके बाद ऐसे अपात्र लोगो की जांच कर आगे विभाग नियमानुसार कार्यवाही करेगा।

### ड्रोन संचालन पर प्रतिबंध

**कोटा।** कोटा जिले में संवेदनशील एवं सामरिक दृष्टि से महत्त्वपूर्ण संस्थानों की सुरक्षा को देखते हुए जिला कलक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट डॉ. रविन्द्र गोस्वामी ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163 के अंतर्गत निषेधाज्ञा आदेश जारी किया है। इस आदेश के तहत कोटा शहर में स्थित आर्मी एरिया, थर्मल पावर स्टेशन, एयरपोर्ट, कोटा बैराज, डीसीएम तथा कोटा ग्रामीण क्षेत्र में स्थित हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल), गोयल प्रोटीन (थाना मंडाना), भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) ऑयल डिपो बृजेशपुरा (थाना कैथून), चंबल फर्टीलाइज़र केमिकल लिमिटेड (सीएफसीएल) गढ़ मान (थाना सीमलिया), नवनेरा डैम (थाना बूढ़ादीत), मंगलम सीमेंट लिमिटेड मोडक (थाना मोडक) एवं इनके आसपास 50 मीटर की परिधि को ड्रोन संचालन हेतु प्रतिबंधित क्षेत्र घोषित किया गया है।

## संक्षिप्त

### शेखावत उपशाखा के चुनाव संपन्न

**श्रीमाधोपुर।** राजस्थान शिक्षक संघ शेखावत उप शाखा श्रीमाधोपुर का वार्षिक अधिवेशन एवं निर्वाचन पंचायत समिति श्रीमाधोपुर के सभागार में निर्वाचन अधिकारी विक्रम प्रकाश शुक्ला एवं बाबूलाल गुर्जर पर्यवेक्षक व प्रांतीय कार्यकारिणी सदस्य राजेंद्र कुमार सैनी की देखरेख में संपन्न हुआ। निर्वाचन में बाबूलाल सैनी को अध्यक्ष और शंकर लाल खोखर को मंत्री चुना गया वहीं शिशुपाल सिंह बिजारनिया सभा अध्यक्ष, उपसभा अध्यक्ष पर राम नारायण सैनी ,सूरज सिंह धायल संगठन मंत्री, सुवालाल यादव व महावीर स्वामी को उपाध्यक्ष , मुरलीधर भावरिया को कोषाध्यक्ष,रामकरण सेठी को उच्च प्राथमिक शिक्षा प्रतिनिधि, सुनील कुमार शर्मा को उच्च माध्यमिक शिक्षा प्रतिनिधि, केसाराम धायल को संरक्षक मनोनीत कर सर्व सहमति से निर्वाचित घोषित किया गया।

### महंत ने दिया स्वच्छता का संदेश

**सांभरझील,** (निसं)। यहां देवयानी सरोवर स्थित जागेश्वर दरबार के सामने तपस्वी जी का आश्रम के महंत ने मंदिर परिसर के बाहर व्याप्त गंदगी की जब लंबे समय तक जिम्मेदारों ने इसकी अनदेखी की तो आखिरकार उनसे रहा नहीं गया और खुद ने आसपास के संपूर्ण क्षेत्र की सफाई कर डाली। महंत ने इस मामले को लेकर बताया कि कई दफा बोलने के बाद भी परिसर के बाहर काफी मात्रा में कचरा इकट्ठा हो गया था, लेकिन सिस्टम इतना बकवास है कि लगता है कि सुनवाई करना ही बंद कर दिया है, जबकि आसपास पेड़ों के सूखे पत्तों का ढेर हवा से उड़कर मंदिर परिसर में घुस जाता है जिससे आने वाले श्रद्धालुओं को दिक्कत भी होती है। इसलिए मैंने सोचा की दूसरों को बोलने से बढ़िया है खुद ही झाड़ू उठाओ और सफाई कर डालो। लोगों को भी चाहिए कि वह दूसरों पर निर्भर रहने के बजाय अपने आसपास की सफाई खुद ही करें इससै स्वच्छता का संदेश भी आगे तक फैलता है।

### चार वाहन व एक मोटरसाइकिल जब्त

**टोंक।** पुलिस प्रशासन व खान विभाग की संयुक्त टीम ने बीती रात को पटवार हल्का डोडवाड़ा व सोहेला क्षेत्र में अवैध बजरी खनन व परिवहन के खिलाफ बड़ी कार्यवाही करते हुए तीन वाहन (ट्रेलर व डम्पर) साथ ही एक मोटरसाइकिल को जब्त किया गया। उपखंड अधिकारी गणराज बडगौती ने बताया बुधवार रात्रि डोडवाड़ी से दो व सोहेला से एक वाहन तथा एक मोटरसाइकिल बजरी परिवहन में लिप्त पाने पर जप्त किया गया है। इसी प्रकार बरौनी थाना पुलिस ने अवैध बजरी परिवहन के खिलाफ कार्यवाही करते हुए गुरुवार को चिरौंज गांव के पास से अवैध रूप से बजरी परिवहन कर रहे एक ट्रैक्टर-ट्रॉली को जप्त किया गया है।

### शादी में नवाचार की अनूठी पहल

**दूदू ।** ग्राम पंचायत धानदोली मैं चौहान परिवार की बेटी की शादी में नवाचार की अनूठी पहल कर कन्यादान के रूप में नकद राशि नहीं ली जाकर वृक्षारोपण की शुरुआत की गई दुल्हन मीना देवी चौहान ने बताया कि पर्यावरण प्रदूषण को जो शादी समारोह के दौरान पटाखे डीजल पेट्रोल डीजे मैं प्लास्टिक का उपयोग से होता है को कम करने के लिए कन्यादान के रूप में प्रत्येक व्यक्ति से एक पेड़ लगाने का आग्रह किया जाकर 111 पेड़ लगाए गए तथा पेड़ लगाकर भाई के समान संरक्षण व पालन की शपथ दिलाई गई समारोह के दौरान संघर्ष संस्थान समिति के निदेशक एवं पूर्व सरपंच शिवजी राम गुर्जर संस्था सचिव श्रीमती विमला देवी आचार्य सहित जनप्रतिनिधि एवं परिवारजन मौजूद रहे।

### शहर में एक घंटे में 77 एमएम बारिश, ओले भी गिरे

**टोंक।** जिला मुख्यालय सहित जिले के कई इलाकों में गुरुवार को कहीं तेज तो कहीं हल्की बारिश हुई, कई जगह कुछ देर ओले भी गिरे, इससे लोगों की दिनचर्या प्रभावित हुई। सबसे ज्यादा बारिश टोंक शहर में शाम 3.45 से 4.45 में 77 एमएम दर्ज की गई है। सिंचाई विभाग के एईएन भवानी शंकर वर्मा ने बताया कि टोंक शहर में करीब एक घंटा बारिश हुई है, इसमें करीब आधा घंटा तेज और फिर हल्की, मध्यम गति की बारिश हुई है। जिला मुख्यालय पर सड़कें दरिया बन गई, वही पुरानी बाजार में सबसे ज्यादा डेढ़ से दो फीट पानी बह निकला। इससे कई दुकानों में पानी घुस गया।

# कलक्टर ने अधिकारियों को आदेशों की पालना सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए

**कोटपूतली।** जिला कलक्टर कल्पना अग्रवाल ने 6 मई को आदेश जारी कर नागरिक सुरक्षा के अतर्गत 12 सेवाओ के प्रभारी अधिकारी नियुक्त किये।

उन्होंने बताया कि इसका उद्देश्य स्थानीय स्तर पर किसी आपदा के खतरे अथवा संभावना की रोकथाम, किसी आपदा की जोखिम अथवा इसकी तीव्रता अथवा परिणामों का प्रशमन, न्यूनीकरण, अनुसंधान और ज्ञान प्राबंधन सहित क्षमता निर्माण ताकि आपदा की संभावित स्थिति अथवा आपदा के समय त्वरित कार्यवाही, इसके प्रभावो का आंकलन, फंसे हुए लोगो को निकालना, बचाव और राहत कार्य एवं पुनर्वास और पुनर्निर्माण करना है।

**अधिकारियों की बैठक लेती जिला कलेक्टर।**

आदेशानुसार प्रभारी अधिकारी सहायता एवं अतिरिक्त जिला कलक्टर ओमप्रकाश सहारण को जिला स्तरीय नोडल अधिकारी नियुक्त किया है. मुख्यालय सेवा के लिए अति. जिला कलक्टर, संचार सेवा के लिए उपनिदेशक, क्व्ज एवं जिला जनसम्पर्क अधिकारी, वार्डेन सेवा के लिए संबंधित उपखण्ड अधिकारी एवं तहसीलदार, हताहत सेवा के लिए मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, अग्निशमन सेवा के लिए अग्निशमन अधिकारी, प्रशिक्षण सेवा के लिए नागरिक सुरक्षा अधिकारी जयपुर/अलवर, बचाव सेवा के लिए नागरिक सुरक्षा अधिकारी अग्निशमन अधिकारी, कल्याण सेवा के लिए अति. मुख्य कार्यकारी एवं जिला रसद अधिकारी, पूर्ति सेवा के लिए संबंधित विकास अधिकारी एवं आयुक्त/ अधिशाषी अधिकारी, शव निस्तारण सेवा के लिए संबंधित चिकित्सा अधिकारी, साल्वेज सेवा के लिए अति. पुलिस अधिक्षक एवं डिपो एवं परिवहन सेवा के लिए जिला परिवहन अधिकारी को प्रभारी अधिकारी नियुक्त किया है।

- **नागरिक सुरक्षा के अन्तर्गत 12 सेवाओं के प्रभारी अधिकारी किए नियुक्त**

जिला कलक्टर ने संबंधित अधिकारियों की बैठक लेकर अपने-अपने क्षेत्राधिकार में आदेशों की अक्षरश: पालना सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए।

### कलेक्टर ने किया निरीक्षण

**पावटा।** ग्राम सेवा सहकारी समिति प्रागपुरा का जिला कलेक्टर द्वारा गुरुवार को निरिक्षण किया। जिला कलेक्टर कल्पना अग्रवाल व उपखंड अधिकारी पावटा कपिल उपाध्याय ने ग्राम सेवा सहकारी प्रागपुरा चेयरमैन उपेन्द्र सिंह शेखावत ने जिला कलेक्टर कल्पना अग्रवाल ने कृषि ड्रोन की कार्य प्रणाली व अधीनस्थ कार्य क्षेत्र के बारे में विस्तृत जानकारी ली और ऋण वितरण, उर्वरक स्टॉक भी चेक किया।

वही उन्होंने ग्राम सेवा सहकारी समिति प्रागपुरा की कार्यशैली को सराहनीय बताया। इस अवसर पर शाखा प्रबंधक नवरतन, ऋण पर्यवेक्षक राजेश यादव, व्यवस्थापक कैलाश स्वामी, सहायक व्यवस्थापक आनन्द सिंह, सहायक नरेश सैनी, रामकरण सैनी, ड्रोन पायलट प्रेमप्रकाश सैनी, कृषि पर्यवेक्षक जितेन्द्र यादव, अजय सैनी, सुरेन्द्र यादव, मुखराम धनखड़, मदन यादव, रामनिवास यादव सहित अनेक लोग उपस्थित रहे।

# अतिरिक्त जिला कलेक्टर ने किया ओचक निरीक्षण

**श्रीमाधोपुर ।** अतिरिक्त जिला कलेक्टर भागीरथ मल सांख ने उपखंड अधिकारी अनिल कुमार के साथ राजकीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का ओचक निरीक्षण किया । निरीक्षण के दौरान आपातकालीन व्यवस्थाओं की गहन समीक्षा की गई।

एडीएम ने प्रभारी डॉ. कमल यादव को अस्पताल की व्यवस्थाओं को और बेहतर बनाने के निर्देश दिए। निरीक्षण के समय एसडीएम अनिल कुमार व पूर्व प्रभारी डॉ. अंकुर स्वामी भी मौजूद थे। खराब पंखों को बदलवाने, आपातकालीन कक्ष में सभी आवश्यक उपकरण व सुविधाएं सुनिश्चित करने डॉक्टर चैंबर के वॉशवैसिन पर जमी धूल की सफाई ,ऊपर दूसरी छत पर जाने की बनी रैंप में लगे लाइट व रेलिंग, महिला वार्ड के पास लगी लाइट आदि ठीक व सुचारू करने के निर्देश दिए गए।

**राजकीय सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र का अतिरिक्त जिला कलेक्टर नीमकाथाना भागीरथ मल साख ने किया ओचक निरीक्षण ।**

वही खराब पड़े वाटर कूलर आदि के ठीक करवाने के निर्देश दिए ।

आपदा प्रबंधन की तैयारियों को लेकर भी गहन चर्चा की गई, साथ ही सभी चिकित्सकों व स्टाफ की छुट्टियां रद्द करते हुए उन्हें अलर्ट मोड पर रहने के निर्देश दिए गए। एडीएम ने सीएचसी प्रभारी डॉ. कमल यादव से अस्पताल की आपातकालीन व्यवस्थाओं की जानकारी ली। उन्होंने डॉक्टर-नर्स की उपलब्धता, दवाएं, उपकरण और ऑक्सीजन जैसे संसाधनों की स्थिति की समीक्षा की।

एडीएम सांख ने कहा कि मॉक ड्रिल और एयर स्ट्राइक जैसी स्थितियों को देखते हुए चिकित्सा व्यवस्थाओं को अपडेट किया जा रहा है। इमरजेंसी वार्ड, अग्निशमन उपाय और घायल मरीजों के इलाज की व्यवस्था पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। इस दौरान सभी चिकित्साकर्मियों की छुट्टियों पर रोक है।निरीक्षण में सफाई व्यवस्था में कमियां पाई गईं। सीएचसी प्रभारी को इन सभी व्यवस्थाओं को सुनिश्चित करने को कहा गया। निरीक्षण के दौरान तीन चार कार्मीक अनुपस्थित मिले जिनको कारण बताओं नोटिस जारी करने के निर्देश दिए।

# बेसहारा बच्चों के लिए स्कूल संचालित करने पर किया सम्मानित

**अलवर।** अलवर में गरीब बेटियों का कन्यादान कर व कचरा बिनने वाले व भीख मांगने वाले बच्चों के लिए स्कूल चलाकर उन्हें शिक्षित करने तथा महिलाओं के लिए कार्य करने वाली नेक कमाई संस्था के फाउंडर पत्रकार धर्मेंद्र अदलकखा व संस्था के सरक्षक दोलत राम हजरती एवं मंजू चौधरी अग्रवाल को गरीब बेसहारा लोगों की सेवा कर सामाजिक सरोकार को निभाने पर विश्व रेड क्रॉस दिवस पर रेड क्रास सोसायटी और ईएसआईसी मेडिकल कॉलेज की ओर से सम्मानित किया गया।

- **नेक कमाई संस्था विश्व रेड क्रॉस दिवस पर रेड क्रास सोसायटी व ईएसआईसी मेडिकल कॉलेज की ओर से किया सम्मानित**

**नेक कमाई संस्था के धर्मेंद्र अदलकखा व संरक्षक दोलत राम व मंजू चौधरी को सम्मानित करते जिला कलेक्टर डॉ अर्तिका शुक्ला।**

आईएमए के अध्यक्ष डा. एस. सी. मितल व नेक कमाई के मुख्य कोर्डिनेटर अभिषेक तनेजा ने बताया कि कार्यक्रम के कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला कलेक्टर अर्तिका शुकला ने यह पुरस्कार प्रदान किया। अलवर में नेक कमाई संस्था दो वर्षों में 263 जरूरतमंद बेटियों का कन्यादान कर चुकी है। इसके अलावा संस्था की ओर से कचरा बीनने व भीख मांगने वाले बच्चों के लिए दो स्कूल संचालित किए जा रहे है। इसी के साथ महिला सशकितकरण के लिए बिंदू कपूर के नेतृत्व में सिलाई व बयूटी पार्लर का महिलाओं को निशुल्क प्रशिक्षण दिया जा रहा है। जिसमें सैकड़ों युवतियां प्रशिक्षण ले रही है।

## 15 से शुरू होगा अलवर की पहचान आत्मनिर्भर दिव्यांग अभियान

**अलवर।** जिले में दिव्यांगजनों को पात्रता अनुसार सरकारी योजनाओं से जोडकर आत्मनिर्भर बनाने हेतु 15 मई से प्रोजेक्ट पहचान (अलवर की पहचान आत्मनिर्भर दिव्यांग) का शुभारम्भ किया जाएगा।

जिला कलक्टेर डॉ. आर्तिका शुक्ला ने बताया कि अलवर पहचान अभियान का क्रियान्वयन जिले में दो चरणों में होगा जिसमें प्रथम चरण 15 मई से 6 अगस्त तक एवं द्वितीय चरण 7 अगस्त से शुरू होगा। अभियान के सफल क्रियान्वयन हेतु अतिरिक्त जिला कलेक्टर द्वितीय को जिला स्तरीय नोडल अधिकारी बनाया गया है। इसी प्रकार ब्लॉक स्तर पर अभियान के क्रियान्वयन हेतु उपखण्ड अधिकारी को नोडल अधिकारी एवं विकास अधिकारी को सहायक नोडल अधिकारी बनाया गया है। विभागीय समन्वय हेतु सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के उप निदेशक को समन्वयक बनाया गया है। अभियान के प्रथम चरण में जिले के समस्त विभाग संबंधित कार्यकारी एजेंसी से सहयोग कर सुगम्य अलवर अभियान के तहत जिले के विशेष योग्यजन को सुगम्य एवं बाधा रहित वातावरण उपलब्ध कराने, दिव्यांगजनों के सुगम एवं अनुकूलित आवागमन हेतु राजकीय भवनों, बैंक परिसर में रैम्प, रैलिंग एवं साइन बोर्ड (दिव्यांग फ्रेंडली) आदि का निर्माण आदि कार्य करेंगे। ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विभाग, चिकित्सा, महिला एवं बाल विकास एवं सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग दिव्यांगजनों का सर्वे एवं चिन्हिकरण कर डोर टू डोर सर्वे कराकर पात्र वंचित लाभार्थियों को योजनाओं से जोडने हेतु कैम्प आयोजित कराएंगे। शिक्षा विभाग दिव्यांग बच्चों का चिन्हिकरण एवं डिजीटल ट्रेनिंग , दिव्यांगजनों का कौशल विकास प्रशिक्षण व दिव्यांग महिलाओं का सशक्तिकरण राजीविका के माध्यम से समूह निर्माण एवं डिजिटल साक्षर बनाने की दिशा में कार्य करेगा।उन्होंने बताया कि अभियान के द्वितीय चरण में दिव्यांगजनों को उपकरण वितरण एवं विभिन्न योजनाओं से लाभांवित कराया जाएगा।

- **अलवर में जिला कलेक्टर के नवाचार पहचान अभियान में दिव्यांगजनों को सरकारी योजनाओं से जोड़कर कराया जाएगा लाभांवित**

# दीक्षार्थी की निकाली बिनौली यात्रा: समाज के लोगों ने गोद भराई का किया कार्यक्रम

**चौरु/उनियारा।** बनेठा कस्बें के जैन समाज के लिए बुधवार का दिन गौरवशाली बन गया। सावर गांव अजमेर जिले में 16 मई को मुनि दीक्षा लेने जा रहे हैं महेंद्र भैय्या का सकल जैन समाज ने चन्द्रप्रभु दिगम्बर जैन मंदिर एवं नेमीनाथ दिगम्बर जैन बड़ा मंदिर के पदाधिकारियों ने दीक्षा पूर्व अभिनंदन,गोद व छोल भराई की रस्म निभाई। दीक्षार्थी महेन्द्र भैय्या की भव्य अगवानी बैंड बाजा,ढोल धमाकों के साथ की। समाज के हरीश जैन पाण्डया एवं मनोज जैन ने बताया कि कार्यक्रम के तहत चंद्रप्रभु मंदिर में शाम 7 बजे छोल भराई की रस्म की गई। सकल जैन समाज के लोगों ने श्रीफल,फल,सूखे मेवे,काजू किशमिश,अखरोट,मिश्री से दीक्षार्थी की छोल भरी। जिसके बाद गाजे बाजे के साथ महेंद्र भैय्या की भव्य बिंदोरी मुख्य बाजार से होते हुए तेजाजी चौक,बड़ा बाजार,आजाद चौक, नेमीनाथ मंदिर होती हुई जैन मंदिर समीप स्थित संत निवास पहुंची। शोभायात्रा के दौरान समाज के लोगों ने अपने घरों के बाहर जगह-जगह गोद भराई की रस्में निभाई। सरल स्वभावी सुशिक्षित महेन्द्र भैय्या का जन्म शिवाड़ निवासी पिता बद्रीलाल-माता प्रेम देवी के आंगन में 2 सितम्बर 1963 को शुभ बेला में हुआ।

**शोभायात्रा के दौरान समाज के लोगों ने अपने घरों के बाहर जगह-जगह गोद भराई की रस्में की।**

इन्होंने अपनी लौकिक शिक्षा 1979 में मैट्रिक उत्तीर्ण की। इनका विवाह टोडारायसिंह निवासी कपूर चन्द, मिलाप चन्द के यहां मंजू देवी के साथ हुआ। जिनका वर्ष 2005 में आकस्मिक निधन हो गया। इनकी माता प्रेम देवी धर्म परायण महिला थी जिन्होंने आर्यिका गरिमामती एवं गंभीरमती माताजी से संबोधित होकर गृह त्याग कर क्षुल्लिका साध्वी बन गई। बता दें उस दौरान वर्ष 2011 में आर्यिका संघ का चतुर्मास शिवाड़ नगर में हुआ था। महेन्द्र भैय्या के दो बेटियां मेनका जिसका विवाह लावा ग्राम में एवं टीना का विवाह फागी में हुआ। इनके इकलौते पुत्र मनीष का विवाह मित्रपुरा कस्बें में हुआ। जिनका किराने का व्यवसाय है। इनका भरा पूरा परिवार है।संसार की नश्वरता एवं अपनी पत्नी की असामायिक मृत्यु व अपनी माताजी को क्षुल्लिका पद पर संलेखना से प्रभावित होकर जैनेश्वरी दीक्षा लेने के भाव उत्पन्न हुए। जिसे अब 16 मई 2025 को अजमेर जिले में सावर ग्राम की पावन धरा पर जैनेश्वरी मुनि दीक्षा के रुप में साकार किया जाएगा।भौतिक सुखों से परे होकर दीक्षा के लिए कदम बढ़ाना हर किसी के लिए सहज नहीं है। दीक्षार्थी महेन्द्र भैय्या में उपस्थित श्रद्धालुओं को आशीर्वाद प्रदान किया। इस अवसर पर बिन्दौली यात्रा के दौरान अग्रवाल समाज के अध्यक्ष तेजमल जैन, अग्रवाल समाज चौरासी के ब्लॉक अध्यक्ष बसंत जैन, सरावगी समाज के अध्यक्ष पदम पाण्डया,संरक्षक पूरणमल लुहाड़िया,हेमचन्द सौगाणी, लोकेश जैन,सुशील जैन,प्रवीण पाण्डया सहित गणमान्य लोग मौजूद रहे।

## दीपसिंह समिति के सदस्य नियुक्त

**कोटपूतली।** पर्यावरणविद् एवं जल प्रहरी दीपसिंह शेखावत निवासी बडनगर पावटा को पानी एवं पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में सकारात्मक परिवर्तन एवं उल्लेखनीय कार्य करने पर राज्य सरकार के आदेशानुसार सीकर जिला कलक्टर मुकुल शर्मा ने जिला स्तरीय खनन विकास अवैध खनन एवं पर्यावरण संरक्षण निगरानी समिति का सदस्य नियुक्त किया है। समिति में जिला कलक्टर, पुलिस अधीक्षक, सहायक खनिज अभियंता, वन विभाग जिला अधिकारी, पर्यावरणविद् एवं जल प्रहरी दीपसिंह शेखावत सहित कुछ लीज धारक शामिल हैं। आपको बता दें कि बडनगर निवासी दीपसिंह शेखावत विगत 5-7 वर्षों से जल एवं पर्यावरण संरक्षण की दिशा में व्यापक स्तर पर 03 वर्षो से पानी किसानी जवानी संवेदना यात्रा द्वारा तथा वर्तमान में पानी पेड़ प्रकृति बचाओ नंगे पांव गांव-गांव पद यात्रा के माध्यम से 500 से अधिक स्कूलों, कॉलेजों, गांवों में जाकर लाखों युवाओं, विद्यार्थियों, किसानों एवं आमजन को जल एवं पर्यावरण संरक्षण, जलवायु अनुकूलन एवं उन्मूलन तथा ग्लोबल वार्मिंग एवं कार्बन उत्सर्जन के दुष्परिणामों से अवगत करवाया।

## सार-समाचार

### श्याम बाबा के मेले में भक्तों ने निकाली अनोखी झांकियां

**बहरोड़/ नीमराना।** निर्जला एकादशी को बहरोड़ के तसींग रोड के श्याम मंदिर पर आयोजित होने वाले लक्खी मेले में बहरोड़ कस्बे सहित दूर-दूर से आए श्याम भक्तों ने शिव पार्वती व गणेश तथा राधा और कृष्ण तथा हनुमान जी महाराज की झांकियों सहित बाबा श्याम की झांकी निकाली। नेशनल हाईवे नंबर 48 तक कस्बे के बीचों बीच सैकड़ो श्याम भक्तों के साथ निकली इस झांकी पदयात्रा में दूर-दूर से झांकियां लेकर आए श्याम भक्तों ने हिस्सा लिया। इस दौरान हजारों कस्बेवासियों सहित मंदिर कमेटी के सदस्य तथा पुलिस प्रशासन मौजूद रहा।

### 'शुद्ध आहार मिलावट पर वार' खाद्य पदार्थों के 302 नमूने जांच के लिए गए

**अलवर ।** मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. योगेन्द्र शर्मा ने बताया कि जिले में मिलावटीखोरी पर लगाम लगाने हेतु चलाए जा रहे 'शुद्ध आहार मिलावट पर वार' अभियान के तहत 1 मई से 8 मई तक खाद्य पदार्थों के 302 नमूने जांच हेतु लिए गए जिनमें से 39 नमूने अवमानक स्तर के पाये गए। उन्होंने बताया कि अलवर शहर में अशोका टाकीज के सामने स्थित मैसर्स संतोष कुमार गुप्ता, यूआईटी के सामने स्थित मैसर्स राजस्थानी पवित्र भोजनालय, भगतसिंह सर्किल स्थित मैसर्स बाबा दा ढाबा, मैसर्स जयदुर्गा पवित्र भोजनालय व मैसर्स न्यू हिंदुस्तानी पवित्र भोजनालय, मुगस्का स्थित मैसर्स अल्कारिम रेस्टोरेंट, 200 फीट रोड स्थित राज पवित्र भोजनालय, समीन टावर स्थित मैसर्स बूराक रेस्टोरेंट एण्ड कैफे, 60 फीट रोड मैसर्स जैन स्वीट्स होम, मैसर्स जायका दिल्ली-9 फैमिली रेस्टोरेंट, जुबली बास स्कीम नं. 2 स्थित मैसर्स साउथ स्ट्रीट, मैसर्स चोपशॉप, लाजपत नगर स्थित मैसर्स श्री श्याम फास्ट फूड, राठी मार्केट एमआईए स्थित मैसर्स छोटे लाल मिष्ठान भंडार, जेल सर्किल स्थित मैसर्स कपूर मिष्ठान भंडार तथा दिल्ली मुम्बई एक्सप्रेस-वे पिनान राजगढ स्थित मैसर्स सावोर सागा वेंचर व मैसर्स बांसुरी वाला, पिनान स्थित मैसर्स रामप्रसाद एण्ड कम्पनी एवं रामगढ में मैसर्स इरफान डेयरी में पनीर के नमूनों को जांच रिपोर्ट में असुरक्षित व अवमानक पाया गया। ढिगावडा स्थित मैसर्स श्री माताजी जोधपुर मिष्ठान भंडार, बख्तल की चौकी स्थित मैसर्स प्रजापति मिष्ठान भंडार, एमआईए स्थित मैसर्स श्री रामदेव जोधपुर मिष्ठान भंडार व मैसर्स पूरण मिष्ठान भंडार, प्रतापगढ चौराहा थानागाजी में मैसर्स श्रीकरनी जोधपुर मिष्ठान भंडार एवं शीतल में मैसर्स शिव भोले मिष्ठान भंडार में कलाकंद के नमूनों को जांच रिपोर्ट में असुरक्षित व अवमानक पाए गए।

### एम सी एच मच में गोल्ड मेडल प्राप्त डॉ. राघव का सम्मान

**देवली ।** यहा अंतराष्ट्रीय वैश्य महिला संगठन देवली ने एम सी एच मच की परीक्षा में राजस्थान स्वास्थ्य विश्वविद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले गोल्ड मेडलिस्ट डॉ राघव जिंदल का माला पहनकर स्वागत किया है । महिला संगठन की संरक्षिका कमलेश मुन्द्डा ने कहां कि, राघव की यह उपलब्धि जिंदल परिवार के लिए ही नहीं अपितु संपूर्ण वेश समाज और देवली वासियों के लिए गर्व का विषय है । यह सम्मान की बात है कि डॉ राघव न्यूरोसर्जरी में गोल्डमेडल प्राप्त करने वाले,शहर के प्रथम चिकित्सक हैं । इस सम्मान कार्यक्रम में डॉक्टर इंदु मंगल,रेखा जिंदल,कौशल्या जिंदल,शकुंतला जिंदल नीलम गुप्ता,बबीता गोयल,नीतू मंगल, मंजु तोतला, सुशीला गर्ग,ममता सिंघल इत्यादि उपस्थित रहे,। महिला संगठन के सभी पदाधिकारी और सदस्यों ने डॉ राघव का मुंह मीठा करवाते हुए उन्हें इस सफलता पर शुभकामनाओं सहित बधाइयां भेंट की इस अवसर पर डॉ राघव ने कहा कि वह जरूरत के समय सभी क्षेत्र वासियों के लिये चिकित्सा सेवाओं पर हमेशा समर्पित रहेंगे ।

### बारिश के बाद मौसम खुशनुमा

**फुलेरा ।** कस्बे में गुरुवार को दोपहर को हुई बारिश के बाद मौसम खुशनुमा हो गया। साथ ही गर्मी से भी राहत मिली है। हालांकि आकाश में सुबह से ही बादल छाए हुए थे। इसके बाद कुछ ही घन्टो के लिए तेज धूप निकली। इसके बाद अचानक तेज हवा के साथ बादल छाये और बारिश दौर प्रारंभ हुआ। जो कि करीब एक घन्टे तक लगातार चालू रहा। गौरतलब है कि उक्त बारिश दौरान रोड़ पर नालियों का गन्दा फैल गया। इसके चलते प्रशासन की सफाई व्यवस्था की हकीकत भी सामने आ गई। जहां एक ओर सरकार स्वच्छता के बड़े बड़े दावे कर रही है। वहीं धरातल पर हकीकत कुछ और ही बयां कर रही है। वैसे तो वैशाख माह में भीषण गर्मी पड़ती है। परन्तु बारिश हो जाने से कुछ सर्दी का अहसास हुआ इस कारण लोगों को कूलर पंखे बन्द करना पड़ा। क्षेत्र में बारिश के बाद किसानों के चेहरे खिल उठे है। इसके साथ ही वह अपने खेतों में अगली फसल उगाने की तैयारियों में जुट गये। किसानों से प्राप्त जानकारी के अनुसार इस वर्ष बारिश की जल्दी शुरुआत होने से आगामी खरीफ की फसल अच्छी पैदावार होने का अनुमान लगाया जा रहा है। वहीं दूसरी ओर उक्त बारिश से क्षेत्र में कूलर बेचने वाले व्यापारियों के चेहरे पर मायूसी दिखाई पड़ रही है।

### विशाल मेला 11 को

**कोटपूतली।** कस्बे की ढ़ाणी कायथावाली में श्री भोमियां जी महाराज का 54 वाँ विशाल मेला आगामी 11 मई को बड़े ही धूमधाम व हर्षोल्लास के साथ आयोजित किया जायेगा। इस अवसर पर 10 मई शनिवार को प्रात: 08 बजे से अखण्ड श्रीरामचरित्र पाठ, 11 मई रविवार को प्रात: 07.15 बजे से कलश यात्रा, प्रात: 09.15 बजे से हवन यज्ञ, दोपहर 12.15 बजे से प्रसादी वितरण एवं रात्रि 09.15 बजे से सत्संग का भी आयोजन किया जायेगा। आयोजन की तैयारियों को लेकर गुरूवार को श्री भोमियां जी महाराज मंदिर में श्री श्री 1008 श्री जानकीदास महाराज के सानिध्य में बैठक का आयोजन हुआ। इस दौरान बबलू बबेरवाल, बाबूलाल सैनी, जौहरीलाल सैनी, जगदीश सैनी, महावीर सैनी, राजेश सैनी, रामस्वरूप सैनी, नरेश सैनी, संजय दैया, तेजराम सैनी, ओमप्रकाश सैनी, महेंद्र सैनी, रमेश सैनी, हरि सैनी, मनोज सैनी, रोहतास सैनी आदि मौजूद रहे।
फोटो। कोटपूतली। 04। कार्यक्रम के बैनर का विमोचन करते ग्रामीण।

### अवैध बजरी व सट्रैक्टर-ट्रॉली जब्त

**निवाई।** बरोनी थाना पुलिस ने अवैध बजरी से भरे एक ट्रेलर व एक ट्रैक्टर-ट्रॉली को जब्त किया है। बरोनी थानाधिकारी बृजेन्द्रसिह राठौड ने बताया कि अवैध बजरी खनन व परिवहन की रोकथाम को लेकर पुलिस अधीक्षक विकास सांगवान व अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक बृजेन्द्रसिंह भाटी एवं डीवाईएसपी अरविन्दकुमार के निर्देशन में संचालित अभियान के दौरान थानाधिकारी के नेतृत्व में गठित टीम के हैड कानि शंकरलाल, कानि शेरसिंह, कानि हनूमान व चालक अजयराज ने गस्त के दौरान गांव बोरखण्डी पुलिया के पास से अवैध बजरी परिवहन कर रहे एक ट्रेलर को जब्त किया है। उन्होंने बताया कि द्वितीय टीम के पुलिस सहायक उप निरीक्षक सुरेन्द्र सिंह, कानि हेमराज, खियाराम व चालक रमेशचन्द ने गांव चिरोंज से अवैध बजरी से भरा एक ट्रैक्टर-ट्रॉली को जब्त किया है। उक्त दोनों वाहनों के चालकों व मालिकों के विरूद्ध मामला दर्ज किया है। उन्होंने बताया कि पुलिस अनुसंधान कर रही है।

### भीषण गर्मी में बेजुबान पक्षियों को बचाने के लिए 50 परिंडे लगाए

**शाहपुरा।** विश्वविधालय जयपुर के छात्रनेता विक्रम सैनी के सानिध्य में एवं दूरदर्शी सेवा संस्था जयपुर के तत्वाधान में भीषण गर्मी में बेजुबान पक्षियों का जीवन बचाने के लिए जगह जगह पानी के 50 परिंडे लगाए गए। इस दौरान छात्रनेता विक्रम सैनी व उनकी टीम ने परिंडो में नियमित पानी डालने और उनकी देखभाल व रखवाली करने का संकल्प लिया। सैनी ने बताया कि परिंडे लगाने के लिए समिति के सदस्य एवं कार्यकर्ताओं ने उत्साह के साथ हिस्सा लिया। समिति के मंत्री पीयूष सैनी ने कहा कि समिति की ओर से विभिन्न चिन्हित स्थानों पर 1000 परिंडे लगाने का लक्ष्य रखा गया है ओर समय-समय पर सामाजिक कार्य किए जाते रहेगे।

मैंने विकेटकीपिंग में 200 शिकार पूरे कर लिए। मैं 200 शिकार करने वाला पहला विकेटकीपर बना हूं। मेरे नाम सबसे ज्यादा 153 कैच और 47 स्टंपिंग रही। : **महेन्द्र सिंह धोनी**

चेन्नई के कप्तान, विकेटकीपिंग में 200 शिकार पूरे करने पर बोलते हुए।

# खेल जगत

**आज का खिलाड़ी**

## प्रियांश आर्या

प्रियांश आर्या और प्रभसिमरन सिंह क्रीज पर हैं। दोनों के बीच फिफ्टी पार्टनरशिप हो चुकी है। प्रियांश ने मिचेल स्टार्क के ओवर में लगातार दो चौके लगाए। दुष्मंथा चमीरा के ओवर की आखिरी बॉल पर प्रियांश आर्या ने चौका लगाते हुए स्कोर 50 पार पहुंचाया। इसी के साथ दोनों ओपनर्स ने फिफ्टी पार्टनरशिप कर ली है।मैच का पहला ओवर डाल रहे मिचेल स्टार्क ने 11 रन खर्च किए हैं। प्रियांश आर्या ने उनके ओवर की पहली दो बॉल पर लगातार दो चौके लगाए।

**क्या आप जानते हैं ?...** सनराइजर्स हैदराबाद के नाम आईपीएल इतिहास में सबसे.ज्यादा टीम स्कोर बनाने का रिकॉर्ड है, जिसने 15 अप्रैल, 2024 को बेंगलुरु में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के खिलाफ़ 287/3 का विशाल स्कोर बनाया था।

# एसएमएस स्टेडियम को बम से उड़ाने की धमकी

## पुलिस टीम, क्यूआरटी, बम निरोधक दस्ता सहित कई टीमें एसएमएस स्टेडियम पहुंची, चलाया सर्च अभियान

जयपुर, 8 मई। ज्योति नगर थाना इलाके में स्थित एसएमएस स्टेडियम में उस समय हडकंप मच गया जब क्रीड़ा परिषद को गुरुवार को बम से उड़ाने की धमकी भरा मेल किया गया। सूचना पर पुलिस टीम, क्यूआरटी, बम निरोधक दस्ता सहित कई टीमें एसएमएस स्टेडियम पहुंची और स्टेडियम को खाली करवाया गया। पुलिस ने तुरंत प्रतिक्रिया दल और बम निरोधक दस्ते की टीमें मैदान को सुरक्षित करने के लिए आयोजन स्थल पर पहुंच कर सर्च किया। एसएमएस स्टेडियम के बाहर का इलाके और बिल्डिंग को सर्च किया गया। जांच में एसएमएस स्टेडियम में कोई भी संदिग्ध वस्तु नहीं मिली है। पुलिस की टीमें ईमेल करने वाले व्यक्ति को ट्रेस कर रही है। खेल परिषद के अध्यक्ष नीरज के पवन ने बताया कि गुरुवार सुबह 9:13 पर ईमेल आया था,जहां कर्मचारियों ने ईमेल को ओपन करके देखा तो उसमें स्टेडियम को बम से उड़ाने की धमकी दी गई थी। मेल में लिखा था कि ऑपरेशन सिंदूर के सफल होने के बाद अब एसएमएस स्टेडियम को बम से उड़ाया जाएगा। मेल मिलने के बाद पुलिस कंट्रोल रूम को सूचना दी गई। पुलिस कंट्रोल रूम ने सभी अधिकारियों को बम का मेल मिलने की जानकारी दी। इसके बाद पुलिस टीम, क्यूआरटी, बम निरोधक दस्ता सहित कई टीमें एसएमएस स्टेडियम पहुंची और स्टेडियम को खाली करवाया गया। एसएमएस स्टेडियम के बाहर का इलाके और बिल्डिंग को सर्च किया गया। जांच में एसएमएस स्टेडियम में कोई भी संदिग्ध वस्तु नहीं मिली है। बम की सूचना मिलने के बाद अतिरिक्त पुलिस कमिश्नर कुंवर राष्ट्रदीप, पुलिस उपायुक्त जयपुर दक्षिण दिगंत आनंद सहित कई पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे। अतिरिक्त पुलिस कमिश्नर कुंवर राष्ट्रदीप ने बताया कि पुलिस मेल भेजने वाले की पहचान करने की कोशिश में जुट गई है। साथ ही साइबर टीम को भी अलर्ट पर रखा गया है। सुरक्षा की दृष्टि से स्टेडियम को पूरी तरह सील कर दिया गया है। पुलिस और सुरक्षा बलों ने करीब तीन घंटे तक एसएमएस स्टेडियम परिसर में सर्च अभियान चलाया। सर्च भी कुछ भी नहीं मिलने पर अधिकारियों ने राहत की सांस ली। पुलिस की साइबर शाखा ई-मेल भेजने वाले का पता लगाने की कोशिश कर रही है। इसी तरह का बम विस्फोट की धमकी भरा ई-मेल क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ बंगाल (सीएबी) के आधिकारिक अकाउंट पर भेजा गया, जिससे ईडन गार्डन्स में कोलकाता नाइट राइडर्स और चेन्नई सुपर किंग्स के बीच आईपीएल मैच के दौरान सुरक्षा व्यवस्था को लेकर बड़ा संकट पैदा हो गया था। गौरतलब है कि 16 मई को पंजाब किंग्स के खिलाफ मेजबान राजस्थान रॉयल्स के अंतिम आईपीएल मैच होना है। इससे कुछ दिन पहले सवाई मान सिंह स्टेडियम को उड़ाने की धमकी दी गई। सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए स्टेडियम को तुरंत खाली करा लिया है। इससे पहले 3 अप्रेल को जयपुर जिला कलेक्ट्रेट को बम से उड़ाने

# पाक अटैक के बीच पंजाब-दिल्ली मैच रद्द

## धर्मशाला मैदान में पाकिस्तान मुर्दाबाद के नारे लगे, दर्शकों को बाहर निकाला गया

धर्मशाला, 8 मई। पाकिस्तान के अटैक के बीच धर्मशाला के मैदान पर पंजाब किंग्स और दिल्ली कैपिटल्स के मैच को रोक दिया गया है। मैदान की सभी फ्लडलाइट्स बंद हैं और सभी फैंस को बाहर निकाला दिया गया है। मैदान से बाहर निकलते हुए फैंस ने पाकिस्तान मुर्दाबाद के नारे लगाए।

खेल रोके जाने तक पंजाब ने 10.1 ओवर में एक विकेट पर 122 रन बना लिए थे। प्रभसिमरन सिंह और श्रेयस अय्यर नाबाद लौटे। प्रियांश आर्या 70 रन बनाकर आउट हुए। उन्हें टी नटराजन ने माधव तिवारी के हाथों कैच कराया।

पाकिस्तान के अटैक के बीच धर्मशाला मैदान पर चल रहे मैच को रोक दिया गया है। मैदान की सभी फ्लड लाइट्स बंद कर दी गई हैं और फैंस को बाहर निकाला जा रहा है। 11वें ओवर में पंजाब ने पहला विकेट गंवाया। यहां प्रियांश आर्या 70 रन बनाकर आउट हुए। उन्हें टी नटराजन ने माधव तिवारी के हाथों कैच कराया। पारी के 10वें ओवर में प्रियांश आर्या ने कुलदीप यादव की बॉल पर लगातार दो छक्के लगाए। इसी ओवर में प्रभसिमरन सिंह ने भी चौका लगाया। उन्होंने फिफ्टी पूरी की है।

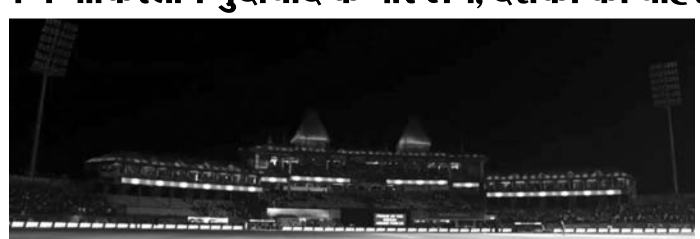

9वें ओवर में प्रभसिमरन सिंह ने माधव तिवारी के ओवर में लगातार दो चौके लगाए। उन्होंने तीसरी और चौथी बॉल को बाउंड्री के पार पहुंचाया। इसी के साथ पंजाब का स्कोर 100 पार पहुंच गया है। टीम के ओपनर्स क्रीज पर हैं। टॉस जीतकर बैटिंग कर रही पंजाब की टीम ने मजबूत शुरुआत की है। टीम ने शुरुआत 6 ओवर में बिना नुकसान के 69 रन बना लिए हैं। टीम के ओपनर्स नाबाद है।

पंजाब ने चौथे ओवर में 50 रन का आंकड़ा पार कर लिया है। दुष्मंथा चमीरा के ओवर की आखिरी बॉल पर प्रियांश आर्या ने चौका लगाते हुए स्कोर 50 पार पहुंचाया। इसी के साथ दोनों ओपनर्स ने फिफ्टी पार्टनरशिप कर ली है। मैच का पहला ओवर डाल रहे मिचेल स्टार्क ने 11 रन खर्च किए हैं। प्रियांश आर्या ने उनके ओवर की पहली दो बॉल पर लगातार दो चौके लगाए।

# मुंबई पंजाब मैच धर्मशाला से अहमदाबाद शिप्ट, मैच 11 मई को

**मुंबई पंजाब मैच धर्मशाला से अहमदाबाद शिप्ट, मैच 11 मई को**

नई दिल्ली, 8 मई। पंजाब किंग्स और मुंबई इंडियंस के बीच 11 मई को धर्मशाला में होने वाला मैच अहमदाबाद शिफ्ट कर दिया गया है। मैच लॉजिस्टिक कारणों से अहमदाबाद शिफ्ट किया गया है। गुजरात क्रिकेट एसोसिएशन के सचिव अनिल पटेल ने से इस बात की पुष्टि की। पटेल ने कहा, ने हमसे अनुरोध किया और हमने स्वीकार कर लिया। ने भी इसे कन्फर्म कर दिया।

पंजाब किंग्स का मुकाबला आज धर्मशाला में दिल्ली कैपिटल्स से होगा। 22 अप्रैल को पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में भारत ने पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में 9 ठिकानों पर मिसाइल हमले किए। इसके बाद से देश में उत्तर और पश्चिम हिस्सों के कम से कम 18 हवाई अड्डे बंद कर दिए गए, जिनमें धर्मशाला भी शामिल हैं। जिसके बाद यह निर्णय लिया गया है।

बुधवार को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम को बम से उड़ाने की धमकी मिली थी। गुजरात क्रिकेट एसोसिएशन को पाकिस्तान से धमकी भरा ईमेल आया था। पुलिस ने धमकी के बाद बम निरोधक दस्ते के साथ स्टेडियम की जांच की थी।

इस स्टेडियम में के 2 मैच खेले जाने हैं अहमदाबाद के इस स्टेडियम में अभी के दो मैच और खेले जाने हैं। पहला मैच 14 मई को और दूसरा मैच 18 मई को खेला जाएगा। गुजरात पहले मैच में लखनऊ सुपर जायंट्स का सामना करेगी, जबकि दूसरे मुकाबले में चेन्नई सुपर किंग्स का मुकाबला करेगी। दुनिया का सबसे बड़ा स्टेडियम है नरेंद्र मोदी स्टेडियम नरेंद्र मोदी स्टेडियम दुनिया का सबसे बड़ा क्रिकेट स्टेडियम है। इसकी दर्शक क्षमता 1 लाख 32 हजार है। इससे पहले दुनिया के सबसे बड़े क्रिकेट स्टेडियम में ऑस्ट्रेलिया के मेलबर्न का नाम शुमार था। की क्षमता एक लाख दर्शक है।

पंजाब के पास नंबर-1 पर पहुंचने का मौका पंजाब किंग्स के 11 मैचों में 7 जीत और 1 बेनतीजा मैच से 15 पॉइंट्स हैं। टीम फिलहाल तीसरे नंबर पर है। आज का मैच जीतकर पहले नंबर पर पहुंच जाएगी और प्लेऑफ में जगह लगभग पक्की कर लेगी। हालांकि, टीम को जगह कन्फर्म करने के लिए उसके बाद भी 2 में से 1 मैच जीतने की जरूरत पड़ सकती है। अगर आज हारी तो उन्हें फिर बचे हुए दोनों मैच जीतने होंगे।

## राजस्थान रॉयल्स ने चोटिल नितीश राणा की जगह लुआन-ड्रे प्रिटोरियस को शामिल किया

जयपुर, 8 मई। राजस्थान रॉयल्स ने नितीश राणा की जगह दक्षिण अफ्रीका के बाएं हाथ के बल्लेबाज लुआन-ड्रे प्रीटोरियस को शामिल किया है, जो पिंडली की चोट के कारण टाटा इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के शेष मैचों से बाहर हो गए हैं। फ्रैंचाइज़ी ने नितीश को उनके योगदान के लिए धन्यवाद दिया और उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। होनहार युवा शीर्ष क्रम के बल्लेबाज प्रीटोरियस ने 33 टी20 मैचों में भाग लिया है, जिसमें उन्होंने 97 के उच्चतम स्कोर सहित 33 टी20 मैचों में 911 रन बनाए हैं।

**अनुराग मिश्रा स्मृति बी डिवीजन लीग**

## पोस्टल क्रिकेट क्लब इंडिया पोस्ट ने आरबीआई रिक्रिएशन क्लब को हराया

जयपुर, 8 मई। जयपुर जिला क्रिकेट संघ द्वारा आयोजित अनुराग मिश्रा स्मृति बी डिवीजन लीग के पूल डी के मैच में पोस्टल क्रिकेट क्लब इंडिया पोस्ट (पी टी) ने आर बी आई रिक्रिएशन क्लब को 9 विकेट से हराया। के एल सैनी स्टेडियम पर आर बी आई रिक्रिएशन क्लब ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए प्रणय शर्मा के 47 रन, प्रिन्स के 29 रन व मनोज के 10 रनों से 21.1 ओवर में 116 रन बनाए।

पी टी क्रिकेट क्लब इण्डिया पोस्ट के लिए चंद्र पाल सिंह ने 27 पर 3, भैरा राम ने 21 पर 2, रवि शर्मा ने 30 पर 2, रजत छप्परवाल ने 4 पर 2 व सौरभ चौहान ने एक विकेट लिया। जवाबी पारी में पोस्टल क्रिकेट क्लब इंडिया पोस्ट (पी टी) ने नरेश गहलोत के 39 रन नाबाद, रजत छप्परवाल के 29 रन व अजीम अख्तर के 35 रन नाबाद से 8.5 ओवर में एक विकेट पर 117 रन बनाकर मैच जीत लिया। आर बी आई रिक्रिएशन क्लब के लिए राजेश विश्नोई जूनियर ने एक विकेट लिया।

## काल्विन शील्ड क्रिकेट प्रतियोगिता के लिए ट्रायल कल

जयपुर, 8 मई। राजस्थान क्रिकेट संघ के तत्वाधान में 15-17 मई से आयोजित होने वाली कॉल्विन शील्ड क्रिकेट प्रतियोगिता के लिए दौसा जिले की टीम चयन के लिए ट्रायल 10 मई 2025 को सुबह 8 बजे से राजेश पायलट राजकीय स्टेडियम दौसा पर रखी गई है। जिला क्रिकेट संघ दौसा के सचिव ब्रजकिशोर उपाध्याय ने बताया की खिलाड़ियों के दस्तावेजों का बायोमेट्रिक तरीके से सत्यापन किया जाएगा एवं जो भी खिलाडी सत्यापन के दौरान फर्जी पाए जाएंगे उन सभी खिलाडियों पर जिला क्रिकेट संघ सख्त कार्रवाई करेगा इस ट्रायल को देने वाले इच्छुक खिलाड़ी अपने साथ जन्म प्रमाण पत्र (डिजिटल वाला) मूल निवास प्रमाण पत्र (डिजिटल), आधार कार्ड स्वयं का और माता-पिता का दसवीं की मार्कशीट, वोटर आई डी आदि डॉक्यूमेंट ओरिजिनल साथ लाना अनिवार्य है। साथ ही सभी खिलाड़ियों की हिस्ट्री भी चेक की जाएगी। इसके अलावा खिलाड़ियों को खेलने के लिए अपनी किट, सफेद टीशर्ट और शूज के साथ आना अनिवार्य है। सचिव बृजकिशोर उपाध्याय ने बताया की संभावित टीम का फ्री और फेयर सिलेक्शन के लिए हमने कठोर मापदंड तय किया है जिसमे सभी खिलाड़ियों की ट्रायल जिले के बाहर के सिलेक्टर्स से करायेंगे और उसके पश्चात ट्रायल में पास हुए खिलाड़ियों का आपस में तीन चार मैच करायेंगे। मैच में अच्छी परफॉरमेंस वाले खिलाड़ियों का संभावित टीम में चयन किया जाएगा।

**27वीं नवीन-नफीस ईनामी राशि लीग कम नॉकआउट क्रिकेट प्रतियोगिता**

# रक्षित लूणावत की शानदार पारी से सोनी एकेडमी जीती

जयपुर, 8 मई। यूनियन क्रिकेट क्लब द्वारा आयोजित 27वीं नवीन- नफीस स्मृति क्रिकेट प्रतियोगिता में आज सेण्डफोल्ड क्रिकेट ग्राउण्ड कालवाड़ रोड पर खेले गये पूल-ई के मैच में रक्षित लूणावत 67 रन (49 गेंद, 4 चौके 4 छक्के), की अद्धर्शतकीय पारी, यश चौधरी 37 रन पर 3 विकेट की शानदार गेन्दबाजी की बदोलत सोनी क्रिकेट एकेडमी ने एमी क्रिकेट एकेडमी को 6 विकेट से हराकर 2 अंक अर्जित किये।

टॉस जीतकर ऐमी क्रिकेट एकेडमी ने पहले बल्लेबाजी करते हुये नावेद खान 65 रन (40 गेन्द्र 3 चौके, 5 छक्के), अमन खिलजी 34 रन नाबाद, लोकेश लाल 21 रन, मनीष 20 रन की मदद से निर्धारित 20 ओवर में 8 विकेट खोकर 170 रन बनाये गेन्दबाजी में सोनी एकेडमी की ओर से यश चौधरी 37 रन पर 3 विकेट परिक्षित शर्मा 22 रन पर 2 विकेट भवानी चौधरी 30 रन पर 2 विकेट, ललित शेरावत 30 रन पर 1 विकेट लेकर सफल गेन्दबाज रहे। 171 रन के विजय लक्ष्य को लेकर खेलने उतरी सोनी क्रिकेट एकेडमी में रक्षित लूणावत 67 रन (49 गेन्द, 4 चौके, 4 छक्के), हितार्थ डेगरा 32 रन नाबाद, नविन बिश्नोई 22 रन नाबाद, ललित शेरावत 21 रन, यश चौधरी 19 रन की मदद से विजय लक्ष्य 173 रन 4 विकेट खोकर 19.3 ओवर में हासिल कर 6 विकेट से जीत दर्ज कर ली गेन्दबाजी में एमी एकेडमी की ओर से नावेद खान, मनीष, अरमान खान तथा आयुष आमेरिया प्रत्येक 1-1 विकेट लेकर सफल गेन्दबाज रहे।

# राजस्थान की दिव्यांशी, गौरवी और सुभाष अपने-अपने वर्ग में चैम्पियन

## अयान वजीरअली ने पुरुष और सान्या वत्स ने जीता महिला वर्ग का खिताब

जयपुर, 8 मई। महाराष्ट्र के अयान वजीरअली और दिल्ली की सान्या वत्स ने गुरुवार को जयपुर में संपन्न प्रगति ग्लास नार्दन स्लैम ओपन स्क्वैश चैंपियनशिप में क्रमशः पुरुष और महिला वर्ग का एकल खिताब जीत लिया। राजस्थान की दिव्यांशी जैन, गौरवी अजमेरा और सुभाष चौधरी ने भी अपने- अपने वर्ग में खिताबी जीत दर्ज की।

राजस्थान स्क्वैश एकेडमी कोर्ट्स पर खेले पुरुष वर्ग के फाइनल मुकाबले में अयान ने तमिलनाडु के गुहान सेंथिल कुमार को सीधे सेटों में 3-0 से शिकस्त दी। वहीं महिला वर्ग की खिताबी टक्कर में सान्या ने महाराष्ट्र की निरुपमा दुबे को 3-1 से पराजित किया। समापन समारोह में प्रगति ग्लास डायरेक्टर आशीष गुप्ता और रामबाग गोल्स क्लब के सचिव समृद्ध शर्मा ने विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए। आयोजन समिति की अध्यक्ष सुरभि मिश्रा ने अतिथियों का स्वागत किया और सभी का आभार व्यक्त किया।

### ये भी रहे विजेता

गर्ल्स अंडर-11 में आलिया कांकरिया (बंगाल) ने सानवी टिर्के (कर्नाटक) को 3-0 से, बॉयज अंडर- 11 में एरोन अरांभन (महाराष्ट्र) ने तिलकवीर कपूर (महाराष्ट्र) को 3-0 से हरा खिताब जीता। अंडर-13 बॉयज में शयान समतानी (अमेरिका) ने प्रभव बाजोरिया (राजस्थान) को 3-0 से हरा खिताब जीता। अंडर-15 बॉयज में श्रेयांस झा (महाराष्ट्र) ने श्रेष्ठ अय्यर (कर्नाटक) को 3-1 से और गर्ल्स में दिवा परसरामपुरिया (तमिलनाडु) ने गौरी जायसवाल (राजस्थान) को 3-1 से हरा खिताब जीता। अंडर-17 गर्ल्स में आराध्या पोरवाल (दिल्ली) ने आकांक्षा गुप्ता (महाराष्ट्र) को 3-0 सो हरा खिताब जीता। अंडर-19 बॉयज में गुरवीर सिंह (दिल्ली) ने करण यादव (यूपी) को 3-1 से, गर्ल्स में उन्नित त्रिपाठी (यूपी) ने नव्या सुन्दराजन (यूपी) को 3-0 से हरा खिताब जीता।

### राजस्थान के चैंपियन

दिव्यांशी जैन ने अंडर-13 गर्ल्स के फाइनल में हरियाणा की छवि पांचाला को 3-0 से हरा खिताब अपने नाम किया। वहीं अंडर- 9 गर्ल्स के फाइनल में गौरवी अजमेरा ने हरियाणा की अवनी नंदल को 3-0 से शिकस्त दी। बॉयज अंडर-17 के फाइनल मुकाबले में राजस्थान के सुभाष चौधरी ने महाराष्ट्र के पूरव रांबिया 3-0 से पराजित कर खिताब जीता।


**नगर परिषद सुजानगढ (चूरू) राजस्थान**

E-mail id:- nps222419@gmail.com Phone no. 01568-222419

क्रमांक :-न.प.सु/सफाई शाखा/2025/873 दिनांक :- 05.05.2025

**:-ई-निविदा सूचना-2025-26:-**

नगर परिषद सुजानगढ़ द्वारा विभिन्न प्रकार के कार्यों के लिये उपयुक्त सक्षम श्रेणी के राज्य सरकार के विभागों में प्रजीकृत ठेकेदारों/फर्मों से निविदा दिनांक 21.05.2025 तक आमन्त्रित की जाती है। निविदा प्रपत्रों को वेबसाईट https://eproc.rajasthan.gov.in से डाउनलोड कि जा सकता है एवं निविदा से संबंधित विस्तृत विवरण वेबसाईट www.sppp.raj.gov.in पर प्राप्त की जा सकती है। निविदा का बीड कमांक (DLB2526SLOB03840), (DLB2526SLOB03844) है। कार्यालय समय में किसी भी कार्य दिवस को नगर परिषद सुजानगढ के कार्यालय में एवं सूचना बोर्ड पर देखी जा सकती है।

राज.संवाद/सी/25/1904 आयुक्त नगर परिषद सुजानगढ

**नगर परिषद सुजानगढ (चूरू) राजस्थान**

E-mail id:- nps222419@gmail.com Phone no. 01568-222419

क्रमांक :-न.प.सु/विकास शाखा/2025/836 दिनांक :- 02.05.2025

**:-ई-निविदा सूचना-2025-26:-**

नगर परिषद सुजानगढ़ द्वारा विभिन्न प्रकार के कार्यों के लिये उपयुक्त सक्षम श्रेणी के राज्य सरकार के विभागों में प्रजीकृत ठेकेदारों/फर्मों से निविदा दिनांक 19.05.2025 तक आमन्त्रित की जाती है। निविदा प्रपत्रों को वेबसाईट https://eproc.rajasthan.gov.in से डाउनलोड कि जा सकता है एवं निविदा से संबंधित विस्तृत विवरण वेबसाईट www.sppp.raj.gov.in पर प्राप्त की जा सकती है। निविदा का बीड कमांक (DLB2526WSOB03814), (DLB2526WSOB03817) है। कार्यालय समय में किसी भी कार्य दिवस को नगर परिषद सुजानगढ के कार्यालय में एवं सूचना बोर्ड पर देखी जा सकती है।

राज.संवाद/सी/25/1903 आयुक्त नगर परिषद सुजानगढ

राजस्थान-सरकार

**कार्यालय प्रधानाचार्य राजकीय आयुर्विज्ञान महाविद्यालय एवं नियंत्रक सलंग्न चिकित्सालय समूह कोटा**

web: https://medicaleducation.rajasthan.gov.in/mckota

e-mail:principalmck@gmail.com Tel 0744-2470674

कमांकः प. ()/ सी.एस.एस./ स्किल सेन्टर / 2025-26/34 दिनांक 26-04-2025

**ऑन लाइन बोली सूचना संख्या 04/2024-25 (E-Tender)**

चिकित्सा महाविद्यालय में नवनिर्मित Skill Centre के लिए उपकरण, फर्नीचर, कन्जूमेबल आदि (Turnkey Project) क्रय हेतु जिनकी अनुमानित लागत राशि रु 150.00 लाख है। मूल विनिर्माताओ / अधिकृत विक्रेताओ / वितरकों / सद्भावी व्यवहारियों से ई-उपापन प्रकिया के माध्यम से दिनांक 27-04-25 प्रातः 10.00 बजे से दिनांक 16-05-25 सांय 05.00 बजे तक ऑनलाईन बोली आमंत्रित की जाती है। बोली से सम्बन्धित समस्त विवरण वेबसाइट www.eproc.rajasthan.gov.in एवं www.sppp.rajasthan.gov.in पोर्टल पर देखा जा सकता है। UBN: CMK2526GLOB00023

DIPR/C/5920/2025 प्रधानाचार्य एवं नियंत्रक

**कार्यालय जिला परिषद, धौलपुर**

क्रमांकः जिपधौ/स्टोर/2024-25/26 दिनांक:28/04/2025

**Notice-Inviting-Bid (NIB)**

Bids for Construction of Toilet Complex, pantry and other miscellenous construction works near Zila Parishad Meeting Hall building in Zila Parishad, Dholpur of estimated value INR 15.00 Lacs are invited from interested bidders up to 15.05.2025 till 11.00 hrs. Other particulars of the bid may be visited on the https://eproc.rajasthan.gov.in or https://sppp.rajasthan.gov.in/ of the state.

UBN No- ZDH2526WSOB00058

NIB No.- ZDH2526A0047

e-Proc ID 2025_PRD_463494_1

(आव्हाद निवृत्ती सोमनाथ) I.A.S. मुख्य कार्यकारी अधिकारी, जिला परिषद, धौलपुर

DIPR/C/5998/2025

**कार्यालय नगर निगम, उदयपुर**

टाउनहॉल लिंक रोड, उदयपुर (राज.) 313001

दुरभाष स. 0294-2421255, 2420013, Helpline no. 0294-2426262 वेबसाइट www.mcudaipur.org.com

क्रमांक : निविजा/2025-26/ई -03 दिनांक :- 07.05.2025

**(ई-भुगतान) बोली आमन्त्रण सूचना संख्या - ई 03/2025-26**

नगर निगम कार्यालय उदयपुर द्वारा विभिन्न विकास कार्यो हेतु कुल राषि रु0 21.98 लाख के कुल 02 कार्यो हेतु इच्छुक निविदादाताओं से निर्धारित निविदा प्रपत्र में ई-प्रोक्यूरमेन्ट प्रक्रिया के तहत निविदा आमंत्रित की जाती है निविदा के कार्यो की प्रारम्भ तिथि 08.05.2025 एवं अंतिम तिथि 19.05.2025 तथा निविदा खुलने की तिथी 20.05.2025 रहेगी निविदा से संबंधित अन्य समस्त विवरण इंटरनेट साईट www.eproc.rajasthan.gov.in, www.sppp.rajasthan.gov.in पर देखे जा सकते है। UBN No. UNP2526WSOB00019

राज.संवाद/सी/25/1977 अधीक्षण अभियन्ता, नगर निगम, उदयपुर

**Rajasthan Skill and Livelihoods Development Corp.**

Kaushal Bhawan, J8-B, Jhalana Institutional Area, Jaipur-302004

**Notice Inviting Expression of Interest (EOI)**

Rajasthan Skill and Livelihoods Development Corporation (RSLDC) invites Proposals from eligible organizations/Agencies against Expression of Interest to undertake skill training under Deen Dayal Upadhyaya Gramin Kaushalya Yojana (DDU-GKY 2.O) for RSLDC.

Interested organizations/Agencies may apply through the portal https://kaushal.rural.gov.in within 21 calendar day from floating the EOI.

Dated :- 05 May, 2025 Managing Director, RSLDC

Raj.Samwad/C/25/1919

**कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता जल संसाधन खण्ड झालावाड**

क्रमांकः- अअ/ज.सं.झा./ लेखा/निविदा-1/2025-26/200-22 दिनांकः-24-4-2025

**ई-निविदा सूचना संख्या 01 वर्ष 2025-26**

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से निम्न हस्ताक्षरकर्ता द्वारा नवीन पंजीकरण नियमों के अन्तर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारो / फार्मो से 1. Renovation of hanuman ji anicut gram soomar (PS) Khanpur District Jhalawar 2. Construction of Rampura Anicut Grampanchayat-Bhagwanpura Tehsil khanpur, District Jhalawar 3. Construction of Angora Anicut Gram panchayat- Mori Bhimsagar Tehsil khanpur, District Jhalawar 4. Renovation work of Bilasara Talab P.S Khanpur DIST. Jhalawar Under Atal Bhujal Yojna के 04 कार्य की ई-निविदा आमंत्रित की जाती है, जिसकी अनुमानित लागत 357.84 लाख है। उक्त निविदा में अधिकतम कार्य की लागत रू0 176.46 लाख एवं न्यूनतम कार्य की लागत रू0 34.29 लाख है। ई-निविदा निर्धारित प्रपत्र में ई-टेण्डरिंग के माध्यम से http://eproc.rajasthan.gov.in की वेबसाइट से डाउनलोड एवं अपलोड की जायेगी निविदा से संबंधित विवरण विभाग की वेबसाइट waterresources.rajasthan.gov.in एवं http://sppp.raj.nic.in पर भी देखा जा सकता है। निविदा दिनांक 28.04..2025 से प्रातः 9.30 से 12.05.2025 सायः 6.00 बजे तक http://eproc.rajasthan.gov.in पर अपलोड़ की जा सकती है/देखी जा सकती है। निविदा दिनांक 13.05.2025 को सायः 4:00 बजे खोली जायेगी।

NIB code: WRD2526A0041

UBN NO :- WRD2526WSOB00079, WRD2526WSOB00080 WRD2526WSOB00081, WRD2526WSOB00082

(पंकज सिंह) अधिशाषी अभियन्ता जल संसाधन खण्ड झालावाड

DIPR/C/5822/2025

**कार्यालय नगर परिषद बून्दी**

क्रमांकः-712 दिनांकः- 05.05.2025

**-:: संशोधित निविदा सूचना ::-**

नगर परिषद बून्दी द्वारा जारी निविदा सं0: निर्माण/2025-26/409 दिनांक 22/04/2025 की निविदा दिनांक 22/04/2025 से दिनांक 05/05/2025 शायः 6.00 बजे तक ऑनलाईन विक्रय करने एवं दिनांक 06/05/2025 को 3.00 बजे तक प्राप्त करने तथा निविदा दिनांक 07/05/2025 को 04.00 बजे ऑनलाईन खोली जाने हेतु निविदा आमंत्रित की गई थी। उक्त निविदा में संशोधन करते हुए निविदा दिनांक 12.05.2025 को शायः 6.00 बजे तक ऑनलाईन विक्रय की जायेगी। निविदा दिनांक 13/05/2025 को 3.00 बजे तक प्राप्त करने तथा निविदा दिनांक 13/05/2025 को 04.00 बजे ऑनलाईन खोली जायेगी। विस्तृत शर्ते व विवरण निविदा sppp.rajasthan.gov.in/ eproc.rajasthan.gov.in पर DLB2526WSOB02363, DLB2526WSOB02364, DLB2526WSOB02365, DLB2526WSOB02366, DLB2526WSOB02367, DLB2526WSOB02368, DLB2526WSOB02369, DLB2526WSOB02370, DLB2526WSOB02371, DLB2526WSOB02372, DLB2526WSOB02373, DLB2526WSOB02374, DLB2526WSOB02375, DLB2526WSOB02376, DLB2526WSOB02377, DLB2526WSOB02378, DLB2526WSOB02379, DLB2526WSOB02380, DLB2526WSOB02381, DLB2526WSOB02382, DLB2526WSOB02383, DLB2526WSOB02384, DLB2526WSOB02385, DLB2526WSOB02386, DLB2526WSOB02387, DLB2526WSOB02388, DLB2526WSOB02389, DLB2526WSOB02390, DLB2526WSOB02391, DLB2526WSOB02392, DLB2526WSOB02393, DLB2526WSOB02394, DLB2526WSOB02395, DLB2526WSOB02396, DLB2526WSOB02397, DLB2526WSOB02398, DLB2526WSOB02399, DLB2526WSOB02400, DLB2526WSOB02401, DLB2526WSOB02402, DLB2526WSOB02403, DLB2526WSOB02404, DLB2526WSOB02405, DLB2526WSOB02406, DLB2526WSOB02407, DLB2526WSOB02408, DLB2526WSOB02409, DLB2526WSOB02410, DLB2526WSOB024112 तथा कार्यालय समय मे किसी भी कार्यदिवस को नगर परिषद मे देखा जा सकता है।

राज.संवाद/सी/25/1912 आयुक्त नगर परिषद, बून्दी

# राज्य सरकार ने सभी कार्मिकों की छुट्टी रद्द की

## मुख्यमंत्री भजनलाल ने आपातकालीन परिस्थितियों में नागरिक सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश दिये

■ सीमा पर उत्पन्न तनावपूर्ण स्थिति के मद्देनज़र मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने उच्च अधिकारियों की सुरक्षा व्यवस्था संबंधी बैठक में सीमावर्ती क्षेत्रों में आवश्यक मानव संसाधनों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने को कहा।

*मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मुख्यमंत्री निवास पर सुरक्षा व्यवस्था के संबंध में आयोजित उच्च स्तरीय बैठक को संबोधित किया। उन्होंने सीमा पर उत्पन्न हुईं तनावपूर्ण परिस्थितियों के मद्देनजर, प्रदेशभर, विशेषकर सीमावर्ती जिलों की सुरक्षा व्यवस्था के संबंध में निर्देश दिए।*

जयपुर, 8 मई। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सीमा पर उत्पन्न हुईं तनावपूर्ण परिस्थितियों के मद्देनजर, प्रदेशभर, विशेषकर सीमावर्ती जिलों की सुरक्षा व्यवस्था के संबंध में निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि सीमावर्ती क्षेत्रों में आवश्यक मानव संसाधनों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की जाए, ताकि आपातकालीन स्थिति में नागरिकों के लिए सेवाएं बाधित न हों और उन्हें हर तरह की सहायता त्वरित मिल सके। शर्मा ने सभी राजकीय कार्मिकों की छुट्टियां निरस्त करने और उन्हें मुख्यालय पर उपस्थित रहने के संबंध में निर्देश भी दिए।

शर्मा गुरूवार शाम को मुख्यमंत्री निवास पर सुरक्षा व्यवस्था के संबंध में आयोजित उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि पाकिस्तान बॉर्डर पर स्थित हमारा राज्य सुरक्षा की दृष्टि से संवेदनशील है। ऐसे में राष्ट्रीय हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए सभी अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन करें। पुलिस एवं प्रशासन के अधिकारी सुरक्षा की दृष्टि से सभी आवश्यक कदम उठाएं। आपातकालीन परिस्थितियों में नागरिक सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए योजनाबद्ध तरीके से कार्य किया जाएं। उन्होंने कहा कि ब्लैकआउट ड्रिल की सख्ती से अनुपालना हो और किसी भी तरह की कोताही नहीं बरती जाए।

मुख्यमंत्री ने एसडीआरफ की यूनिट्स को सीमावर्ती क्षेत्रों में भेजने के निर्देश दिए। साथ ही, शर्मा ने श्रीगंगानगर, बीकानेर, जैसलमेर, बाड़मेर के लिए 5 करोड़ रूपए और फलौदी, जोधपुर एवं हनुमानगढ़ के लिए 2 करोड़ 50 लाख रूपये की अतिरिक्त वित्तीय सहायता जारी करने के निर्देश दिए, जिससे ये जिले आपातकालीन स्थिति में आवश्यक उपकरण एवं सेवाएं नियोजित कर सकेंगे।

उन्होंने सीमावर्ती जिलों में आरएसी और होमगार्ड की अतिरिक्त कंपनियां उपलब्ध कराने के लिए भी निर्देशित किया। साथ ही, शर्मा ने अतिरिक्त फायर ब्रिगेड और एम्बुलेंस की सेवाएं सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि चिकित्सालयों में पर्याप्त दवा और एम्बुलेंस की उपलब्धता सुनिश्चित करें और ब्लड बैंकों में आवश्यक संसाधन उपलब्ध रहें।

बैठक में मुख्य सचिव सुधांश पंत, पुलिस महानिदेशक यू.आर. साहू, अतिरिक्त मुख्य सचिवगृह आनंद कुमार, महानिदेशक इंटेलिजेंस संजय अग्रवाल, अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक कानून-व्यवस्था विशाल बंसल उपस्थित रहे।

## कार्डिनल रॉबर्ट प्रीवोस्ट होंगे नये पोप

जयपुर, 8 मई। दुनिया को नया पोप मिल गया है। 69 साल के रॉबर्ट फ्रांसिस प्रीवोस्ट को नया पोप चुन लिया गया है। वो अमेरिका से पोप बनने वाले पहले कार्डिनल हैं। उन्होंने अपने लिए पोप लियो-14 नाम चुना है।

133 कार्डिनल्स ने वोटिंग के जरिए दो-तिहाई बहुमत (89 वोट) से उन्हें पोप चुना। 1900 के बाद से यह पांचवां मौका है जब नए पोप को दो दिनों में चुन लिया गया।

वोटिंग के दूसरे ही दिन रोमन कैथोलिक चर्च के सिस्टीन चैपल पर

■ इन्हें पोप लियो का नाम दिया गया है।

स्थित चिमनी से सफेद धुआं निकला, जिससे पता चलता है कि नए पोप का चयन हो गया है। रॉबर्ट फ्रांसिस प्रीवोस्ट एक अमेरिकी कैथोलिक नेता हैं। उनका जन्म 14 सितंबर 1955 को शिकागो में हुआ। वे 2025 में पोप चुने गए। पोप फ्रांसिस की मृत्यु 21 अप्रैल 2025 को हुई। प्रीवोस्ट नए पोप लियो हैं। यह खबर 8 मई 2025 को आई।

प्रीवोस्ट का जन्म शिकागो में हुआ। उनके माता-पिता फ्रांसीसी, इतालवी और स्पेनिश मूल के थे। उन्होंने 1977 में विलानोवा यूनिवर्सिटी से गणित में डिग्री ली।

## विदेश मंत्री ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

उन्होंने कहा कि उन्होंने आतंकवाद का दृढ़ता से मुकाबला करने के लिए भारत की लक्षित और संतुलित प्रतिक्रिया पर चर्चा की। किसी भी वृद्धि पर कड़ी प्रतिक्रिया देखने को मिलेगी। पाकिस्तान के ड्रोन अटैक को भारत ने नाकाम कर दिया है। वहीं अब भारतीय सेनाएं पाकिस्तान को जवाबी कार्रवाई देने के लिए तैयार है। इस बीच एनएसए अजीत डोभाल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को स्थिति की जानकारी दी है।

# पाकिस्तान के हमले के जवाब में लाहौर का एयर डिफेंस सिस्टम नष्ट

## पाकिस्तान के 15 शहरों पर किये हमले को भारत ने विफल किया

■ पाकिस्तान पर जवाबी हमलों में भारतीय सेना हैरोप ड्रोन का उपयोग कर रही है। यह इज़रायल का बनाया हुआ ड्रोन है। यह आसमान में घूमता रहता है तथा जब आदेश मिलता है तब आक्रमण करता है।

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 8 मई। देश के उत्तरी पश्चिमी हिस्सों में कई स्थानों को टारगेट बनाकर किये गये पाकिस्तानी हमलों के जवाब में, भारत ने गुरुवार को पाकिस्तान के कई शहरों, जिनमें लाहौर और रावलपिंडी भी शामिल हैं, के एयर डिफेन्स रडारों और सिस्टम्स को टारगेट बनाकर बदला लिया।

अधिकारियों ने यहाँ बताया कि लाहौर में एक एयर डिफेन्स सिस्टम "निष्क्रिय कर दिया गया है।" रावलपिंडी क्रिकेट स्टेडियम पर भी ड्रोन हमले की खबरें आई हैं।

आज अपरान्ह काल में, प्रेस इन्फॉर्मेशन ब्यूरो (पीआईबी) की एक विज्ञप्ति में कहा गया, "7-8 मई 2025 दरमियानी के रात को ड्रोन और मिसाइलों को काम में लेते हुये, पाकिस्तान ने उत्तरी तथा पश्चिमी भारत के कई सैन्य ठिकानों को निशाना बनाने की कोशिश की। इनमें शामिल हैं- अवन्तीपुरा, श्रीनगर, जम्मू, पठानकोट, अमृतसर, कपूरथला, जलांधर लुधियाना आदमपुर, बठिंडा, चण्डीगढ़, नाल, फलौदी, उत्तरलाई तथा भुज।"

विज्ञप्ति में आगे कहा गया, "ये (पाकिस्तान के हमले) इन्टीग्रेटेड काउन्टर यूएएस ग्रिड तथा एयर डिफेन्स सिस्टम द्वारा नाकाम कर दिये गये। कई स्थानों से इन हमलों का मलबा इकट्ठा किया जा रहा है। यह मलबा पाकिस्तानी हमलों के प्रमाण दे रहा है।" दिल्ली ने कहा है कि भारत के हमले की प्रबलता भी पाकिस्तान के हमले जैसी ही थी।

बुधवार की सुबह पीआईबी की विज्ञप्ति में कहा गया था, "भारतीय सशस्त्र सेनाओं ने पाकिस्तान में कई स्थानों पर एयर डिफेन्स रडारों तथा सिस्टमों को निशाना बनाया। भारत के जवाब का प्रभाव क्षेत्र तथा प्रबलता पाकिस्तान के हमले जैसी ही थी। विश्वस्त सूत्रों से ज्ञात हुआ है कि लाहौर का एक एयर डिफेन्स सिस्टम निष्क्रिय कर दिया गया है।"

विज्ञप्ति में आगे कहा गया कि पाकिस्तान ने नियंत्रण रेखा के इर्द-गिर्द अकाकरण की गोलीबारी की तीव्रता बढ़ा दी तथा जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा, बारामूला, उरी, पुंछ, मेंढ़र तथा राजौरी क्षेत्रों में मोर्टर तथा भारी क्षमता वाली तोपें काम में लीं।"

पीआईबी ने कहा है कि "पाकिस्तानी गोलाबारी में अब तक 16 लोग मारे गये हैं, जिनमें तीन महिलाएं और पाँच बच्चे शामिल हैं।"

पीआईबी ने आगे कहा कि "पाकिस्तान की तोपखाने की मार को रोकन के लिये, भारत को यहाँ भी जवाब देने के लिये बाध्य होना पड़ा।"

गुरुवार को सुबह, पाकिस्तानी सेना ने दावे के साथ कहा कि भारत इस्लामाबाद के एयरस्पेस को नष्ट करने के लिये इज़रायल -निर्मित ड्रोन्स का इस्तेमाल कर रहा है तथा दो दिन में इस प्रकार के 12 ड्रोन मार गिराये गये हैं। इधर, केन्द्रीय रक्षामंत्री राजनाथ सिंह एक सर्वदलीय बैठक में कहा कि अगर पाकिस्तान ऑपरेशन सिन्दूर का बदला लेता है तो भारत जवाबी हमला करेगा।

रॉयटर्स ने एक पाकिस्तानी रक्षा प्रवक्ता को उद्धृत करते हुये कहा, "भारत ने पाकिस्तानी एयरस्पेस को नष्ट करने के लिये हैरॉप ड्रोन काम में लिये, जिनमें से 12 ड्रोन मार गिराये गये।"

प्रवक्ता ने कहा कि भारत पाकिस्तानी एयरस्पेस में लगातार ड्रोन भेज रहा है तथा पाकिस्तान उन्हें एक-एक करके निष्क्रिय कर रहा है। प्रवक्ता ने आगे कहा कि कराची तथा लाहौर सहित, विभिन्न स्थानों पर इन ड्रोनों का मलबा इकट्ठा किया जा रहा है। आईएपी हैरॉप एक "घूमने वाला आयुध (म्यूनिशन) है तथा मँडराता रहता है तथा कमान्ड देने पर हमला बोल देता है। यह "एमबीटी मिसाइल्स डिविजन ऑफ इजराइल एयरोस्पेस इण्डस्ट्रीज" तैयार किया गया है। हैरॉप ड्रोन सितम्बर 2009 में इंडियन एयरफोर्स में शामिल किये गये थे। बताया जाता है कि फरवरी 2019 में, आईएएफ ने कई 110 ड्रोन्स वाले तत्कालीन फ्लीट में 54 ड्रोन शामिल कर लिये थे तथा इन्हें नया नाम पी-4 दे दिया गया था।

## पाकिस्तान ने भारत के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

में भी ऐसी ही स्थिति देखने को मिली। अधिकांश सीमावर्ती क्षेत्र अब अंधेरे में डूबा हुआ है। गुरदासपुर, जो पंजाब का एक पास का शहर है, में भी ब्लैक आउट घोषित किया गया। सांबा, अखनूर, राजौरी और रियासी में अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर भारी गोलाबारी पहले से ही जारी है।

ये हमले पाकिस्तान के खिलाफ ऑपरेशन सिंदूर, पाकिस्तान और पाकिस्तान द्वारा नियंत्रित कश्मीर में आतंकवादी ठिकानों पर सटीक हमलों के एक दिन बाद हुए हैं, जो कश्मीर के पहलगाम में पर्यटकों पर हुए बड़े आतंकवादी हमले के बाद किए गए थे।

सरकार और सेना ने बार-बार यह कहा है कि ये हमले गैर-उत्तेजक, सटीक, नियंत्रित और नपे-तुले थे।

पाकिस्तान ने आज सुबह 15 शहरों, जिनमें श्रीनगर, पठानकोट, अमृतसर, लुधियाना, चंडीगढ़ शामिल थे, में सैन्य प्रतिष्ठानों को लक्षित करने का प्रयास किया, जिसे भारतीय सशस्त्र बलों ने नाकाम कर दिया।

भारतीय सेना ने प्रत्युत्तर में कई स्थानों, जिनमें लाहौर भी शामिल है, में पाकिस्तानी एयर डिफेंस राडार और सिस्टम को निशाना बनाकर नष्ट किया।

सरकार ने कहा कि भारतीय सेना की प्रतिक्रिया "उसी श्रेणी की और उसी तीव्रता की थी", जिस तरह के पाकिस्तान द्वारा हमले किए गए थे।

सरकार ने एक विज्ञप्ति में कहा, "भारतीय सशस्त्र बल अपनी प्रतिबद्धता को फिर से दोहराते हैं कि वे गैर-उत्तेजक प्रतिक्रिया देंगे, बशर्ते पाकिस्तानी सेना इसका सम्मान करे।"

चश्मदीद गवाहों ने जम्मू से बताया कि भारतीय काउंटर मिसाइलों द्वारा

■ पर्यवेक्षकों का कहना है कि भारतीय सेना एलओसी और अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर जवाबी कार्यवाही कर सकती है। हालात युद्ध की घोषणा की ओर बढ़ते लग रहे हैं।

लगभग आठ पाकिस्तानी मिसाइलों को नष्ट कर दिया गया, जिसमें जम्मू एयरपोर्ट को निशाना बनाया गया था। जैसलमेर पर भी हमले किए गए हैं, क्योंकि एक पाकिस्तानी एफ-16 जेट फाइटर को कथित तौर पर गिरा दिया गया है।

विश्लेषकों का कहना है कि भारतीय सशस्त्र बल सीमा रेखा (एल.ओ.सी.) और अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर काउन्टर अटैक कर सकते हैं। उन्होंने कहा, "स्थिति युद्ध की घोषणा की ओर बढ़ती हुई प्रतीत हो रही है।"

## दो पाकिस्तान ..

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

हुए 8 मिसाइल और 16 ड्रोन के साथ ही पाकिस्तान का एक एफ-16 फाइटर जेट और 2 जेएफ -17 फाइटर जेट मार गिराए हैं। एक -16 फाइटर जेट को राजस्थान में मार गिराया गया है. भारतीय सेना व बीएसएफ ने एक पाकिस्तानी फाइटर जेट के पायलट को जम्मू-कश्मीर के अखनूर सेक्टर में जिंदा पकड़ा है, जबकि एक पायलट को राजस्थान के जैसलमेर जिले के पोखरण इलाके में पकड़ा गया है।

# चीन की सहायता से नॉर्थ-ईस्ट में अशान्ति फैला सकता है बाँग्लादेश

## पिछले कुछ माह से बाँग्लादेश का राजनीतिक व मिलिटरी नेतृत्व खुलकर पाकिस्तान का समर्थन कर रहा है

■ बाँग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मोहम्मद युनूस पाकिस्तान के साथ संबंध सुधारने का भरपूर प्रयास कर रहे हैं।

■ भारत के लिये चिंता का विषय है, बाँग्लादेश द्वारा चीन की मदद से लालमोनिरहार एयरबेस के आधुनिकीकरण का तथाकथित प्रयास। यह एयरबेस भारत के सिलीगुड़ी कोरिडोर, चिकन्स नैक के पास है। यह कोरिडोर, चीन, भूटान व नेपाल की सीमा से लगा हुआ है और इन देशों के लिये नॉर्थ-ईस्ट राज्यों में जाने का रास्ता है।

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 8 मई। पश्चिमी सीमा पर पाकिस्तान के साथ सैन्य संघर्ष के तेज होने के आसारों के बीच, सुरक्षा विशेषज्ञ एक और आसन्न खतरे की चेतावनी दे रहे हैं। उनके अनुसार, ऐसी संभावना है कि बाँग्लादेश उत्तर-पूर्व में चीन की मदद से संकट पैदा करने की कोशिश शुरु कर सकता है।

गत वर्ष शेख हसीना सरकार को उखाड़ फेंकने तथा अपना निर्वासन काल गुजारने के लिये हसीना के भारत आ जाने के बाद, बाँग्लादेश उस देश के प्रति शत्रुवत व्यवहार कर रहा है, जिसने उसे मुक्ति दिलाने में मदद की थी। अब पाकिस्तान के साथ उसकी नजदीकी हो गई है। हाल ही के महीनों में, बाँग्लादेश की राजनीति एवं सेना की ताकतवर आवाजें पाकिस्तान को खुला समर्थन और भारत के प्रति खुली दुश्मनी की बातें कह रही हैं।

जनवरी में, पाकिस्तानी सेना और आईएसआई का चार सदस्यों का उच्च-स्तरीय प्रतिनिधिमंडल ढाका गया था तथा उसने कई सैन्य प्रतिष्ठानों तथा एयर बेसेज के दौरे किये थे तथा बाँग्लादेश सरकार के उच्च पदस्थ लोगों के साथ मीटिंग की थीं। इससे पूर्व, बाँग्लादेश सरकार के उच्च पदाधिकारी, लेफ्टिनेन्ट जनरल एसएम कमरुल हसन के नेतृत्व में पाकिस्तान गये थे तथा उन्होंने वहाँ पाकिस्तानी सेना के समकक्ष अधिकारियों, जिनमें आर्मी चीफ जनरल आसिफ मुनीर, तथा जॉइन्ट चीफ ऑफ स्टाफ कमेटी के चेयरमैन जनरल शाहिद शमशाद मिर्जा शामिल थे, के साथ मीटिंग की थीं। बताया जाता है कि इस प्रतिनिधिमंडल ने पाकिस्तान के विदेश मंत्री, रक्षा मंत्री तथा उप प्रधानमंत्री के साथ गोपनीय मीटिंग की थीं

यह एक प्रमाणित तथ्य है कि मोहम्मद यूनुस, जो बाँग्लादेश की अन्तरिम सरकार के मुख्य सलाहकार हैं, के नेतृत्व में बाँग्लादेश, पाकिस्तान के साथ अपने रिश्ते सुधारने के लिये प्रयत्नशील है।

भारत की चिन्ता का विषय एक अन्य घटनाक्रम भी है, जिसका सम्बंध बाँग्लादेश के उन कथित प्रयासों से है, जिनके अन्तर्गत वह चीन की मदद से अपने लालमोनीरहाट एयरबेस का आधुनिकीकरण करने जा रहा है। इस एयरबेस का विशेष सामरिक महत्व है, क्योंकि यह भौगोलिक दृष्टि से "चिकन्सनैक", अर्थात भारत के सिलीगुडी कॉरिडोर के नजदीक स्थिति है। इनके बीच की दूरी मात्र 160 किमी है। इक्कीस किमी चौड़ा तथा 60 किमी लम्बा यह कॉरिडोर चीन, भूटान और नेपाल की सीमाओं से मिलता है तथा पूर्वोत्तर के राज्यों के लिये मुख्य द्वार का काम करता है।

हाल ही महीनों में, बाँग्लादेश ने कई असामान्य रणनैतिक कदम भी उठाये हैं, जैसे वहाँ की वायु सेना द्वारा "आकाश विजय" नामक ड्रिल का आयोजन। इस अवसर पर उपस्थित मोहम्मद यूनुस ने कहा था, "हम एक ऐसी दुनिया में रह रहे हैं, जहाँ युद्ध का खतरा निरन्तर मँडरा रहा है। भारत और पाकिस्तान संघर्ष के किनारे पर खड़े हैं तथा अफवाहें बता रही हैं कि किसी भी समय युद्ध छिड़ सकता है। ऐसे संदर्भ में, बाँग्लादेश का तत्पर न रहना आत्महत्या के अलावा और कुछ नहीं है।"

इससे पहले, बाँग्लादेश में चीन को निवेश के लिये आमंत्रित किये जाने पर भी यूनुस की आलोचना हुई थी, क्योंकि उनका देश भारत के उत्तर -पूर्वी लैंडलॉक्ड (जमीन से घिरे हुये) राज्यों के लिये "महासागर का एकमात्र संरक्षक है।

## पाकिस्तान का 15 शहरों पर हमला...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

और ड्रोन से निशाना बनाने की कोशिश की, जिनमें अवंतीपुरा , श्रीनगर , जम्मू, पठानकोट, अमृतसर, कपूरथला , जालंधर , लुधियाना, आदमपुर, बटिंडा, चंडीगढ , नाल फलौदी, उत्तरलाई और भुज शामिल हैं। पाकिस्तानी मिसाइल और ड्रोन को भारत की एकीकृत वायु रक्षा प्रणालियों ने नष्ट कर दिया।

मंत्रालय ने बताया कि आज सुबह भारतीय सुरक्षा बलों ने समानुपातिक जवाबी कार्रवाई में पाकिस्तान में कई जगह पर वायु रक्षा प्रणाली और राडारों को निशाना बनाकर हमला किया । विश्वसनीय जानकारी के अनुसार, इन हमलों में लाहौर की वायु रक्षा प्रणाली पूरी तरह से नष्ट हो गयी है।

मंत्रालय ने कहा है कि पाकिस्तान की नष्ट की गयी मिसाइलों और ड्रोन के मलबे को बरामद किया जा रहा है, जो पाकिस्तानी हमलों का प्रमाण है।

वक्तव्य में यह भी कहा गया है कि पाकिस्तान ने नियंत्रण रेखा पार से कुपवाड़ा, बारामुला, उरी, पुंछ, मेंधर और राजौरी सेक्टरों में बिना किसी उकसावे के फायरिंग तेज कर दी है, जिसमें मोर्टारों और भारी तोपखाने का भी इस्तेमाल किया जा रहा है। इस फायरिंग में 16 निर्दोष लोगों की जानें गयी हैं, जिनमें तीन महिला और पांच बच्चे शामिल हैं। भारत ने भी विवश होकर पाकिस्तानी फायरिंग को रोकने के लिए मोर्टार और तोपखाने से जवाबी कार्रवाई की।

रक्षा मंत्रालय ने कहा है कि भारतीय सशस्त्र बलों की कार्रवाई तनाव बढ़ाने वाली नहीं होगी बशर्ते कि पाकिस्तानी सेना भी संयम बरते।

## अमेरिका चाहता है पाकिस्तान के आर्मी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

को केवल स्टेडियम पर हमले तक सीमित रखा। खुफिया जानकारी के अनुसार, पाकिस्तान अमृतसर में स्वर्ण मंदिर पर हमला करने की योजना बना रहा था। सूत्रों का कहना है कि अमेरिका भारत और पाकिस्तान के बीच घटनाओं पर बारीकी से नजर रखे हुए है और वह पाकिस्तान के सेना प्रमुख असीफ मुनीर को हटाने का दबाव बना रहा है, क्योंकि मुनीर हाईलाइनर हैं है और वे भारत-पाक के बीच की उभरी समस्याओं, जिनमें पहलगाम अटैक भी है, के जनक हैं। उनकी हेट स्पीच के बाद ही पहलगाम अटैक हुआ था।

आम सहमति बन रही है कि यदि मुनीर को हटाया जाता है, तो स्थिति सामान्य हो सकती है। इस समय जम्मू एयरपोर्ट पर हमले का खतरा है और जम्मू में पूरी तरह से ब्लैक आउट किया गया है। उत्तरी भारत के अधिकांश एयरपोर्ट बंद है और कई क्षेत्रों में उड़ानें बाधित हो गई हैं। भारतीय सरकार का कहना है कि पहलगाम अटैक के कारण हालात बिगड़े भारत ने तो सिर्फ जवाब दिया है। लेकिन पाकिस्तान में दबाव बढ़ रहा है कि भारत पर हमला किया जाए क्योंकि उनकी हमलावर कोशिशें भारतीय सेना द्वारा नाकाम कर दी गई हैं और भारतीय तकनीक के कारण उनका हमला विफल हो गया है।

## पाकिस्तान ने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

है। पाकिस्तान की तरफ से लगातार मिसाइलें दागी जा रही हैं। कई ड्रोन हमले भी किए गए हैं। भारत का एयर डिफेंस सिस्टम सभी हमलों को नाकाम कर रहा है। अब तक 30 से ज्यादा मिसाइलें ध्वस्त की जा चुकी हैं। पाकिस्तानी हमले के बाद पूरे शहर में ब्लैकआउट कर दिया गया है।

# "अभी पिक्चर बाकी है", बहुत गहराई है, पूर्व सेना प्रमुख नरवाने की टिप्पणी में

## यही कारण है कि जनरल नरवाने के कथन का थिंक टैंक्स, मीडिया रूम्स तथा राजनीतिक क्षेत्रों में गहन विश्लेषण किया गया

■ पिछले कुछ समय से सेवानिवृत हुए वरिष्ठ अधिकारियों से टिप्पणी कराने की नीति अपनाई जा रही है। इनमें "अधिकृत वक्तव्य" का आवरण होता है। आवश्यकता पड़ने पर इस वक्तव्य को व्यक्तिगत विचार कहकर किनारे किया जा सकता है।

■ जनरल नरवाने की रणनीति बनाने की प्रतिष्ठा के कारण यह शुरु से ही माना जा रहा है कि यह एक साधारण टिप्पणी से कहीं अधिक गंभीर है।

- सुकुमार साह -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 8 मई। "अभी पिक्चर बाकी है", यह बात कही है पूर्व सेना प्रमुख मनोज मुकुंद नरवाने ने और इस बात ने सस्पैंस और अटकलें बढ़ा दी हैं, साथ ही इसमें एक चेतावनी भी है। ऑपरेशन सिंदूर के बाद सोशल मीडिया पर आई उनकी टिप्पणी राष्ट्रीय घोषणा जैसा असर दे रही है। हालांकि, ये भले ही फिल्मी शब्द हैं, पर इनका वास्तविक परिणाम अलग है।

भारत की सैन्य कार्यवाही, जो 22 अप्रैल के पहलगाम अटैक के जवाब में की गई थी, से पाकिस्तान व पाक अधिकृत कश्मीर के 9 आतंकी अड्डों को निशाना बनाया। ये अड्डे जैश-ए-मोहम्मद, लश्कर-ए-तैयबा और हिजबुल मुजाहिदीन के थे और इन पर ड्रोन व मिसाइल अटैक किए गए। भारतीय अफसरों ने बताया, कार्यवाही काफी नपी तुली थी। यह इतनी आक्रामक थी कि आतंकी अड्डों को निशना बनाया, पर संयमित भी इतनी थी कि पाकिस्तान की सैन्य चौकियों को छुआ भी नहीं गया।

लेकिन फिर नरवाने का बयान आया। नरवाने हाल ही में सेना प्रमुख के पद से रिटारयर हुए हैं और सामरिक मामलों के विशेषज्ञ हैं। जब उनके स्तर का कोई व्यक्ति कुछ कहता है तो उसके गहरे मायने होते हैं। जब से उनकी टिप्पणी आई है, तब से ही मीडिया चैनल थिंक टैंक्स और राजनैतिक हल्कों में इसकी चर्चा हो रही है। यह उनकी निजी राय से कहीं अधिक है। इसे एक गुप्त चेतावनी और मनोवैज्ञानिक संकेत के रूप में देखा गया। यह शायद भारत के विकसित हो रही सुरक्षा नीति का अंग है।

पूर्व कोर कमांडर लैफ्टिनैंट जनरल सय्यद अता हसनैन (रिटायर्ड) ने एक टीवी पैनल चर्चा में कहा कि "जब कोई वरिष्ठ मिलिटरी लीडर यह भाषा बोलता है तो यह यूं ही नहीं होता। यह संभवतया रणनीतिक हल्कों में व्याप्त इस सहमति को दर्शाता है कि सीमा पार आतंकवाद की समस्या से एक बार की कार्यवाही से नहीं निपटा जा सकता, बल्कि इसके लिए लगातार प्रयास करने होंगे।"

सेवानिवृत जनरलों के बयान सरकार के बयानों जितने ही प्रभावित हो सकते हैं, यह बात नहीं नहीं है। आज के मीडिया प्रभावित रणनीतिक माहौल में उच्च पदों से रिटायर्ड सैन्य अफसरों के बयान निजी राय व सरकारी बयान के फर्क को धुंधला कर देते है। ये वरिष्ठ रिटायर्ड अफसर अब भी बेहद सम्मानित हैं और इनसे अक्सर राय मशविरा किया जाता है। ये अनौपचारिक संदेश वाहक की भूमिका निभा सकते हैं। ये नीति में बदलाव का संकेत दे सकते हैं और शत्रु को चेतावनी भी दे सकते हैं, वो भी बिना किसी सरकारी प्रतिबद्धता के।

भारत के एक वरिष्ठ सुरक्षा विश्लेषक ने कहा कि ये बयान नीति निर्माताओं को विचार-विमर्श और सौदेबाजी का विकल्प देते हैं।

अगर, संदेश पर नकारात्मक प्रतिक्रिया आती है तो इसे निजी राय बताकर खारिज किया जा सकता है। नरवाने का बयान न केवल भारतीय जनता को आश्वस्त करता है, बल्कि चीन को चेतावनी भी देता है कि बहुत कुछ हो सकता है।

पाकिस्तान में इस पर त्वरित प्रतिक्रिया हुई। पाकिस्तान ने हमलों को देश की संप्रभुता का उल्लंघन बताया और आतंकी अड्डे होने से इंकार किया। पाक प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने इसे "युद्ध की कार्यवाही" करार दिया और माकूल जवाब देने की कसम ली। जवाब में पाकिस्तान ने लाहौर के निकट भारत के निगरानी ड्रोन को नष्ट कर दिया। कश्मीर में भी गोलीबारी शुरु हो गई, जिससे दोनों ओर की सीमा पर रहने वाले नागरिकों को अपने घर छोड़ने पड़े।

अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिक्रिया मिश्रित रहीं। अमेरिका, ब्रिटेन और यूरोपीय संघ ने तनाव कम करने की अपील की, लेकिन भारत के आत्मरक्षा के अधिकार को लेकर मूक सहमति नज़र आई। एक यूरोपीय थिंक टैंक के व्यक्ति ने टिप्पणी की, "भारत ने 2016 और 2019 में संयम बरता था। इस बार वह चरणबद्ध प्रतिक्रिया पर चलता दिख रहा है।"

चीन ने विशेष रूप से चुप्पी साध रखी है। पाकिस्तान तथा सीमा क्षेत्र में अपने निवेश को देखते हुए, बीजिंग घटनाक्रम पर सावधानीपूर्वक नज़र रख रहा है। शायद वो यह मूल्यांकन कर रहा है कि भारत की रणनीति में यह बदलाव पाकिस्तान में उसकी बेल्ट एंड रोड परियोजनाओं पर कैसे असर डाल सकता है।

नई दिल्ली के लिए, ऑपरेशन सिंदूर केवल एक सामरिक प्रतिघात नहीं, बल्कि एक संभावित नीति बदलाव का संकेत है- जिसमें संतुलित प्रतिशोध को एक नियम के रूप में अपनाया गया है। इस नई नीति में रणनीतिक अस्पष्टता और सूचना युद्ध उतने ही अहम हैं, जितनी सैन्य शक्ति।

देश के भीतर नरवाने के वाक्य ने राष्ट्रवादी भावना को जगा दिया है। सोशल मीडिया पर यह पोस्ट वायरल हो गई है और एक नारा बन गई है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यह सत्तारूढ़ पार्टी की निर्णायक नेतृत्व की छवि से मेल खाता है, विशेषकर आम चुनाव से पहले। परंतु इन प्रतीकों से परे, यह संदेश इस गहरी सच्चाई को भी छूता है कि भारत अब पाकिस्तान से जुड़ी अपनी दीर्घकालिक सुरक्षा समस्या से निपटने के तरीके पर पुनर्विचार कर रहा है।

यह बात एक ऐसे पूर्व सेना प्रमुख द्वारा कही गई है, जिन्होंने गलवान संकट के समय सेना का नेतृत्व किया और सीमा पार खतरों को प्रत्यक्ष देखा। नरवाने का शब्दों का चयन प्रतीकात्मक होने के साथ-साथ रणनीतिक भी है।

यह दुश्मनों और सहयोगियों, दोनों को याद दिलाता है कि असली चुनौती आतंकवाद को हमले के बाद दंडित करना नहीं, बल्कि अगले हमले को रोकना है। और इसके लिए केवल मिसाइलें और हमले ही नहीं, बल्कि "डिटरैंस" (निरोध) शब्द की नई परिभाषा की जरूरत है।

क्या आगे और हमले अवश्यंभावी हैं, यह तो स्पष्ट नहीं है। लेकिन यह तय है कि भारत का अधिकारिक और अनौपचारिक, दोनों तरह का रणनीकि संदेश तीखा होता जा रहा है और इस माहौल में, एक सेवानिवृत्त जनरल की चार शब्दों की सोशल मीडिया पोस्ट, कभी-कभी एक संपूर्ण प्रेस कॉन्फ्रैंस से अधिक कह जाती है।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908